- जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी
- 10

- कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : ट्रंप
- 11

- भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध
- 11

- दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी
- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 299, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

विश्व विजेता बेटियों का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में पहला टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की सदस्यों से मिले। इस दौरान मोदी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके लिए एक गेंद पर हस्ताक्षर भी किए।

अंतरिक्ष क्षेत्र में उम्मीदें जगा रहे हैं 300 से ज्यादा स्टार्टअप

मोदी ने स्काईरूट के रॉकेट का अनावरण किया, नई प्रौद्योगिकी तैयार करने के लिए जेन जी को सराहा

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए जेन जी पेशेवरों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में 'स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। कंपनी का 'आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेन जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं। मोदी ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

मोदी ने कहा, भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक भारत ने साबित किया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है।

अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी है स्काईरूट

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस एक अत्याधुनिक केंद्र है, जिसमें लगभग 2,00,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र है और बहु-प्रक्षेपण यान के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए हर महीने एक आर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पूर्व-छात्र, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और अब उद्यमी हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

ब्रीफ न्यूज

वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर पुलिस का छापा

श्रीनगर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सदस्यों और संगठनों के खिलाफ गुरुवार को की गई कार्रवाई के तहत हंदवारा पुलिस ने वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन का मकसद संस्थान के कार्यों की जांच करना और प्रतिबंधित जमात से इसके संभावित जुड़ाव की पुष्टि करना है।

खेती के नए तरीके अपनाने के लिए सात किसानों को पुरस्कार

नई दिल्ली। खेती में नवाचार और उद्यमशीलता के लिए सात किसानों को पुरस्कार दिया गया है। किसान ऑफ इंडिया सम्मान के अंतर्गत जैविक/प्राकृतिक खेती, संरक्षित खेती, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि स्टार्ट-अप, डेयरी फार्मिंग, मत्स्यपालन और खेती में नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। राजस्थान के जोधपुर के उद्यमी अमित सोनी ने बताया कि कैसे संसद में उनके बाजरे से बने चॉकलेट ट्रफल केक को काटा गया और प्रधानमंत्री ने उसकी तारीफ की। सना खान को 'मन की बात' प्रोग्राम में वर्मीकम्पोस्ट में उनके प्रयासों की तारीफ किए जाने के बाद ख्याति मिली।

दिव्यांगों का अपमान रोकने को एससी-एसटी जैसा सख्त कानून बनाने पर विचार करे केंद्र

शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने दिया जल्द ही नियम बनाने का आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने दिव्यांगजनों की गरिमा की रक्षा के लिए एक सख्त कानून की आवश्यकता पर जोर दिया और बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह दिव्यांगजनों के खिलाफ उनका मजाक उड़ाने वाले और अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट जैसा दंडनीय कानून बनाने पर विचार करे।

एससी/एसटी एक्ट, 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के खिलाफ किए जाने वाले जातिसूचक अपशब्दों, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है तथा इस कानून के तहत ऐसे मामले गैरजमानती होते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, एससी-एसटी अधिनियम में जातिसूचक टिप्पणियों को अपराध माना गया है और सजा का प्रावधान है, उसी तरह का कठोर कानून आप दिव्यांग लोगों के लिए क्यों नहीं ला सकते। मेहता ने भी कोर्ट की इस टिप्पणी की सराहना की।

पीठ को सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और उनका मजाक उड़ाने जैसे मामलों से निपटने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने मंत्रालय से कहा कि वह इन्हें चर्चा के लिए सार्वजनिक करे। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दुर्लभ 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' रोग से पीड़ितों के लिए काम करने वाले 'मेसर्स एसएमए क्योर फाउंडेशन' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और उसके सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साथियों की ओर से किए गए मजाकिया बयानों को उठाया गया है।

दंड : दिव्यांगों की सफलता पर करने होंगे प्रोग्राम

पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को भविष्य में आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश देते हुए दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों के बारे में हर महीने दो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांगों, विशेषकर एसएमए से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए धन जुटाया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सामाजिक दंड का हिस्सा है और उन्हें अन्य दंडात्मक उपायों से छूट दी गई है। उन्हें दिव्यांगों के बारे में उनके असंवेदनशील चुटकुलों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में ऐसा करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि इन्फ्लुएंसर्स एसएमए जैसी दुर्लभ बीमारियों के पीड़ितों को समय पर उपचार प्रदान करने के मकसद से धन जुटाने के लिए अपने मंचों पर सक्षम व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं।

एसआईआर पर कोर्ट ने पूछा सवाल...

क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को भी वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को पूछा, क्या ऐसे लोग जो गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और जिनके पास कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक सीमित है। उन्होंने पूछा, मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मजदूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फायदा दिया गया है तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जताई गई चिंताओं पर सीजेआई ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। अगर दूरदराज के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था। अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते।

प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान के लिए चलेगा अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकार ने जारी किया आदेश, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं में चलेगा सर्च ऑपरेशन

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार की तरफ से जारी निर्देश में खासतौर पर बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों का जिक्र किया गया है और इन जिलों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान को लेकर सर्च अभियान चलाने को कहा गया है। इस अभियान में मदद के लिए दूसरे राज्यों से भाषा विशेषज्ञ भी बुलाए जाएंगे।

बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों की तलाश करके उन्हें वापस भेजने और पहचान का सत्यापन होने तक उन्हें जिला स्तर पर अस्थाई हिरासत केंद्र में रखने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारियों को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए थे। ताजा निर्देश इसी क्रम में जारी किए गए है। संवेदनशीलता की नजर से बरेली के कमिश्नर और मंडल के सभी डीएम को खासतौर पर इस बारे में निर्देश जारी किए गए हैं। बरेली के कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने अपने अधीन सभी डीएम को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने का निर्देश भी दे दिया है।

आधार को जन्मतिथि प्रमाणपत्र न माना जाए

लखनऊ। नियोजन विभाग ने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों और अपर मुख्य सचिवों को आदेश दिया है कि आधार कार्ड को जन्म तिथि प्रमाण के रूप में न स्वीकार किया जाए। ये आदेश भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पत्र के आधार पर दिया गया है। इसमें कहा गया था कि आधार में दर्ज जन्मतिथि अनुमानित होती है।, इसे प्रमाणिक नहीं माना जा सकता। नियोजन विभाग के विशेष सचिव अमित सिंह की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि गाइडलाइन के बावजूद कई विभाग आधार को जन्मतिथि प्रमाण स्वीकार कर रहे हैं। शासन का निर्देश है कि किसी भी सरकारी प्रक्रिया में नियुक्ति, प्रमोशन, सेवा रजिस्टर संशोधन या अन्य संवेदनशील दस्तावेजों में आधार को जन्मतिथि का प्रमाण न माना जाए।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में 10 राज्यों में ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों पर हैं रिश्वतखोरी के आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को देश के कुछ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी और नियामक ढांचे में हेरफेर के मामले में धनशोधन जांच के तहत दस राज्यों में एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उनमें मेडिकल कॉलेजों के सात परिसर और कुछ निजी लोगों के ठिकानें शामिल हैं। मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय समेत कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों से संबंधित है।

ईडी की टीमों ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लगभग 15 स्थानों पर एक साथ छापे मारे और तलाशी लेना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इसी मामले में सीबीआई ने 30 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें आरोप था कि मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से संबंधित गोपनीय जानकारी मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों और बिचौलियों को देने के बदले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों सहित कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इससे उन्हें मापदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में मदद मिली।

विंजो के दो संस्थापकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग मंच विंजो की संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पावन नंदा को धनशोधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। एजेंसी के जोनल कार्यालय में बुधवार को पूछताछ के बाद उन्हें बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया। उन्हें उसी रात बेंगलुरु की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया था कि कंपनी ने 43 करोड़ रुपये अपने पास रखे थे, जिसे आदर्श रूप से 'गेमर्स' को वापस किया जाना चाहिए था क्योंकि भारत ने हाल ही में वास्तविक धन वाले गेमिंग (आरएमजी) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध का रास्ता साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

- विधानसभा में पारित हुआ विधेयक, एसटी व छठी अनुसूची में आने वाले क्षेत्र दायरे में नहीं

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है। शर्मा के पास गृह और राजनीतिक विभागों का भी प्रभार है। उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है। शर्मा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

86,000 तक पहली बार सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

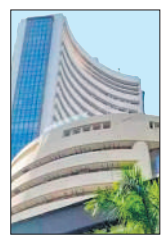

- निफ्टी भी पहली बार 26,300 के अंक तक पहुंचने में कामयाब
- आखिर में सेंसेक्स 85,720 और निफ्टी 26,215 पर हुआ बंद

आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक के अपने शिखर तक पहुंचा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार की शुरुआत गुरुवार को बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंचा, लेकिन अंत में 10.25 अंक ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ।

- दोनों सूचकांकों के लिए ये दूसरे सबसे ऊंचे बंद स्तर हैं। इससे पहले इनका ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था।

उद्गार

मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद के तरुण सागरम् तीर्थ मुरादनगर में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ

भारत की परंपरा संतों-महापुरुषों के त्याग-बलिदान की गाथा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले- राम मंदिर में पूरी दुनिया ने भारत के सनातन वैभव को देखा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं।

कहा, तीन दिन पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूरा करने के महायज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। देश के साथ पूरी दुनिया ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया।

सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर (गाजियाबाद) पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। योगी ने भगवान पार्श्वनाथ जी और संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने 'मेरी बिटिया' व 'अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ' पुस्तक का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। यह चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तरुण सागरम् तीर्थ में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ।

सिक्योरिटी क्लियरेंस लेकर उद्घाटन की तैयारी करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने के साथ संबंधित एजेंसियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पाया कि एयरपोर्ट को अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सभी सुरक्षा मानकों को तत्काल पूरा किया जाए और शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

पांच करोड़ आईटीसी देने के मामले में तीन अफसर सस्पेंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ विशेष अनुसंधान शाखा राज्य कर में तैनात थे अधिकारी

अमृत विचार : राज्य सरकार ने लखनऊ विशेष अनुसंधान शाखा राज्य कर में तैनात अपर आयुक्त संजय कुमार मिश्र, संयुक्त आयुक्त सुशील कुमार सिंह और उपायुक्त धनश्याम मधेशिया को धोखाधड़ी कर पांच करोड़ इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) देने के मामले में सस्पेंड कर दिया है। विशेष सचिव राज्य कर श्याम प्रकाश नरायण ने इस बाबत आदेश जारी किया है। प्रकरण आईटीसी क्लेम करने के लिए पांच ई-वे बिल बनवाने से जुड़ा है।

आरोप है कि पूरा मामला संज्ञान में होने के बावजूद इन तीनों अधिकारियों द्वारा न तो कई पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई और न ही ट्रांसपोर्टर वाहन स्वामियों व उनके चालकों के खिलाफ अर्थदंड की कार्रवाई की गई। विशेष अनुसंधान शाखा जांच के समय तलाशी की कार्रवाई के समय प्रयुक्त वाहनों के फैक्ट्री गेट में प्रवेश से संबंधित सीसीटीवी फुटेज न तो व्यापारी से मांगा गया और न ही उसकी कोई चर्चा की गई। तलाशी की कार्रवाई के वक्त उनके द्वारा माल आने के गेट रजिस्टर में चारों वाहनों को न तो चेक किया गया और न ही इस विषय का कोई जिक्र जांच रिपोर्ट में किया गया, लेकिन पाया जांच में पाया गया कि इनके द्वारा रजिस्टर प्राप्त किया गया। सत्यापन तथा मूल्यांकन के बाद स्टाक रजिस्टर के अभाव में 3 करोड़, 57 लाख 24 हजार का स्टाक सही मान लिया गया। इस पर कुल 44.87 लाख का अर्थदंड लगाया गया। जबकि नियम के मुताबिक, माल की लागत के बराबर जुर्माना लगाया जाना चाहिए था, लेकिन केवल टैक्स के बराबर लगाया गया। इसके बाद भी कपटपूर्ण तरीके से पांच करोड़ रुपये का आईटीसी ले लिया गया। इसके चलते इन अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में एक स्टाल पर उत्पादों को देखते हुए मंत्री राकेश सचान।

यूपी पवेलियन के स्टालों पर हुई जमकर खरीदारी

अमृत विचार, लखनऊ: इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 का गुरुवार को समापन हो गया। इस बार लगभग 150 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिससे लगभग 5 करोड़ रुपये की बिक्री। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने मेले के समापन के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 में उत्तर प्रदेश पवेलियन का दौरा किया और स्टाल पर उत्पादों को देखा। मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाईयों व भागीदारों को पुरस्कृत भी किया।

गांवों में लगने वाले मेलों को भव्य बनाएगा बजट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नगर की तरह ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी
- पंचायती राज निदेशालय ने मांगी मेलों की रिपोर्ट

अमृत विचार : ग्रामीण मेलों के लिए ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी है, ताकि आयोजनों और भव्य तरीके से मनाया जा सके। पंचायती राज निदेशालय ने प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से ऐसे 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने वाले पारंपरिक मेलों की रिपोर्ट मांगी है, जो शासन को भेजी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में गंगा स्नान मेला, महाशिवरात्रि एवं श्रावण मास मेला, जन्माष्टमी मेला, दशहरा मेला समेत अन्य पारंपरिक मेले आयोजित होते हैं। इनके लिए ग्राम पंचायतों के पास बजट नहीं होता। न ही वित्तीय संसाधन जुटा पाते हैं। वर्षों से चंदा व अन्य स्रोत से आयोजन होते आ रहे हैं। इन मेलों के लिए कोई बजट व प्राविधान नहीं है। जबकि नगर के नियम हैं और बजट की व्यवस्था है। ठीक नगर की तरह ग्राम पंचायतों में मेला के लिए बजट और नियम सरकार बना रही है। ताकि चंदा न करके बजट से पारंपरिक आयोजन भव्य तरीके से कराए जा सकें।

न्यूज ब्रीफ

इप्सेफ ने पीएम को दोबारा भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया है कि देशभर के सरकारी कर्मचारी-शिक्षकों की समस्याओं का मिल बैठकर समाधान निकाला जाए। कर्मचारियों में निरंतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। पढ़े-लिखे युवा वर्ग को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार तो दिया जा रहा है, परंतु उन्हें जीने लायक वेतन व अन्य जीवन-यापन सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। इप्सेफ की ओर से प्रधानमंत्री को दोबारा पत्र भेजा गया है। इप्सेफ अध्यक्ष ने गुरुवार को पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी से मांग की है कि यूपीएस-एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल की जाए। देशभर के शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्ति दिलाएं। आउटसोर्स कर्मचारी को पदवार न्यूनतम वेतन व अन्य सुविधाएं तथा रिक्त पदों पर नियुक्तियों में वरीयता दी जाए।

पीएफ सेवा शिविरों में सुनी शिकायत

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ की ओर से निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और लखीमपुर खीरी समेत छह जनपदों में व्यापक पीएफ सेवा शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य क्षेत्र के पीएफ सदस्यों, पेंशनरों और नियोक्ताओं की शिकायतों का स्थल पर ही निस्तारण करना तथा सेवाओं को सीधे हितधारकों तक पहुंचाना रहा। हरदोई के संडीला स्थित बालाजी वेफर्स परिसर में आयोजित विशेष शिविर में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने उपस्थित होकर प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

17 जिलों में 50 प्रतिशत काम पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 17 जिलों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इन जिलों में औरैया, अम्बेडकरनगर, चित्रकूट, बाराबंकी, पीलीभीत, सहारनपुर, अमरोहा, मुरादाबाद, बस्ती, रामपुर, चंदौली, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बरेली, आजमगढ़, फिरोजाबाद और एटा शामिल है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि राज्य में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से प्रगति पर है।

किसानों को अनुदान पर दिए जाएंगे सोलर पंप

40521 सोलर पंप का होगा वितरण, 15 तक करें आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के किसानों को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराने जा रही है। इसका लाभ लेने के लिए किसानों को 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। किसानों का चयन ई-लॉटरी के जरिए होगा।

इस योजना में किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग-अलग अंश भी होगा। 2 एचपी डीसी, एसी सरफेस पंप पर राज्य सरकार द्वारा 56737 रुपये व केंद्र सरकार द्वारा 41856 रुपये का अनुदान मुहैया कराया जायेगा। दोनों पंपों पर कुल 98593 रुपये अनुदान स्वरूप किसानों को प्रदान मिलेंगे। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर केंद्रांश व राज्यांश के रूप में किसानों को 1,00,215 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप 99,947 रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

3 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,33,621 रुपये व 3 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,32,314 रुपये का अनुदान मिलेगा। इसमें राज्य की ओर से 77,618 रुपये व केंद्र सरकार की ओर से 54696 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,88,038 रुपये का अनुदान किसानों को प्राप्त होगा। वहीं 7.5 एचपी एसी व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर किसानों को अलग-अलग अनुदान के रूप में सर्वाधिक 2,54,983 रुपये का लाभ मिलेगा। दोनों पंपों पर अलग-अलग अनुदान भी मिलेगा।

राज्य सरकार द्वारा 1,40,780 व केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 रुपये का अनुदान पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से 15 दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है। किसानों को अनुदान पर सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'अनुदान हेतु सोलर पंप की बुकिंग करें' लिंक पर जाकर करनी होगी। ऑनलाइन बुकिंग के साथ किसानों को टोकन मनी के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने होंगे। बुकिंग कन्फर्म होने के बाद पंजीकृत मोबाइल पर किसानों को सूचना प्राप्त हो जाएगी। इसके बाद किसानों को अनुदान के बाद बची अवशेष धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी।

सत्यापन में बोरिंग न मिली तो धनराशि होगी जब्त

कृषि विभाग के मुताबिक, किसानों द्वारा बैंक से ऋण लेकर किसान अंश जमा करने पर कृषि अवस्थापना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा तीन-तीन फीसदी (कुल छह फीसदी) की छूट ब्याज में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। विभाग के मुताबिक 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए छह इंच व 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है। यह बोरिंग स्वयं किसान की होगी। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी की धनराशि जब्त होगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

फर्जी अंकपत्र मामले में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका संदिग्ध

मंडलायुक्त बस्ती की जांच में हुआ खुलासा, शासन को भेजी गई रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुशीनगर में आलिम परीक्षा के टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में सिर्फ 45 परीक्षार्थी के नाम

अमृत विचार: मदरसा शिक्षा परिषद में वर्ष 2014 के आलिम और कामिल अरेबिक परीक्षाओं से जुड़े फर्जी अंकपत्र प्रकरण में मंडलायुक्त बस्ती की जांच रिपोर्ट ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने शासन को इसकी विस्तार से रिपोर्ट भेजी। जिसमें मदरसा गौसिया फैजुल उलूम मइहरवा कुशीनगर द्वारा पेश की गई टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में केवल 45 परीक्षार्थियों के नाम व अनुक्रमांक दर्ज थे। जिसमें साबिर अली अंसारी का नाम और उनका अनुक्रमांक 4050266 मौजूद नहीं था। कामिल अरेबिक तृतीय वर्ष में भी जाकिर हुसैन का नाम तो दर्ज मिला, लेकिर परिणाम में फेल दर्शाया गया था। इसके बाद रजिस्ट्रार कार्यालय की प्रस्तुत टेबुलेशन रजिस्टर में उसे पास दिखाया गया।

रजिस्ट्रार कार्यालय से उपलब्ध टेबुलेशन रजिस्टर (टीआर) पर न किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर थे, न पेज नंबरिंग, न प्रमाणीकरण था। लगता है कि यह दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरा ही न हो। इसके विपरीत मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा भेजी गई टीआर पूरी तरह हस्ताक्षरित और सत्यापित थी। प्रस्तुत अंकपत्रों पर भी परिषद कर्मियों के हस्ताक्षरों के बजाय मदरसा लिपिक अनवर हुसैन और प्रधानाचार्य अब्दुल शकूर के हस्ताक्षर मिले। इससे साफ है कि अंकपत्र कूटरचित थे। इन्हें मदरसे के भीतर ही तैयार किया गया। इस पूरे मामले में संदिग्ध पहलू तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की कार्यशैली रही। 8 जुलाई 2022 को उनके कार्यालय द्वारा दोनों अंकपत्रों को असत्य बताते हुए पत्र जारी किया गया। मात्र 18 दिन बाद 26 जुलाई 2022 को वहीं रजिस्ट्रार ने इन अंकपत्रों को सत्य घोषित कर दिया। संबंधित कनिष्ठ सहायक ने टिप्पणी बदलकर इसे "टंकण त्रुटि" बताया, लेकिन न तो इस बदलाव के पीछे कोई तथ्य थे और न कोई कारण। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने इस असंगति पर कोई सवाल उठाना तो दूर, बिना किसी जांच-पड़ताल के संशोधित सत्यापन आख्या पर हस्ताक्षर कर दिए। जांच रिपोर्ट ने इसे साफ शब्दों में "किसी कार्य के पश्चात विचार" की श्रेणी में रखा और कहा कि यह बदलाव न तो स्वाभाविक था, न प्रक्रियात्मक।

खुद को बताते हैं मुख्यमंत्री का सहपाठी

विभाग में इस बात की चर्चा है कि पूर्व रजिस्ट्रार व वर्तमान उपनिदेशक मुरादाबाद स्वयं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहपाठी बताते हैं। प्रशासनिक गलियारों और विभाग में इसी के दम पर अपनी धौंस दिखाते हैं। पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का विवादों से पुराना नाता है। कई मामलों में उन पर गंभीर आरोप लग चुके हैं।

परीक्षा संबंधित अभिलेख मुख्यालय पर नहीं

जांच में यह सामने आया कि वर्ष 2014 की परीक्षाओं से संबंधित आवेदन पत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य अभिलेख जिला मुख्यालय पर उपलब्ध ही नहीं हैं। परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभिलेख "बेंडर को दे दिए गए थे और वापस नहीं मिले" जांच रिपोर्ट में न केवल असंतोषजनक बताया गया, बल्कि इसे गंभीर लापरवाही का उदाहरण माना गया। ऐसे अप्रमाणिक, बिना हस्ताक्षर वाले अभिलेखों के आधार पर तत्कालीन रजिस्ट्रार का दो-दो सत्यापन जारी करना उनकी भूमिका को और अधिक संदिग्ध बनाता है। इन तथ्यों के आधार पर प्रदेश शासन ने रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट को 12 फरवरी 2024 को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यावाही का आदेश दिया। हालांकि बाद में जांच जारी रहते हुए जगमोहन सिंह बिष्ट को बहाल कर दिया गया। साथ ही उपनिदेशक मुरादाबाद के पद पर तैनाती दे दी गई।

मतदाता गणना प्रपत्रों की जानकारी उपलब्ध कराए आयोग

- सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, अनियमितता के आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायत की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा भेजे गए ज्ञापन पत्र में मांग की गयी है कि जिलों में मतदाताओं को वितरित तथा वापस लिये गए गणना प्रपत्रों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। ताकि पार्टी के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचकर 4 दिसंबर 2025 से पहले फॉर्म भरवा सकें।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को भेजे गए ज्ञापन में सभी जिलों में बीएलओ ऐप के माध्यम से सबमिट किए गए प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के मतदाताओं से जुड़ी पूरी रिपोर्ट तत्काल प्रदान की जाने की मांग की है। साथ ही आरोप लगाए हैं कि आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदेय स्थल 194 पर तैनात बीएलओ ने आधे मतदाताओं को ही गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए। वहीं अलीगढ़ में ऑनलाइन सबमिशन के दौरान गड़बड़ियां और फतेहपुर के खागा और हुसैनगंज क्षेत्रों में बीएलओ मतदाताओं तक पहुंच ही नहीं रहे हैं और अधिकांश गणना प्रपत्र गलत तरीके से श्रेणी तृतीय में भरे जा रहे हैं।

विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं अब 10 से

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के चलते परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम बदल दिया है। पहले यह परीक्षाएं 28 नवंबर से शुरू होने वाली थीं, लेकिन अब संशोधित तिथि के अनुसार परीक्षाएं 10 दिसंबर से आयोजित की जाएंगी। बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा नई परीक्षा तिथि का आदेश बुधवार को सभी जिलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, एसआईआर कार्य में बड़ी संख्या में शिक्षक, बीएलओ और अन्य विद्यालय स्तर के कर्मचारी लगे हुए हैं। ऐसे में शिक्षकों की उपलब्धता कम होने और विद्यालयों में परीक्षा संचालन पर संभावित प्रभाव को देखते हुए तिथि में परिवर्तन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि संशोधित समय-सारिणी से विद्यालयों को तैयारी का पर्याप्त अवसर मिलेगा और परीक्षाओं का संचालन भी सुचारू तरीके से हो सकेगा।

प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस ने बुधवार को वोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन के तहत प्रदर्शन किया। सुबह से प्रदेशभर से आए युवा कांग्रेसी प्रदेश कार्यालय में जुटे। वहां से मार्च निकालकर हजरतगंज स्थित चुनाव आयोग कार्यालय की ओर बढ़े। कांग्रेसियों को पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के कुछ ही दूरी पर बैरिकेडिंग पर रोक लिया। कार्यकर्ताओं और पुलिस में तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन पहुंचाया, जहां से बाद में छोड़ दिया गया। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने कहा कि सरकार अधिकारियों पर दबाव बनाकर एसआईआर में फर्जीवाड़ा करा रही है। जब तक यह तानाशाही खत्म नहीं होगी, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

माल एवेन्यू स्थित कांग्रेस मुख्यालय से निकले प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकती पुलिस।

एक करोड़ मुआवजे की मांग, सपा देगी 2 लाख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के समर्थन में उतरे सपा प्रमुख

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्य में लगातार दिए जा रहे असंभव लक्ष्य को प्राप्त करने में बीएलओ कर्मचारियों में मानसिक दबाव बढ़ रहा है और कई कर्मचारी गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं। भारी दबाव कर्मचारियों को जान देने को मजबूर कर रहा है। इसलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि मृतक के परिवारजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा मिले, साथ ही सपा दो-दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग पीड़ित परिवार को देगी।

अखिलेश ने भरा एसआईआर फार्म : मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को स्वयं एसआईआर फॉर्म भर दिया और दूसरों को भी फॉर्म भरने की सलाह दी। फार्म भरने की जानकारी सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर साझा करते हुए उन्होंने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपना-अपना एसआईआर कराएं, कुछ भी समस्या या गड़बड़ी दिखाई दे तो हमें सूचित करें।

कफ सिरप तस्करी में मास्टरमाइंड का करीबी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने लखनऊ के ग्वारी चौराहे से पकड़ा
- आरोपी से जुड़ी है झारखंड की फर्म देवकृपा

अमित सिंह

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में सिंडिकेट के फरार मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल का करीबी अमित सिंह टाटा लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह की टीम ने आरोपी को ग्वारी चौराहे के पास से दबोचा। झारखंड की देवकृपा फर्म आरोपी की बताई जा रही है। इसके पिता अशोक सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। सिरप कांड में उसकी तलाश एसटीएफ काफी लंबे समय से कर रही थी। गिरोह का मास्टरमाइंड वाराणसी का शुभम जायसवाल है, जो वर्तमान में दुबई भाग गया है। इस गिरोह का खुलासा सोनभद्र पुलिस ने 18 अक्टूबर को किया। इसके बाद 4 नवंबर को गाजियाबाद से सौरभ त्यागी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी होते ही शुभम विदेश भाग गया।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, अमित सिंह टाटा मूलतः जौनपुर के सुरेरी स्थित सीटूपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उसने वरूणा इंक्लेव सिकरौल कैंट में अपना ठिकाना बनाया रखा था। आरोपी के पास से मोबाइल, फार्च्युनर, आधार कार्ड व नकदी समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फेन्सेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त अन्य दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने हेतु इनका अवैध भंडारण एवं व्यापार करने तथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आपूर्ति करने की सूचना एसटीएफ को मिल रही थी। इस पर टीम ने साक्ष्य जुटाने शुरू किये। गिरोह का सरगना कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट वाराणसी का शुभम जायसवाल है। वह देश छोड़कर भाग चुका है।

वाराणसी को बनाया केंद्र : एसटीएफ के अनुसार अमित ने पूछताछ में बताया कि गिरोह के सरगना के इशारे पर वाराणसी में ड्रग लाइसेंस बनवाकर फर्म खोल दी। मेरे नाम से श्री मेडिकल फर्म खुलवाई। इसका भी सारा लेन-देन शुभम जायसवाल व उसके साथी देखते थे। बनारस की फर्म में दो-तीन महीने ही फेन्सेडिल का व्यापार होना बताया। उसके बाद एबॉट कंपनी द्वारा फेन्सेडिल कफ सिरप बनाना बंद हो गई।

जांच में खुलती गईं गिरोह की परतें

एएसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि 12 नवंबर को सहारनपुर के सदर बाजार स्थित शास्त्री नगर निवासी विभोर राणा व विशाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उनसे पूछताछ के बाद अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा का नाम सामने आया था। जांच में सामने आया कि आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह के जरिए वाराणसी के कायस्थ टोला प्रहलाद निवासी शुभम जायसवाल से उसकी जान-पहचान हुई थी। विकास सिंह ने बताया था कि शुभम जायसवाल का एबॉट कंपनी की फेंसेडिल कफ सीरप का शैली ट्रेडर्स के नाम से बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सीरप नशे के रूप में प्रयोग होता है, जिसकी काफी डिमांड पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। धनबाद में देवकृपा मेडिकल एजेंसी के नाम से जनवरी 2024 में फर्म बनवाई थी। फर्म का सारा लेन-देन शुभम जायसवाल, उसके पार्टनर व सीए देखता था। धनबाद के बिजनेस में उसने पांच लाख रुपये लगाए थे। उसे इन लोगों ने लगभग 20-22 लाख रुपये दिए। इस दौरान धनबाद दो से तीन बार ही गया था।

प्रतिबंधित दवाओं का व्यापार करने वाली 87 फर्मों के निरस्त होंगे लाइसेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीन युक्त कफ सिरप एवं नारकोटिक्स के अवैध व्यापार के खिलाफ एफएसडीए की कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उप्र. ने राज्य में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नारकोटिक एवं प्रतिबन्धित श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्यव्यापी छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा वाराणसी में 28 फर्मों के साथ कुल 87 फर्मों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई, इन सभी के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिलने पर औषधि विभाग की टीमों ने राज्यभर में औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि कई फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं, केवल अवैध बिलिंग पॉइंट के रूप में संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि कई प्रतिष्ठानों में भंडारण की पर्याप्त और मानकनुरूप व्यवस्था ही नहीं थी, क्रय-विक्रय अभिलेख नहीं मिले। इसके अलावा कई प्रतिष्ठानों में प्रतिबन्धित कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं नशीली दवाओं की अनधिकृत बिक्री हो रही थी। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि पकड़ी गई फर्मों में वाराणसी की राधिका इंटरप्राइजेज, हरी फार्मा के अमित जैसवाल समेत कुल 28 फर्में शामिल हैं, इसके अलावा जौनपुर की 12, कानुपर नगर की आठ, राजधानी लखनऊ की तीन इसके अलावा चंदौली, बहराइच, सुल्तानपुर, भदोही, प्रयागराज व गाजीपुर आदि जिलों से कुल 36 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी है।

न्यूज ब्रीफ

डीएम व एसपी ने जेल का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भोजनालय, बैरकों तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया। जिला कारागार में निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी। जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री न जाए इसके लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिला कारागार में आने वाले प्रत्येक नये कैदियों का जेल चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। एसपी ने जिला कारागार अधीक्षक से कहा कि नियमित रूप से कारागार का निरीक्षण करते रहें। निरूद्ध बन्दियों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखें। समय-समय बन्दियों की गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी दें।

बिना पंजीकरण चल रहे हॉस्पिटल को नोटिस

संतकबीरनगर। शहर के पटखौली स्थित श्रीवंश हॉस्पिटल को बिना पंजीकरण कराए ही संचालित किया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह जानकारी सामने आई है। सीएमओ डॉ.रामानुज कन्नौजिया ने अस्पताल को सील करते हुए निजी अस्पताल के संचालक को नोटिस भेजकर तीन दिन में जवाब तलब किया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संचालक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सीएमओ ने बताया कि निजी अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के ही संचालित किया जा रहा था। अस्पताल सील के दौरान मृतक महिला की बीएचटी अधूरी पाई गई है और उसमें न तो डॉक्टर का नाम भरा गया है न ही दवाओं का विवरण उपलब्ध है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने बैठक कर की चर्चा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। गुरुवार को पूर्व सूचना के अनुसार उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक मौर्या गेस्ट हाउस जनपद सिद्धार्थनगर पर किया गया। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 1 सितम्बर 2025 को टेट की अनिवार्यता के लिए आदेश पारित किया गया आदेश अव्यवहारिक है।

पीलीभीत के सैकड़ों किसानों को हाईकोर्ट ने दी बड़ी राहत

भूमि अधिग्रहण मामला : अधिग्रहण की प्रक्रिया 2014 से पहले शुरू होने के बावजूद मुआवजा नए कानून के तहत | पीलीभीत में एसएसबी के लिए वर्ष 2002 में शुरू हुई अधिग्रहण प्रक्रिया का मामला

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पीलीभीत के सैकड़ों किसानों को बड़ी राहत देते हुए भूमि अधिग्रहण कानूनों को स्पष्ट किया है। कोर्ट ने कहा है कि भले ही अधिग्रहण प्रक्रिया वर्ष 2014 के नए कानून लागू होने के पहले से शुरू हुई हो, लेकिन यदि मुआवजा नहीं प्रदान किया गया है तो नए कानून अर्थात भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर व पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत ही मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने पीलीभीत जनपद के किसानों कृशन कुमार शर्मा व अन्य की याचिका तथा राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। किसानों की ओर से अधिवक्ता सुशील कुमार का कहना था कि पीलीभीत के खरुआ गांव में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) के क्वार्टर्स इत्यादि के लिए 28.88 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की। प्रक्रिया वर्ष 2002 में अधिग्रहण के पुराने कानून के तहत शुरू हुई थी, हालांकि मुआवजा 2014 तक नहीं मिला। कहा गया कि बाद में किसानों तथा सरकार में वर्ष 2013 के नये कानून के तहत मुआवजा प्रदान करने पर सहमति बनी। लेकिन वर्ष 2015 में एक अधिसूचना लाते हुए, सरकार द्वारा पुराने कानून के तहत ही मुआवजा प्रदान करने की बात कही गई। वर्तमान याचिकाओं में उक्त अधिसूचना को चुनौती दी गई है। याचिका का केंद्र व राज्य सरकार के अधिवक्ताओं ने विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात पारित अपने आदेश में कहा कि अधिनियम, 2013 की धारा 24 नए कानून के संबंध में पूर्वलक्षी प्रभाव का प्रावधान करती है। जिसका अर्थ है कि यदि पुराने अधिनियम के तहत शुरू की गई अधिग्रहण प्रक्रिया में वर्तमान कानून के लागू होने की तिथि तक मुआवजा नहीं प्रदान किया गया है तो नये कानून के तहत ही मुआवजा तय किया जाएगा। कोर्ट ने वर्ष 2015 की अधिसूचना को निरस्त कर दिया, साथ ही नये सिरे से मुआवजा तय करते हुए, तीन माह के भीतर याचियों को प्रदान करने का आदेश दिया है।

न्यायपालिका को न्यायिक प्रक्रिया में बनना होगा सक्रिय भागीदार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में पोक्सो अधिनियम के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए कहा कि जब किसी मामले में परिणाम पहले से ही तय हो। यानी आरोपी का डिस्चार्ज या बरी होना, तब न्यायिक प्रणाली का बहुमूल्य समय व संसाधन ऐसे मार्ग अपनाने में क्यों व्यर्थ किए जाएं। ऐसे मामलों में किसी महिला को महीनों और वर्षों तक अदालत परिसर में इसलिए आना पड़े कि वह अपने ही पति को उस आरोप से बरी करवा सके। जिसे पत्नी स्वयं खारिज कर चुकी हो, तो यह उत्पीड़न का साधन बन जाएगा। बार-बार होने वाले खर्च, और कभी-कभी कानूनन आवश्यक से अधिक भुगतान की विवशता के अतिरिक्त समाज की कड़वी निगाहों, आलोचनाओं और उन तमाम टिप्पणियों का सामना करना, जो किसी महिला की गरिमा के विरुद्ध हो सकती हैं, इसे भी नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की एकलपीठ ने अश्विनी आनंद की याचिका को स्वीकार करते हुए की। कोर्ट ने मामले का अवलोकन कर निष्कर्ष निकाला कि न्यायपालिका ऐसे मामलों में केवल मूकदर्शक या शांत पर्यवेक्षक नहीं बनी रह सकती। बल्कि उसे न्यायिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनना होगा और सामाजिक न्याय की सेवा में कानून का उपयोग करने के लिए उद्देश्यपूर्ण और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। न्यायाधीशों को भारतीय जीवन की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। जिससे हर आंख से हर आंसू पोंछा जा सके। मामले के अनुसार पीड़िता के पिता ने अप्रैल 2024 में प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया कि याची ने उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। पुलिस ने जांच के बाद आईपीसी की धारा 363, 366 और पोक्सो की धारा 11/12 के तहत आरोप पत्र दाखिल कर दिया, लेकिन कथित पीड़िता ने स्वयं सीआरपीसी की धारा 161 के तहत अपने बयान में आरोपों से साफ इनकार करते हुए कहा कि वह स्वेच्छा से घर से गई थी। आरोपी के साथ उसके किसी प्रकार के शारीरिक संबंध नहीं थे। पीड़िता ने निर्विवाद रूप से वयस्क होने के बाद जून 2025 में याची से विवाह कर लिया। विवाह को उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत विधिवत पंजीकृत भी करवाया गया। उसने हाईकोर्ट के समक्ष हलफनामा दाखिल कर अपने पति की याचिका का समर्थन किया और मामले को निरस्त करने का अनुरोध किया। हालांकि राज्य ने आपराधिक कार्यवाही जारी रखने पर जोर देते हुए तर्क दिया कि पोक्सो के तहत अपराध समाज के विरुद्ध होते हैं। समझौते के आधार पर समाप्त नहीं किए जा सकते। लेकिन कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के अनेक फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि बीएनएसएस (पूर्व धारा 482 सीआरपीसी) की धारा 528 के तहत निहित शक्तियों का इस्तेमाल न करना विधायिका द्वारा प्रदत्त अधिकारों के उद्देश्य को ही नष्ट कर देगा। कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब न्याय का उद्देश्य त्वरित हस्तक्षेप की मांग करे, तब न्यायालय "मूकदर्शक" नहीं रह सकता।

जज की भतीजी की दहेज के लिए हत्या, दो गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। जज असगर अली की वकील भतीजी की दहेज के लिए हत्या कर दी गई। इस मामले में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी पति और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश हो रही है।

बरेली में पुराना शहर थाना बरदारी क्षेत्र निवासी डॉक्टर हाशिम की लड़की वकील एलएलएम की तैयारी कर रही थी। इस बीच उसका विवाह 27 फरवरी 2025 में हो गया। अधिवक्ता महजबीन (25) की शादी प्रेमनगर थाना क्षेत्र शाहाबाद निवासी डॉक्टर तलहा से हुई थी। महजबीन के चाचा, पेशे से वकील और आजाद समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अच्छन अंसारी ने बताया कि शादी में परिवार ने खूब दान-दहेज दिया था। शादी में कार भी दी थी, लेकिन ससुराल वाले ऑटोमैटिक कार की मांग कर रहे थे। बुधवार देर रात ससुराल वालों ने उसका गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसके गले पर निशान भी पड़े हुए हैं।

मृतका के चाचा ने बताया कि भतीजी ने फोन पर जानकारी दी थी कि ये लोग ऑटोमैटिक कार की मांग कर रहे हैं। इस पर वे लोग ससुराल भी गए थे और बात की थी। शादी के सिर्फ नौ महीने हुए थे कि उनकी बेटी की हत्या कर दी। प्रेमनगर थाने में पति डॉ. तलहा, देवर डॉ. मोहम्मद हमजा, देवर मोहम्मद जैद, ससुर डॉ. मेंहदी हसन, सास आसमा, ननद उजमा, ननद चमन और ननदोई फैजान के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कुशीनगर में बड़ी मात्रा में अपमिश्रित उर्वरक बरामद

कुशीनगर,एजेंसी। कुशीनगर में पुलिस ने नकली जिंक निर्माण की शिकायत पर सेवरही, तमकुही रोड स्थित निर्माणाधीन मकान में अवैध रूप से नकली जिंक उत्पादन का भंडाफोड़ करते हुये बड़ी मात्रा में अपमिश्रित उर्वरक बरामद किया है। जिला कृषि अधिकारी, अपर जिला कृषि अधिकारी, विभागीय कार्मिक एवं पुलिस बल की कार्रवाई में पारस जिंक के 700 पैकेट (नकली पैकिंग में), शक्तिमान जिंक के 314 पैकेट, दयाल मोनो जिंक के 275 किग्रा, जिंक खुला के 5 बैग, एसएसपी (ग्रोमोर) के तीन बैग, काला दाना के 13 बैग, मार्बल पाउडर के 65 बैग, साल्टेक्स सफेद दाना के 13 बैग बरामद किये। इसके अतिरिक्त खाली बोरे, खाली नमक पैकेट (एक डीसीएम वाहन की लोड क्षमता के बराबर मात्रा) वेट मशीन , फिनायल - 10 लीटर, पारस जिंक के लगभग 1000 खाली रैपर, दयाल जिंक के 1000 से अधिक खाली रैपर, स्थल से जिंक सल्फेट के 4 तथा एसएसपी उर्वरक का एक बैग बरामद किया गया। जिला कृषि अधिकारी डा. मेनका ने बताया कि सेवरही क्षेत्र में पुलिस विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त स्थल पर छापा मारा।

मेडिकल कॉलेज से नवजात लापता, प्राचार्य व सीएमएस समेत नौ के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में स्टाफ की लापरवाही से मेडिकल कालेज के एसएनसीयू वार्ड से गायब हुए नवजात की तलाश जारी है। मामले में पुलिस ने परिजनों के तहरीर पर मेडिकल कालेज के प्राचार्य, सीएमएस सहित कुल नौ लोगों खिलाफ मुकदमा दर्ज की है। पुलिस प्रशासन व प्राचार्य द्वारा गठित जांच टीम सीसीटीवी कैमरा खंगाल रही है लेकिन कुछ सुराग नहीं लगा। महिला को आठ वर्षों के इंतजार के बाद पुत्र हुआ था। इस घटना से परिजन बेहाल हैं।

मंगलवार की शाम नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के बलकुड़िया गांव के मनिया छापर टोला निवासी प्रदीप कुमार की पत्नी रीना को मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग में संचालित महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। नार्मल डिलीवरी के पश्चात महिला ने बेटे को जन्म दिया। परिजनों के मुताबिक स्टाफ नर्स नवजात को सांस लेने में तकलीफ बताते हुए एसएनसीयू वार्ड में भेज दिया। बुधवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे प्रदीप एसएनसीयू वार्ड में गया तो पता चला कि उसका बच्चा वहां नहीं है। इस उसने हंगामा शुरू कर दिया। बीएचटी और रजिस्टर में प्रदीप के बेटे के भर्ती होने की एंट्री दर्ज थी। स्टाफ नर्स पर नवजात को गायब करने का आरोप लगाते हुए प्रदीप ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आरके शाही से शिकायत कर पुलिस को इसकी सूचना दी। शाम तक नवजात का पता नहीं चल सका। सूचना पाकर सीओ, अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक ने मौके का निरीक्षण किया। एसपी केशव कुमार ने तत्काल टीम गठित कर जांच का आदेश दिया। इधर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. आरके शाही ने भी स्वास्थ्य विभाग का टीम गठित कर जांच करने निर्देश दिया। दोनो जांच टीम बुधवार को देर रात तक सीसीटीवी खंगालती रहीं। हालाकि पुलिस की प्राथमिकता जांच मे नवजात के गायब होने में मेडिकल कालेज प्रबन्धन की लापरवाही सामने आयी है।

इन पर दर्ज हुआ मुकदमा

बच्चे के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मेडिकल कालेज के प्राचार्य, सीएमएस, ड्यूटी प्रभारी, स्टाफ नर्स इंदू सिंह, स्नेहा मौर्या, जूली, उर्मिला, अनारकली के अलावा गार्ड धर्मेन्द्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताया जाता है कि मेडिकल कालेज के प्राचार्य के तरफ से भी तहरीर दी गई है लेकिन खबर लिखे जाने तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

> जांच टीम गठित कर पूरे मामले की जांच कराने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी गयी है। इसमें जो भी दोषी पाया जायेगा या फिर जिसकी भी लापरवाही सामने आती है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। -डॉ. आरके शाही, प्राचार्य

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 3-0 से दर्ज की जीत

69वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चौम्पियनशिप

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 69वें अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चौम्पियनशिप-2025 का आयोजन हो रहा है। इसके दूसरे दिन गुरुवार को प्रातःकालीन सत्र में खेले गये मैच में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे पर 3-0 से विजय हासिल की।

शुरू से ही बढ़त बनाते हुए पहले सेट में 25-13, दूसरे सेट में 25-12 तथा तीसरे सेट में 25-17 से जीत दर्ज की। आई.सी.एफ. एवं उत्तर मध्य रेलवे के बीच खेले गये दूसरे मैच में आईसीएफ 3-0 से विजयी रही। आरम्भ से ही बढ़त बनाते हुए मैच में 25-13, 25-05 तथा 25-15 से आई.सी.एफ. ने उत्तर मध्य रेलवे पर जीत दर्ज की। इसके उपरान्त दक्षिण मध्य रेलवे एवं उत्तर पश्चिम रेलवे के बीच खेले गये मैच में एकतरफा बढ़त बनाते हुए दक्षिण मध्य रेलवे 3-0 से विजयी रही। पहले सेट में 25-23, दूसरे सेट में 25-17 तथा तीसरे सेट में 25-12 से अपपे पक्ष में कर दक्षिण मध्य रेलवे ने जीत दर्ज की। दक्षिण पश्चिम रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बीच खेले गये मैच में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने 3-0 से जीत दर्ज किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पहले सेट में 25-18, दूसरे सेट में 25-23 एवं तीसरे सेट में 33-31 से जीत कर मैच अपने पक्ष में कर लिया। सायंकालीन सत्र में पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के बीच खेले गये मैच में पूर्व रेलवे ने 3-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। इसके पहले सेट में 25-19, दूसरे सेट में 25-17 तथा तीसरे सेट के मैच में 25-09 से पूर्व रेलवे ने जीत दर्ज की। पूर्वोत्तर रेलवे एवं दक्षिण रेलवे के बीच खेले गये मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने दक्षिण रेलवे पर 3-0 शानदार जीत दर्ज की। पूर्वोत्तर रेलवे ने पहला सेट में 25-21, दूसरा सेट 25-19 तथा तीसरे सेट 25-21 से अपने पक्ष में करते हुए जीत दर्ज की।

डीएम ने निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा एन.एच.730 साड़ी चौराहा से हाइडिल तिराहा होते हुए उसका बाइपास मदनपुर से नऊआ तक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता एनएच को निर्देश दिया कि समस्त निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा के अन्दर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उसका तक सड़क में जो गड्ढे है उसे भरवाने का निर्देश दिया। साड़ी चौराहा से हाइडिल तिराहे तक 4 लेन सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस का हुआ विस्तार

गोरखपुर, अमृत विचार। गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस ट्रेन अब बरेली के इज्जतनगर तक जाएगी। जिससे इन मंडलों के रेल यात्रियों को यात्रा में आसानी होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को रेल भवन में आयोजित समारोह में गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस ट्रेन को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पीलीभीत-इज्जतनगर सेक्शन के विस्तार और मार्ग पुनर्निर्धारित करने के बाद अब 15009/15010 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस नए मार्ग से चलेगी। इससे इज्जतनगर मंडल के यात्रियों को गोरखपुर और पूर्वांचल तक पहुंचने में आसानी होगी। ट्रेन संख्या 15009 गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस अब गोरखपुर से रात 10.15 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन अपराह्न 12:45 बजे इज्जतनगर पहुंचेगी। इज्जतनगर से अपराह्न 03:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 07:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

गोरखपुर-इज्जतनगर एक्सप्रेस ट्रेन को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

ककरहवा क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की किल्लत, उपभोक्ता परेशान

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों की अचानक कमी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शादी-विवाह के सीजन में गैस की बढ़ी मांग के बीच उपभोक्ता सिलेंडर के लिए इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह स्थिति लगभग आठ वर्ष पहले भी आयी थी, जब रात-भर लाइन लगाकर भारी मशक्कत कर गैस सिलेंडर लेना पड़ता था।

बुधवार सुबह ककरहवा क्षेत्र स्थित गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने वालों की भीड़ देखने को मिली। आसपास के छोटे सीएससी केंद्रों पर भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने से उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। सबसे अधिक दिक्कत का सामना एचपी के उपभोक्ताओं को करना पड़ रहा है। 50 से 60 फीसदी कम गैस की आपूर्ति हो रही है। गैस सिलेण्डर की किल्लत का खामियाजा सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। एजेंसी प्रबंधक ने बताया कि ऊपर डिपो से ही गैस की सप्लाई बेहद कम आ रही है।

दुर्घटना में कनिष्ठ सहायक की मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

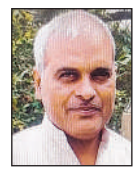

लाल साहब यादव की फाइल फोटो।

अमृत विचार। धनघटा क्षेत्र के राम-जानकी मार्ग स्थित तामा गांव के समीप बाइकों की टक्कर में पौली ब्लाक के कनिष्ठ सहायक की मौत हो गई। वहीं, दूसरा बाइक सवार किशोर घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सीएचसी मलौली में भर्ती कराया। जहां, डॉक्टरों ने कनिष्ठ सहायक को मृत घोषित कर दिया। घायल किशोर को प्राथमिक उपचार के बाद संयुक्त जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गोरखपुर जनपद के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के बेला बुजुर्ग गांव निवासी लाल साहब यादव (52) पौली ब्लॉक में कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात थे। वह गुरुवार को घर से बाइक से ड्यूटी के लिए खंड विकास कार्यालय पौली आ रहे थे। धनघटा क्षेत्र के रामजानकी मार्ग पर स्थित तामा गांव के पास सामने से आ रहे धनघटा क्षेत्र के खाजो गांव निवासी अभिषेक (17) पुत्र जयचंद उर्फ पिंटू गुप्ता की बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में कनिष्ठ सहायक लाल साहब यादव की मौत हो गई। घायल अभिषेक को जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया।

ब्लॉक प्रमुख व बीडीओ ने जताई शोक संवेदना

हादसे में कनिष्ठ सहायक की मौत की सूचना पर पर पौली ब्लॉक की बीडीओ श्वेता वर्मा, ब्लाक प्रमुख राम मिलन यादव, प्रवीण यादव, अशफाक, वीरेंद्र यादव, अमरेश आदि कर्मी पहुंच गए। बीडीओ और अन्य ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

बारातियों से भरी कार खड्ड में गिरी, तीन लोगों की मौत

जौनपुर,एजेंसी। जौनपुर जिले के केराकत क्षेत्र में बारातियों से भरी एक कार के खाई में जा गिरने से उस पर सवार तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार देर रात वाराणसी से बारात जौनपुर आ रही थी । उन्होंने बताया कि इसी दौरान केराकत थाना क्षेत्र के मुफ्तीगंज के पास बारातियों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। आयुष ने बताया कि इस घटना में बबलू सोनकर (45), श्यामलाल सोनकर (35) और राजू सोनकर(45) की मौत हो गई। दुर्घटना में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया मगर हालत गंभीर होने पर उन्हें वाराणसी ट्रामा सेंटर भेज दिया गया है।

आईएएस सन्तोष वर्मा को बर्खास्त करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मध्य प्रदेश में तैनात आईएएस सन्तोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज की महिलाओं को लेकर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के खिलाफ लोगों में आक्रोश है। सिद्धार्थनगर में इस विवादित बयान को लेकर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा कल्याण परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें संगठन ने आईएएस सन्तोष वर्मा को तत्काल सेवा से बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और जेल भेजने की मांग उठाई है। ज्ञापन में ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि आईएएस सन्तोष वर्मा ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अत्यन्त आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

अदालत से | असंज्ञेय अपराध से संबंधित पुलिस रिपोर्ट को शिकायत के रूप में माना जाना चाहिए

संज्ञान से पहले सुनवाई का मौलिक अधिकार

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएनएसएस की धाराओं के तहत दर्ज मुकदमे में होने वाली कार्यवाही को स्पष्ट करते हुए कहा कि असंज्ञेय अपराध से संबंधित पुलिस रिपोर्ट (आरोप-पत्र) को मजिस्ट्रेट द्वारा 'शिकायत' के रूप में माना जाना चाहिए। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 2(1)(एच) के स्पष्टीकरण तथा धारा 223(1) के प्रथम प्रावधान के अनुसार ऐसे मामलों में अभियुक्त को सुनवाई का अवसर दिए बिना सीधे समन जारी नहीं किया जा सकता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की एकल पीठ ने शाहजहाँपुर के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा एक असंज्ञेय अपराध में पारित संज्ञान- सह-समन आदेश को रद्द करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार पड़ोसियों के मध्य शौचालय के गंदे पानी की निकासी को लेकर विवाद हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप था कि आरोपी ने सोक-पिट शौचालय का निर्माण गलत तरीके से किया, जिससे गंदा पानी उसके घर के सामने खुले नाले में बह रहा था और 10 अगस्त 2024 को विवाद बढ़कर कथित गाली-गलौज व मारपीट तक पहुँच गया। इसके परिणामस्वरूप बीएनएस की धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुँचाना) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत एनसीआर दर्ज की गई। मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत जांच के बाद पुलिस ने आरोप-पत्र दाखिल किया, जिसे मजिस्ट्रेट ने बीएनएसएस की धारा 210(1)(बी) के तहत सीधे पुलिस रिपोर्ट मानकर संज्ञान लिया और आरोपी को समन जारी कर दिया, मानो मामला पुलिस रिपोर्ट पर आधारित समन-मामला हो। इसी आदेश को चुनौती देते हुए याची प्रेमपाल और तीन अन्य ने हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की। कोर्ट ने पाया कि मजिस्ट्रेट ने आरोप-पत्र को 'शिकायत' के रूप में परिवर्तित करने और धारा 210(1)(ए) के तहत शिकायत मामलों के अनुसार संज्ञान लेने में त्रुटि की तथा धारा 223(1) के प्रथम प्रावधान की अवहेलना करते हुए अभियुक्त को सुनवाई का अवसर दिए बिना समन जारी कर दिया। कोर्ट ने यह भी माना कि गलती से शिकायत के बजाय पुलिस रिपोर्ट पर आधारित समन-मामला चलाना विधिक प्रक्रिया की स्पष्ट तौर पर गलत व्याख्या है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि समन आदेश पारित करते समय अधिक सतर्कता अपनाई जानी चाहिए।

शहीद की विधवा की दुर्दशा पर हाईकोर्ट व्यथित, दिया निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिक की विधवा के मामले पर गहरी चिंता व्यक्त किया है। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिक की पत्नी को आधी सदी से न्याय और अधिकार के लिए भटकना पड़ रहा है। मामले में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने राज्य सरकार को तुरंत निर्देश प्राप्त करने और शहीद की विधवा के दावे के त्वरित निपटारे के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया। साथ ही संबंधित प्राधिकारियों को सुनवाई की अगली तारीख तक यानी आठ दिसंबर 2025 तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए गए। आरोप लगाया गया है कि उसे पांच बीघा भूमि के अधिकार के बावजूद मात्र 2.5 बीघा भूमि ही आवंटित की गई है और वह वर्ष 1974 से वैध हक के लिए संघर्ष कर रही है। ऐसी स्थिति पर कोर्ट ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि यदि याचिका में किए गए तथ्य सही हैं तो यह स्थिति 'पूरे समाज की स्थिति की चौंकाने वाली गवाही' है।

बीएनएसएस की धारा 482 की स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करने के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में आरोपी को दी गई अंतरिम अग्रिम जमानत को जारी रखते हुए राज्य सरकार से बीएनएसएस की धारा 482 की स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करने को कहा कि बीएनएसएस की धारा 482 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 438) को गैंगस्टर एक्ट के मामलों में लागू रखने या न रखने पर संशोधन की प्रक्रिया किस स्तर पर लंबित है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने मंधाता पांडेय की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रमुख सचिव (विधि) की ओर से दाखिल व्यक्तिगत हलफनामे को सुनने के बाद दिया। हलफनामे में बताया गया कि राज्य सरकार ने 28 जून 2024 को केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को पत्र भेजकर राष्ट्रपति की स्वीकृति मांगी थी, जिससे गैंगस्टर एक्ट सहित कुछ अपराधों को धारा 438 (अब बीएनएसएस की धारा 482) के दायरे से बाहर करने के लिए अध्यादेश लाया जा सके। कोर्ट ने पाया कि हलफनामे में यह स्पष्ट नहीं बताया गया है कि केंद्र सरकार ने कब आपत्तियां या प्रश्न भेजे और उनके उत्तर की तैयारी किस अवस्था में लंबित है। इस अधूरी जानकारी पर असंतोष जताते हुए कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव (गृह), उत्तर प्रदेश को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर पूरी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया, विशेषकर यह कि केंद्र सरकार से प्राप्त प्रश्न किस तारीख को आए और उत्तर तैयार करने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

रोडवेज बस से उठा धुआं, मची अफरातफरी

खराब हालत में खड़ी अवध डिपो की बस।

अमृत विचार, पीजीआई : प्रयागराज के लिए रवाना हुई अवध डिपो की रोडवेज बस में गुरुवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। आलमबाग से लगभग पौने 12 बजे निकली यह बस रायबरेली रोड स्थित तेलीबाग इलाके में पहुंचते ही अचानक धुएं से भर उठी। बस के इंजन के हीट होने से उठे धुआं के कारण कुछ ही देर में यात्रियों में अफरा-तफरी फैल गई। वहीं चालक विनोद वर्मा ने बिना समय गंवाए बस को सड़क किनारे रोक दिया और परिचालक मयंक के साथ मिलकर करीब 20 यात्रियों को तुरंत बस से बाहर निकालकर सुरक्षित दूरी पर खड़ा कर दिया। यात्रियों को दूसरी बस में प्रयागराज के लिए रवाना किया गया। चालक विनोद वर्मा के अनुसार इंजन के जरूरत से ज्यादा गर्म होने पर धुआं उठने लगा था। समय रहते बस रोक दी गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

शिविर में 350 लोगों ने कराया पंजीकरण

शिविर में पंजीकरण करातीं वृद्धा।

अमृत विचार, मोहनलालगंज : वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, चश्मे, चलने-फिरने में सहायक उपकरण आदि प्रदान करने के लिये दो दिवसीय परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जननायक सुजीत पांडे मेमोरियल ट्रस्ट व लक्ष्य यूथ फाउंडेशन के सहयोग से दिव्याशा केंद्र व भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के अधिकारियों ने राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत शिविर लगाया। शिविर में 350 वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगों ने उपकरणों के लिये अपना पंजीकरण कराया। लक्ष्य फाउंडेशन के प्रबंधक अवधेश साहू ने बताया कि पंजीकरण कराने वालों को जल्द ही उपकरण भी वितरित किये जायेंगे। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि अजय पांडे, श्याम मोहन शुक्ला, श्रीकांत सिंह, लिपू दलाई, शिवम साहू, विपिन यादव मौजूद रहे।

बिजली उपभोक्ताओं पर 100 करोड़ बकाया

पावर कॉरपोरेशन ने तैयार की सूची, ओटीएस योजना में बकाया धनराशि को जमा करने का मौका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अगर बिल नहीं किया जमा तो कटेगा कनेक्शन
- 11 हजार से अधिक बकायेदारों पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार: बिजली गुल होने पर हंगामा और जाम लगाने वाले राजधानी के बिजली उपभोक्ता बिल जमा करने में लापरवाह है। राजधानी के चारों जोन में उपभोक्ताओं पर लगभग 100 करोड़ रुपये बिजली बिल बकाया है। इनमें एक से पांच वर्ष तक बिल न भरने वाले उपभोक्ताओं शामिल हैं। इन बकायेदारों से एक दिसंबर से शुरू हो रही ओटीएस योजना में वसूली की जाएगी। बकायेदारों को नोटिस भेजने का काम शुरू कर दिया गया है। बकाया बिल न चुकाने पर कनेक्शन कटाने के साथ अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

राजधानी में मध्य जोन, जानकीपुरम, गोमतीनगर और अमौसी चार जोन हैं। इसमें अमौसी जोन का ज्यादातर हिस्सा ग्रामीण है, जबकि तीन जोन शहरी हैं। शहरी जोन के ज्यादातर भवनों में प्रीपेड, स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इससे इन तीन जोन के उपभोक्ताओं पर लगभग 25 करोड़ रुपये बिल बकाया है। किंतु अमौसी जोन में सबसे अधिक 11,450 बकायेदार हैं। इन पर 75 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। इसमें सबसे अधिक करीब आठ हजार बकायेदार वृंदावन डिवीजन में हैं। जिन्होंने दो साल में एक बार भी बिल जमा नहीं किया है। मुख्य अभियंता अमौसी जोन ने बताया कि इस जोन में करीब 90 फीसदी हिस्सा ग्रामीण है। यहां बिल की वसूलना हमेशा चुनौती रही है। बकायेदारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। ओटीएस योजना में बकाया बिल जमा करने पर 100 फीसदी ब्याज माफी के साथ मूलधन में भी पचीस प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके बाद भी बकाया बिल न जमा करने पर कनेक्शन काटने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ओटीएस योजना के प्रचार के लिए फीडर मैनेजर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ओटीएस कब से कब तक

- पहला चरण 1 दिसबंर से 31 दिसंबर
- दूसरा चरण 1 जनवरी से 31 जनवरी
- तीसरा चरण 1 फरवरी से 28 फरवरी

पहले चरण में मिलेगी सबसे ज्यादा छूट

मुख्य अभियंता अमौसी जोन ने बताया कि ओटीएस योजना तीन चरणों में चलाई जाएगी। पहले चरण में 1 से 31 दिसंबर तक पंजीकरण कराने वाले बकायेदारों को पूरे ब्याज की माफी के साथ मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। दूसरे चरण 1 से 31 जनवरी तक मूलधन पर 15 प्रतिशत और तीसरे चरण एक से 28 फरवरी तक मूलधन पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

अमौसी जोन के डिवीजन में बकायेदारी

डिवीजन	1-2 साल	2-3 साल	4-5 साल	5-10 साल
नादरगंज	1300	630	270	380
दुबग्गा	1500	700	500	560
मोहनलालगंज	2600	700	350	250
मलिहाबाद	3700	350	650	360
लखनऊ रुरल	9150	2400	1800	1500
आलमबाग	230	120	30	35
कानपुर रोड	400	100	35	30
वृंदावन	7000 से अधिक	900	160	170

मीटर प्रीपेड मोड में बदलने पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वहीं प्रदेश में 14 नवंबर तक कुल 49,95,001 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इसी बीच यह गंभीर आरोप सामने आया है कि 35,06,349 उपभोक्ताओं के मीटर बिना उनकी सहमति के ही प्रीपेड मोड में बदल दिए गए, जिससे उपभोक्ताओं में व्यापक आक्रोश फैल गया है। उपभोक्ता परिषद ने इस कार्रवाई को विद्युत अधिनियम 2003 का खुला उल्लंघन बताया है। परिषद का कहना है कि विद्युत नियामक आयोग अपने टैरिफ आदेश में साफ कर चुका है कि धारा 47 (5) उपभोक्ता को पोस्टपेड या प्रीपेड में से किसी एक विकल्प का अधिकार देता है। ऐसे में उपभोक्ता की अनुमति के बिना मीटर को प्रीपेड मोड में बदलना नियम के विपरीत है।

144 डॉक्टर करेंगे पोस्टमार्टम की ड्यूटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी चिकित्सकों को शामिल न किए जाने पर विरोध शुरू

अमृत विचार : लखनऊ में पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समयबद्ध और सुचारु बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने गुरुवार को 144 डॉक्टरों की सूची जारी की। इसमें महिला डॉक्टरों को भी शामिल किया गया है। सूची का विरोध भी शुरू हो गया है। विरोध करने वालों का आरोप है कि जिले के सभी सरकारी डॉक्टरों को सूची में शामिल नहीं किया गया है।

सीएमओ डॉ. एन. बी. सिंह ने बताया कि 60 वर्ष से कम आयु के सभी चिकित्सकों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल किया गया है। इनमें महिला डॉक्टर भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह ड्यूटी 15 फरवरी तक तय की गई है। सीएमओ, अपर सीएमओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को इस सूची से बाहर रखा गया है। सीएमओ ने यह भी बताया कि यदि किसी चिकित्सक को ड्यूटी के दौरान बीमारी या किसी तकनीकी कारण से अवकाश लेना होता है, तो संबंधित अस्पताल के प्रभारी अधिकारी को उनके स्थान पर प्रतिस्थापन डॉक्टर भेजना होगा।

मालूम हो कि राज्य सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक, चार घंटे के भीतर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपना अनिवार्य किया गया है। इसी के तहत सभी जिलों में सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल करने के निर्देश दिए गए थे। लखनऊ में सभी चिकित्सकों को शामिल न किए जाने पर विरोध के बाद एक केंद्रीय सूची तैयार की गई है। इस नई व्यवस्था को प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जाना है, जिसकी शुरुआत राजधानी लखनऊ से की गई है।

विरोध के बीच 22 बीघा प्लाटिंग ध्वस्त

लविप्रा ने सैरपुर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ चलाया अभियान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अफसरों से हुई कहासुनी, पुलिस बल के सहयोग से की कार्रवाई

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया तो सैरपुर थानाक्षेत्र में विकासकर्ताओं ने विरोध किया। अफसरों से कहासुनी हुई और प्रवर्तन टीम को रोकने का प्रयास किया लेकिन, पुलिस बल के सहयोग से बिना मानचित्र स्वीकृति के की गई 22 बीघा प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी गई।

गुरुवार को जोन-4 अंतर्गत सैरपुर के शेरपुर गांव में जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ प्रवर्तन टीम पहुंची। गांव में मेसर्स नीलकंठ प्रॉपर्टीज व अन्य द्वारा 22 बीघा में तीन जगह अवैध प्लाटिंग पाई। कार्रवाई करने पर विकासकर्ताओं और उनके सहयोगियों ने रोकने का प्रयास किया। अफसरों से कहासुनी हुई। लेकिन, प्राधिकरण ने स्वीकृत मानचित्र न होने पर पुलिस बल के सहयोग से तीनों प्लाटिंग ध्वस्त कर दी। इसी टीम ने रैथा रोड पर दो व्यावसायिक निर्माण सील किए।

दूसरी तरफ प्रवर्तन जोन-2 अंतर्गत गोसाईंगंज में न्यू जेल रोड जोनल अधिकारी विराग करवरिया के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्राम शिवलर, बलियाखेड़ा आदि जगहों पर सुरेश कुमार राठौर, राजेश वर्मा, अमरेन्द्र यादव, पुष्पेन्द्र सिंह, विजय मौर्या, अभिषेक सिंह, अनिल सिंह, सुधाकर त्रिवेदी, राम कीर्ति वर्मा व अन्य द्वारा की गई 85 बीघा में आठ प्लाटिंग ध्वस्त की गईं।

सैरपुर में ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान टीम से कहासुनी करते लोग।

22,403 किसान एलडीए के पक्ष में करेंगे बैनामा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे स्थित अपनी वरुण विहार योजना के लिए जमीन लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है। योजना के दायरे में आए 22,403 किसान जमीन देकर प्राधिकरण के पक्ष में बैनामा करेंगे। शुरुआती दौर में ग्राम तेजकृष्ण खेड़ा और ग्राम दोना में 450 बीघा से अधिक जमीन का बैनामा कराते हुए 300 करोड़ रुपये से अधिक मुआवजा किसानों को दिया गया है।

6,580 एकड़ की वरुण विहार योजना प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी आवासीय योजना है। इसमें कुल 25 सेक्टर विकसित करके 15 हजार से ज्यादा भूखंड सृजित किए जाएंगे। योजना में सदर व सरोजनी नगर तहसील के ग्राम भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना की जमीन चिह्नित की गई है। इसमें 22,403 किसान शामिल है, जो एलडीए को जमीन देकर पक्ष में बैनामा करने लगे हैं। एलडीए ने 105 बीघा से अधिक जमीन पर कब्जा प्राप्त कर लिया है।

एक हजार से अधिक लोगों से ठगी, पुलिस जुटा रही ब्योरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नीट (यूजी-पीजी) में दाखिला और पास कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना अभिनव शर्मा उर्फ प्रेम प्रकाश विद्यार्थी के बारे में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक, अभिनव ने 10-20 नहीं बल्कि एक हजार से अधिक लोगों से ठगी की है। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि पुलिस अब उसकी काली कमाई और संपत्तियों का हिसाब तैयार कर रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है।

जानकारी मिली है कि अभिनव कई प्रदेशों की जेलों में बंद रहा और जेल में ही सैकड़ों लोग उससे मिलने आते थे। साइबर क्राइम थाने ने पटना, गौतमबुद्धनगर, नैनी समेत अन्य जेलों से मुलाकातियों का ब्यौरा मांगा है। वर्ष 2024 में पुलिस अभिरक्षा से फरार होने के बाद वह विदेश में रहा और वहां से भी ठगी करता रहा। डीसीपी क्राइम ने बताया कि प्रेम प्रकाश नीट यूजी दाखिला के लिए एक करोड़ और पीजी के लिए चार करोड़ रुपये लेता था। इंस्पेक्टर साइबर थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक, फरारी के दौरान प्रेम प्रकाश थाईलैंड, स्विटजरलैंड, सिंगापुर समेत अन्य देशों में मीटिंग करके गिरोह के साथ योजना बनाता था। वर्ष 2011 से गिरोह चला रहे अभिनव के खिलाफ दिल्ली, बिहार, गुजरात, लखनऊ, गोरखपुर, नोएडा, बिजनौर, सहारनपुर और प्रयागराज में 18 मामले दर्ज हैं।

आवश्यकता है

जनपद लखनऊ में मॉडल शॉप, विदेशी मदिरा तथा बीयर की कम्पोज़िट दुकानों पर कार्य करने हेतु सेल्समैन की और कैण्टीन चलाने हेतु व्यक्ति की।

अनुभवी को वरीयता।

स्थान : 18, स्टेशन रोड, हुसैनगंज, लखनऊ

email: beehivealcoveb123@gmail.com

Phone: 8917708447

सूचना

मैंने अपना नाम NASIM AHMAD पुत्र श्री सिद्दीक खॉ SIDDIK KHA से बदलकर नसीम अहमद (NASIM AHMAD) पुत्र श्री (SIDDIQ KHAN) सिद्दीक खॉन रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **नसीम अहमद पता-नया नगर प्रथम मझनपुर जिला-कौशाम्बी** (उ0प्र0)

फ्लैटों के लिए आए 4,393 आवेदन, तीन दिन शेष

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की देवपुर पारा स्थित अटल नगर योजना में बने 2,496 फ्लैटों के सापेक्ष 4,393 खरीदारों ने ऑनलाइन आवेदन किए हैं। फ्लैटों का पंजीयन 2 दिसंबर तक चलेगा, लेकिन पंजीयन के लिए बुकलेट 30 नवंबर तक ही मिलेंगी। 1 बीएचके टाइप-बी के फ्लैट अधिक और आवेदन कम आने से यहां नाम आने की संभावना अधिक है।

देवपुर पारा स्थित अटल नगर आवासीय योजना में 12 से लेकर 19 मंजिल के 15 टावरों में 2,496 फ्लैट बने हैं। इसमें 1,832 फ्लैट 1 बीएचके और 664 फ्लैट 2 बीएचके के हैं। कीमत 9.82 लाख रुपये से शुरू है। पंजीयन के दौरान खरीदारों को 2 बीएचके टाइप-बी में बने कुल 456 फ्लैट खूब पसंद आए हैं। इसके सापेक्ष 1483 आवेदन हुए हैं। इसी तरह 1 बीएचके टाइप-ए के 1272 फ्लैटों के सापेक्ष 1433 आवेदन हुए हैं। 1 बीएचके टाइप-बी के 416 फ्लैटों के सापेक्ष मात्र 155 आवेदन हुए हैं। इन फ्लैटों की संख्या अधिक और आवेदन कम होने की वजह से चयन की संभावना अधिक है। 30 नवंबर तक बुकलेट खरीदकर 2 दिसंबर तक आवेदन करने का मौका भी है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्रों मो0 आसिम, मो0 बिलाल एवं पुत्री जुनैरह गुलजार के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा गलत नाम समीरा त्रुटिवश अंकित हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब अंकित है। अतः मेरे पुत्रों एवं पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में भी मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब दर्ज किया जाये। **तसनीम अय्यूब पत्नी गुलजार अली सिद्दीकी निवासिनी-** 119/162/1, **खण्डारी बाजार, लालबाग, लखनऊ**

सूचना

मेरी पुत्री को शगुन तिवारी एवं खुशी तिवारी दोनों नाम से जाना एवं पहचाना जाता है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **राजेंद्र कुमार तिवारी ग्राम - घोपतपुर पोस्ट नौबस्ता मुड़िला जिला बलरामपुर**

सूचना

मैं, ओम प्रकाश पुत्र मैकू लाल कुशवाहा, निवासी मकान संख्या 588-D, शिवकटरा, कानपुर नगर, यह घोषणा करता हूं कि मेरा नाम ओमप्रकाश उर्फ रामचंद्र है। उपरोक्त दोनों नामों से मैं जाना और पहचाना जाता हूं।

सूचना

मैं **रोमा चौधरी पुत्री श्री श्री कुमार चौधरी निवासिनी मकान नं0 591, गोमती हास्पिटल के पीछे, पांचोपीरन रोड, गोमती नगर पूरब, नई बस्ती, पोस्ट-के0एन0आई0, थाना कोतवाली नगर, तहसील सदर, जनपद-सुलतानपुर उ0प्र0** कक्षा-10 परीक्षा सन् 2010 की टी0सी0 (स्थानान्तरण प्रमाण पत्र) जो आपके विद्यालय से प्राप्त की थी, जो कहीं खो गयी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम NIHARIKA RANI AGRAWAL W/O AKASH MITTAL था जो कि आज दिनांक 20/10/2025 को मैने अपना नाम बदलकर NIHARIKA MITTAL W/O AKASH MITTAL रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी मोहल्ला वजीरबाग थाना कोतवाली नगर बहराइच, यूपी

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा नाम त्रुटिवश PANKAJ KUAMR MAURYA दर्ज हो गया है जो कि गलत है मेरा सही नाम PANKAJ KUMAR MAURYA पुत्र RAJ KUMAR MAURYA है, ICSC-23 ISC - 25 (Uid/Index no. 7809545) **निवासी- C -146 Sec - J अलीगंज लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम KM TASNEEM KAUSER से बदलकर TASNEEM KAUSER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/-WAQUAR ANWER FAIZ ADD-AKRAHRA AKARAHARA DIST-SIDDHARTH NAGAR-272201 (U.P.)

सूचना

मै **सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर नि. ग्रा. व पोस्ट दुकनहा लालगंज रायबरेली।** मेरी एलआईसी पालिसी 236504695 में मेरा और मेरे पिता का नाम सूरज विश्वकर्मा पुत्र राजू विश्वकर्मा अंकित है, जबकि आधार कार्ड आदि प्रपत्रों में सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे हैं।

सूचना

सूचित हो मैं सलमान अब्बास पुत्र सैय्यद सरकार आलम निवासी-म0नं0-392/54, सुल्तान बहादुर रोड, काजमैन, सआदतगंज, जिला लखनऊ का हूं। मेरे कुछ दस्तावेज में (SALMAN ABBAS) व पिता का नाम (SYED SARKAR ALAM) अंकित है। जबकि अन्य दस्तावेजों में (SYED SALMAN) व पिता का नाम (SARKAR ALAM) अंकित है, दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं, जबकि मेरा सही नाम (SALMAN ABBAS) है व पिता का सही नाम (SYED SARKAR ALAM) है। इसे मान्य किया जाये। -शपथी

'रन फॉर हेल्थ' में रवि पाल प्रथम और पंकज यादव द्वितीय

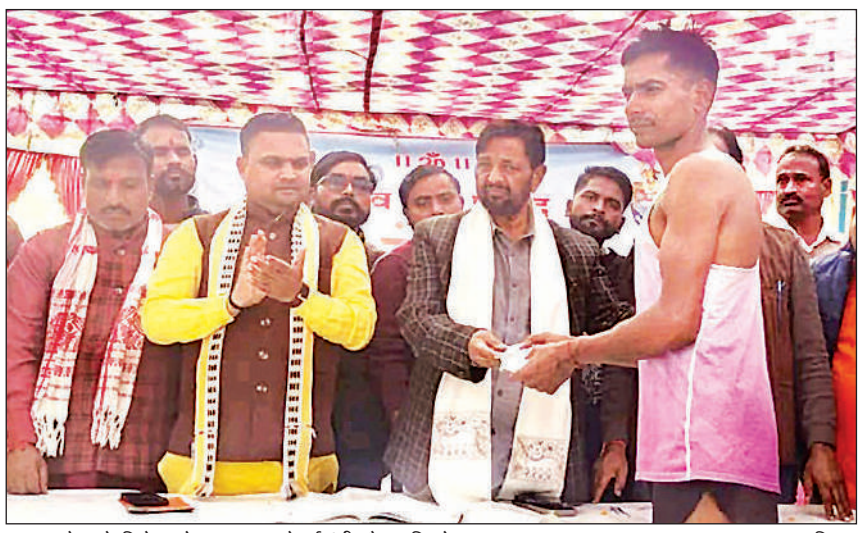

रन फार हेल्थ के विजेता को पुरस्कृत करते पूर्व मंत्री कौशल किशोर। अमृत विचार

संवाददाता, माल

- धावकों को भगवा ध्वज दिखाकर किया रवाना

अमृत विचार: माल के नबीपनाह में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल ने नशा मुक्ति, युवा विकसित भारत का संदेश देने के लिए "रन फॉर हेल्थ" का आयोजन किया। इसमें रवि पाल ने प्रथम, पंकज यादव ने द्वितीय और प्रदीप कुमार ने तृतीय पुरस्कार जीता। प्रथम विजेता को 5100, द्वितीय को 4100 और तृतीय को 3100 रुपये पुरस्कार दिया गया। 10 विजेताओं को ग्यारह-ग्यारह सौ रुपये दिए गए।

सुशील कुमार जिला सह मंत्री और विनोद कुमार की देखरेख में आयोजित दौड़ में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर व प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप मुख्य अतिथि रहे। आयोजकों ने बताया कि दौड़ का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से दूर रखते हुए स्वास्थ्य और जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ युवा ही देश की सेवा में सक्षम होते हैं और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सकते हैं। इस मौके पर विभाग मंत्री भूपेंद्र कुमार, रवि राजपूत, अर्पित सोनी, सरोज चौरसिया, राजा यादव, अंकित, देसराज, राजू अंशु रोहित अजय, बबलू विशाल पप्पू, रामविलास, टिंकू यादव, शिवम यादव, आशीष, साजन, बिदेश सुजीत गुप्ता राम अनुज, संजय, आलोक सहित सैकड़ों क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद रायबरेली

पत्रांक: 1462/न0पा0परि0/ज0क0/2025-26/ दिनांक: 27.11.2025

अति अल्पकालीन - निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, रायबरेली द्वारा निकाय निधि से निम्नलिखित स्थानो पर अस्थाई रैन बसेरा बनाने एवं रख रखाव हेतु मोहरबन्द निविदा दिनांक 05/12/2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 04:00 बजे तक उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। समयोपरान्त प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार मा0 अध्यक्ष महोदया नगर पालिका परिषद रायबरेली में निहित होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 04/12/2025 को प्रातः 10:00 बजे से सांय 03:00 बजे के मध्य परिषद के जलकल अनुभाग से प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा पड़ने व बिकने के दिन यदि कोई अवकाश घोषित हो जाता है तो अगले कार्यदिवस में कार्यवाही की जायेगीं। विवरण निम्नवत् है-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/ एन0एस0सी0	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	2	4	6	7
1	रेलवे स्टेशन परिसर, बस स्टेशन परिसर, सुंपर मार्केट एवं अस्पताल चौराहे के पास इमरजेन्सी गेट के सामने आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ रैन बसेरा निर्माण व रखरखाव का कार्य (चारपाई, रजाई, गद्दा आदि व्यवस्थाओं के साथ प्रत्येक रैन बसेरा में 20 व्यक्तियों हेतु)	30000.00	1000.00	लगभग 03 माह

नियम व शर्तें :-

1- निविदा दाता/ फर्म का जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण पत्र संलग्न अनिवार्य है।

2- उपरोक्त वर्णित कार्य विभागीय दिशानिर्देश के अनुरूप करना होगा। रैन बसेरा में संख्या घट व बढ़ सकती हैं विभागीय निर्देशानुसार को सम्बन्धित को उक्त व्यवस्थाए करना अनिवार्य होगा।

3- वांछित निविदा के साथ धरोहर धनराशि का 25 प्रतिशत अग्रिम जमानत धनराशि एफ0डी0आर0/ टी0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद रायबरेली के पदनाम बन्धक हो को मूल रूप में संलग्न करना अनिवार्य हैं। अवशेष 75 प्रतिशत जमानत धनराशि निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त अनुबन्ध करते समय सर्वन्यून निविदा दाता को कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

4- धरोहर धनराशि रहित निविदाओं पर कोई विचार नही किया जायेगा व निर्धारित तिथि व समयोपरान्त प्राप्त निविदाओं पर विचार किया जाना सम्भव नही होगा।

5- निविदा दाता को पैन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है।

6- निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त दो दिन के अन्दर सम्बन्धित निविदा फर्म को रु0 100/- जनरल स्टाम्प पर अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा।

7- प्रत्येक रैन बसेरों में 24 घंटे निविदा दाता को अपने सामान की देखरेख व सुरक्षा स्वयं को करनी होगी।

(स्वर्ण सिंह)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
रायबरेली

(शत्रोहन लाल सोनकर)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
रायबरेली

न्यूज ब्रीफ

नकदी और मोबाइल छीनने के आरोपी दबोचे

हरदोई, अमृत विचार। ई-रिक्शे पर सवार युवक से कैश और मोबाइल छीनने वाला ई-रिक्शा चालक और उसका दोस्त पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मामला दर्ज करने के बाद कोतवाली देहात पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। लोनार थाने के जगदीशपुर निवासी सुजीत कुमार सिंह ने बुधवार को कोतवाली देहात पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि वह अपनी ससुराल जा रहा था। पिहानी चुंगी से ई-रिक्शे पर सवार हुआ, बरगावां के पास चालक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर उससे 3400 रुपये और मोबाइल छीना और दोनों भाग निकले। गुरुवार को कोतवाली देहात के नन्हे गांव निवासी दोनों आरोपी बड़े भइया व मुकेश को गिरफ्तार कर ई-रिक्शे के अलावा 3400 कैश व मोबाइल बरामद किया।

मनचले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली पुलिस के जामा मस्जिद चौकी प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी ने महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कसने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि काशीराम कॉलोनी की पुलिया के निकट एक युवक वहां से गुज रहीं महिलाओं व युवतियों पर अश्लील फब्तियां कस रहा है। गिरफ्तार किए गए युवक ने अपना नाम शिवम प्रजापति पुत्र रामबहादुर निवासी अल्लाहपुर इब्नेजई बताया।

युवती लापता, आरोपी युवक पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र निवासी युवती के लापता होने के मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 19 वर्षीय पुत्री को 21 नवंबर की शाम लखीमपुर जनपद के सिंगाही थाना क्षेत्र के ग्राम भडौरा निवासी प्रांशु पुत्र शंकर फुसलाकर भगा ले गया है। उसने पुत्री को काफी तलाश किया, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

फोन पर बात कर रहे स्कूल बस के चालक ने महिला को रौंदा

दिव्यांग महिला की मौके पर मौत, सास के साथ चरा रही थी बकरी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सास अपनी दिव्यांग बहू के साथ सड़क के किनारे बकरियां चरा रहीं थीं, उसी बीच बच्चों को उतार कर आ रही स्कूली बस का ड्राइवर जोकि मोबाइल पर बातें कर रहा था, ने बहू को टक्कर मारी और उसे कुचलते हुए निकल गया, जिससे सास के सामने उसकी बहू की दर्दनाक मौत हो गई।

बताया गया है कि बघौली थाने के बनियान खेड़ा निवासी दिव्यांग लाले की 45 वर्षीय दिव्यांग पत्नी आरती गुरुवार दोपहर बाद अपनी सास के साथ मनसुख पुरवा के पास सड़क के किनारे बकरियां चरा रही थी। उसी बीच बच्चों को उतारने के बाद आ रही स्कूली बस का ड्राइवर मोबाइल पर बातें कर रहा था, उसे सड़क किनारे खड़ी आरती नहीं दिखाई दी और उसने टक्कर मार दी, टक्कर लगने से वह गिर पड़ी और बस का अगला पहिया ऊपर से निकल गया, आरती की वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई। आरती के तीन बच्चे है, जिसमें से बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, उससे छोटा 13 वर्षीय बेटा सोनू और सबसे छोटी 8 वर्षीय बेटी मोनिका है। दिव्यांग लाले को अपनी पत्नी से काफी सहारा था, आरती दिव्यांग थी, लेकिन जैसे-तैसे अपने पति और बच्चों का पेट पाल रही थी।

ई-रिक्शा पलटने से 7 सवारियां घायल

हरदोई, अमृत विचार। शहर के रद्धेपुरवा के पास सवारियों से भरा ई-रिक्शा मवेशी से टकरा कर पलट गया, जिससे 7 ज़ख्मी हो गए, जिन्हे इलाज के लिए एम्बुलेंस-108 से मेडिकल कालेज पहुंचाया गया है। ई-रिक्शा सवार शादी में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे, उसी दौरान हादसा हो गया। लखीमपुर के उचौमहमूदपुर चैनी थाना उचौलिया निवासी 38 वर्षीय रामवीर खेती-बाड़ी करता है। उसकी ससुराल गुरुदयाल पुरवा टड़ियावां में है और साढ़ू शिवम लोनार थाने के सारंगापुर का रहने वाला है। 24 नवंबर को शिवम के भाई नितिन की शादी थी। रामवीर शादी में शामिल होने के लिए सारंगापुर गया था। गुरुवार की सुबह वह पुत्री कंचनलता (13), भाभी ममता (45), सास राजरानी (50), साला सुशील (20) साले विपिन की 5 वर्षीय पुत्री पायल के साथ शहर कोतवाली के फर्दापुर निवासी अपने 45 वर्षीय मामा राकेश के ई-रिक्शे पर सवार हो कर लौट रहा था। उसी बीच शहर कोतवाली शहर के रद्धेपुरवा के पास अचानक ई-रिक्शा मवेशी से टकरा कर पलट गया, जिससे उस पर सवारे सारे लोग ज़ख्मी हो गए।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आए बाइक सवार युवक की मौत

हरदोई, अमृत विचार। बालामऊ में एक बाइक सवार तेज़ रफ्तार की चपेट में आने से ज़ख्मी हो गया था, उसे सीएचसी कछौना से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया, उसी बीच रास्ते में उसकी मौत हो गई। कासिमपुर थाने के कहली निवासी 22 वर्षीय आलोक पुत्र रामखिलावन मंगलवार को बाइक से बालामऊ गया था, उसी बीच हाई-वे पर सिंह नर्सिंग होम के पास उसे तेज़ रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी।

उसे एंबुलेंस-108 से सीएचसी कछौना पहुंचाया गया, वहां बुधवार की रात तबीयत बिगड़ने से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रिफर कर दिया गया, आलोक लखनऊ ले जाया जा रहा था। उसी बीच रास्ते में मौत हो गई। आलोक अपने तीन भाइयो में छोटा था, वह खेती-बाड़ी में हाथ बंटाता था।

पुलिस अधिकारी को तहरीर देते अधिवक्ता।

आईएएस के खिलाफ दी तहरीर

संवाददाता, चिनहट

अमृत विचार: मध्य प्रदेश में आईएएस संतोष वर्मा द्वारा जाति विशेष को लेकर की गई आपत्तिजनक सार्वजनिक टिप्पणी से नाराज पूर्व संयुक्त सचिव प्रशासन अधिवक्ताओं ने चिनहट थाने पर तहरीर देकर की मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग। हाई कोर्ट लखनऊ अवध बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने चिनहट थाने के नेतृत्व में चिनहट थाने में आई एस संतोष वर्मा के खिलाफ तहरीर दी गई।

गैस सिलेंडर में ब्लास्ट से मकान हुआ धराशायी

अमृत विचार, उन्नाव: हसनगंज कस्बे में गुरुवार सुबह एक घर में गैस सिलेंडर में ब्लास्ट होने से अफरा-तफरी मच गई। घटना आर्यावर्त ग्रामीण बैंक के सामने स्थित मोहल्ले में उस समय हुई जब स्थानीय निवासी ज्ञानेंद्र सिंह के घर में अचानक जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और आसपास के कई घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। धमाका होते ही आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और पुलिस व अग्निशमन विभाग को दी।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर

शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में फोरलेन पर धोबी पुलिया के पास तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर घायल हो गया। हादसा बुधवार देररात 12 बजे उस समय हुआ जब दोनों युवक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक डीसीएम में फंसकर काफी दूर तक सड़क पर घिसटती चली गई। जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए।

पोनी रोड स्थित राजाराम साहू के मकान में मूलरूप से देवरिया पोस्ट निधुवामऊ, थाना मिश्रिख, जिला सीतापुर निवासी मुन्ना (35) अपनी पत्नी काजल और बेटा करन, बेटी मीरा के साथ किराये पर रहता था और फ्लेक्स बोर्ड लगाने का काम करता था। उसका साथी उमेश पुराना गंगापुल क्षेत्र का रहने वाला है। दोनों बुधवार रात मरहला चौराहा स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय बाइक जैसे ही धोबी पुलिया के पास पहुंची, पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मुन्ना की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी काजल और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुठभेड़ में दो गोतस्कर घायल, 20 गोवंश बरामद

दोनों के पैर में लगी गोली, गो-तस्करी की सूचना पर पुरवा पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम कर रही थी चेकिंग

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: गो-तस्करी की सूचना पर पुरवा कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी डीसीएम सवार बदमाशों का पुलिस से आमना-सामना हो गया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। तलाशी में पुलिस को डीसीएम में तस्करी कर ले जाए जा रहे 20 गोवंश मिले।

बता दें कि गो-तस्करी का इनपुट मिलने पर पुरवा कोतवाल अमरनाथ यादव एसओजी प्रभारी जयप्रकाश यादव व सर्विलांस टीम के साथ मिर्री चौराहा पर वाहनों की चेकिंग लगाए थे। तभी सामने से आई एक डीसीएम को पुलिस कर्मियों रोकने का प्रयास किया तो चालक गति बढ़ाकर भागने लगा।

मुठभेड़ में घायल हुए गो-तस्करों को ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

इस पुलिस ने डीसीएम का पीछा कर मिर्री खेड़ा रोड पर नहर पुलिया के पास स्थित धर्मकांटा के सामने उसे रोक लियो। खुद को घिरता देख डीसीएम सवार दो लोग पुलिस टीम पर फायर कर पैदल भागने लगे। जवाबी फायरिंग में भाग रहे दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से गिरकर घायल हो गए।

पूछताछ में उन्होंने अपना नाम उस्मान पुत्र हाशिम निवासी थाना मितौली जिला लखीमपुर खीरी व जयप्रकाश पुत्र देवकी नंदन निवासी सूरजपुर बघौरा थाना सफदरगंज बाराबंकी बताया। उन्होंने माना कि वे गौ-तस्करी करते हैं। डीसीएम में 20 गोवंश लादकर वह पुरवा से बिहार प्रांत जा रहे थे। पुलिस ने उनके पास तमंचा व कारतूस भी बरामद किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	**ई-निविदा सूचना सं.** : 1196-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक– 26.11.2025
2.	**कार्य का नाम** : लखनऊ मंडल के अंतर्गत S&T अधिष्ठापन पर विद्युत परिसंपत्तियों की अर्थिंग व्यवस्था में सुधार के संबंध में विद्युत कार्य।
3.	**अनुमानित लागत** : रु. 13,55,836.36 (तेरह लाख पचपन हजार आठ सौ छत्तीस रूपये एवं छत्तीस पैसे मात्र)
4.	**ई-निविदा की कीमत** : शून्य
5.	**बयाना राशि** : रु. 27,200/- (सत्ताइस हजार दो सौ रूपये मात्र)
6.	**कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 04 माह
7.	**ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि** : दिनांक 19.12.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा., उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	**प्रस्ताव की वैधता** : ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	**उत्तर रेलवे की वेबसाइट** : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर चेक की जा सकती है।

सं.: 1196-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ दिनांक: 26.11.2025 3670/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सड़क दुर्घटना में सराफा कारोबारी की मौत

संवाददाता, हरदोई

सत्येंद्र सोनी की फाइल फोटो।

अमृत विचार। बाइक सवार सराफा कारोबारी की बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। हादसे में कारोबारी नीचे गिर गया, तभी उसके ऊपर से ट्रैक्टर का पहिया चढ़ गया। लखनऊ में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई।

कासिमपुर थाने के गौसगंज निवासी 35 वर्षीय सत्येंद्र सोनी पुत्र गुरुप्रसाद सोनी की डाकघर के पास सराफा की दुकान थी। सत्येंद्र सोनी तीन भाइयों में छोटा था, उसके बड़े भाई काशीनाथ सोनी ने बताया कि वह मंगलवार को बाइक से सण्डीला गया हुआ था, वहीं से वापस लौट रहा था। वहीं इमलिया बाग़ इलाके में सामने से आ रही बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा, उसी बीच तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। सत्येंद्र सोनी को सीएचसी सण्डीला से हायर सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। जहां बुधवार को उसकी मौत हो गई। काशी नाथ ने बताया कि एक साल पहले ही सत्येंद्र की शादी हुई थी। उसकी मौत से घर-परिवार में कोहराम बरपा हो गया।

बहन के घर से लौट रहे भाई की हादसे में मौत

हरदोई, अमृत विचार। बहन के घर आया उसका भाई बाइक से वापस लौट रहा था। रास्ते में हरियावां शुगर मिल के सामने आंखों पर तेज रोशनी पड़ने से उसकी बाइक बेकाबू होकर ट्रक में पीछे जा घुसी। उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार की भोर पहर उसकी मौत हो गई। मझिला थाने के रेउरी बिल्हइया निवासी अवनीश (25) पुत्र श्रीकृष्ण खेती-बाड़ी करता था। अवनीश की बहन लज्जावती हरियावां थाने के अट्टरहा गांव में ब्याही है। बड़े भाई वीरेंद्र ने बताया कि अवनीश बुधवार की सुबह बहन के घर गया था और शाम को लौट रहा था। रास्ते में हरियावां शुगर मिल के पास सामने से तेज़ रोशनी पड़ने से आंख चौंधिया गई जिससे लड़खड़ाते हुए ट्रक में पीछे भेजा घुसा, जिससे वह बुरी तरह से ज़ख्मी हो गया।

ट्रेन से कटकर युवक ने की खुदकुशी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। प्रसव के दौरान पत्नी की मौत होने के बाद से तनाव में चल रहे उसके पति ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। उसके पास से मिले कागज़ पर लिखे नाम और मोबाइल नंबर से शव की शिनाख्त हो सकी। कोतवाली देहात पुलिस जांच कर रही है।

बुधवार की देर शाम को कोतवाली देहात पुलिस ने खदरा रेलवे क्रासिंग के पास ट्रैक पर युवक का शव बरामद किया गया। उसके पास से कागज का पन्ना मिला, जिसमें नाम आकाश, पिता का नाम चेतराम और मोबाइल नंबर लिखा था। पुलिस ने मोबाइल नंबर पर बात की। उधर से बोलने वाले ने अपना नाम रामसरन निवासी सतौथा हरपालपुर बताया।

शव की शिनाख्त उसने अपने साले आकाश निवासी चचरापुर साण्डी थाना के रूप में की। आकाश पिछले बुधवार से लापता है। आकाश के पिता चेतराम ने बताया कि बेटा आकाश की पत्नी मंजू का 9 अगस्त को सीएचसी साण्डी में प्रसव हुआ था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद से आकाश उलझा हुआ रहने लगा। वह घर वालों से बात तक नहीं करता था। आकाश अक्सर इधर-उधर निकल जाता था। पिछले बुधवार को वह कहीं निकल गया था, उसे तलाश किया जा रहा था, उसी बीच बुधवार को वह हादसे का शिकार हो गया। कुछ लोगों ने बताया कि युवक ट्रेन के आगे कूद गया था, पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

द्वारचार के समय की फॉयरिंग, जांच शुरू

हरदोई, अमृत विचार। शादी समारोह में द्वारचार के समय दो युवकों ने अवैध तमंचों का प्रदर्शन किया। इसी दौरान एक ने फायरिंग भी की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने जांच की बात कही है। मामला बेहटा गोकुल थाने के बबनापुर का बताया जा रहा है। मंगलवार को बबनापुर निवासी भन्नू की बेटी की शादी थी। आरोप है कि द्वाराचार के समय बारातियों की टोली में शामिल दो युवकों ने दुल्हन के दरवाजे पर भीड़ के बीच असलहे लहराये और फायरिंग की। हाला कि अमृत विचार वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। एसएचओ बेहटा गोकुल धर्मेंद्र गिरी ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

नकली जेवर बेचकर सुनार से 60 हजार रुपये ठगे, केस दर्ज

संवाददाता, अतरौली, हरदोई

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम नेवादा विजय में एक ज्वैलरी की दुकान पर नकली जेवर बेंच कर ग्राहक ने सुनार से 60 हजार रुपया ठग लिया। सुनार ने थाने पर ठगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में विवेचना शुरू कर दिया है।

नेवादा विजय निवासी ज्वैलरी दुकानदार अशोक कुमार पासी ने बताया कि बुधवार की दोपहर ग्राहक के रूप में अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम सांडा दखलौल निवासी हस्सू नट, उसका बेटा सलमान और लखनऊ के थाना माल क्षेत्र निवासी सुशील उसकी दुकान पर आये। आरोपी भैंस खरीदने की बात कहते हुए पुराना 1 किलो जेवर बेंचने लगे। जेवर देकर दो आदमी तौर और जांच कराने के रुके रहे और सलमान बहाने से 60 हजार नगद लेकर चला गया। जेवर की तौल और जांच होने पर पता चला कि जेवर नकली है।

नवंबर में हुई 4 मुठभेड़ों में 7 बदमाश हुए घायल

संवाददाता, उन्नाव: नवंबर माह में पुलिस से गो तस्करों की हुई चार मुठभेड़ों में 7 अपराधी घायल हुए है। बीते 17 नवंबर को आसीवन पुलिस ने चौधरी खेड़ा पुल के पास मुठभेड़ में फर्रुखाबाद निवासी सनी बंदरिया व हरदोई के राजा बाबू पकड़ा था। इनपर 10-10 हजार का इनाम घोषित था। वहीं 13 नवंबर को सदर कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े लखनऊ निवासी आरती की चेन लूट कर भागे बदमाश संतोष लोध को अगले दिन हुई मुठभेड़ के गिरफ्तार कर जेल भेजा था। थाना बारासगवर में 25 अक्टूबर को सराफा व्यापारी अखिलेश की दुकान से चोरों ने लाखों के जेवर पार किए थे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लोक निर्माण विभाग, बाराबंकी

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

पत्रांक : 2922/10ए/ई टेण्डरिंग/2025 दिनांक 24.11.2025

1 महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 बाराबंकी द्वारा लोक निर्माण विभाग में ए,बी,सी,डी श्रेणी में मार्ग वर्ग में पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर लें कि कान्ट्रैक्ट के एवार्ड हेतु अर्ह के लिये बिडर्स के निर्देश के क्लाज–4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता है।

क्रम सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा क्षेत्र–दरियाबाद में विशेष मरम्मत कार्य									
1	बाराबंकी	**चिरा सम्पर्क मार्ग के किमी0 1(100) आबादी भाग में सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य**(ग्रा0मा0)	4.96	0.50	767.00	2 माह	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड नं0–1, लो0नि0वि0, बाराबंकी	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0–अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा क्षेत्र–रामनगर में विशेष मरम्मत कार्य									
2	बाराबंकी	**गोन्दौरा लेपित एवं सी0सी0 मार्ग 900 एम0एम0 हयूम पाईप पुलिया का निर्माण कार्य।**(ग्रा0मा0)	3.70	0.40	767.00	2 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–
3	बाराबंकी	**थालखुर्द सम्पर्क मार्ग के 150मी0 लम्बाई में लेपन कार्य**(ग्रा0मा0)	1.79	0.20	678.00	2 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा क्षेत्र–जैदपुर में विशेष मरम्मत कार्य									
4	बाराबंकी	**ग्राम मसौली मे पीरबाबा की मजार से अम्बिका के मकान तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य।।**(ग्रा0मा0)	6.50	0.65	855.00	2 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–
5	बाराबंकी	**रायपुर डमौरा सम्पर्क मार्ग के 100 मीटर आबादी भाग में मार्ग के दोनो ओर नाली निर्माण कार्य।** (ग्रा0मा0)	6.30	0.63	855.00	2 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–
6	बाराबंकी	**ग्राम बडागांव में काजी शहाबुददीन की मजार से बांसा रोड तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कार्य।।**(ग्रा0मा0)	4.55	0.45	767.00	2 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–

3 वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेन्ट्स आनलाइन देखे जा सकते है।

4 निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.11.2025 से 04.12.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगें। निविदादाताओं द्वारा आनलाइन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं0 3070/78–2–2018–42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा। आन लाइन प्राप्त समस्त टेक्निकल बिड दिनांक 04.12.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

5 निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न .निविदा सूचना में उपलब्ध है।

UP – 241504 **दिनांक:** 26/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(दीपक कुमार चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
बाराबंकी

विकास उत्तर प्रदेश @ 2047 विषयक उच्चस्तरीय कार्यशाला में सतत, समावेशी और समुदाय आधारित पर्यटन पर जोर

यूपी टूरिज्म ने तैयार किया विकसित यूपी का रोडमैप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि उप्र. घरेलू पर्यटन में देश में प्रथम और विदेशी पर्यटकों के मामले में चौथे स्थान पर है। विभाग इस वर्ष पर्यटक आगमन में नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है। महाकुंभ-2025 और 2019 के कुंभ की याद दिलाते हुए उन्होंने कॉरपोरेट साझेदारी, हाईवे-एक्सप्रेसवे पर वे-सेड सुविधाओं के विकास, सस्टेनेबल टूरिज्म और प्रशिक्षित मानव संसाधन पर बल दिया।

अवनीश अवस्थी गुरुवार को योजना भवन में उप्र. को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने, अधिक निवेश आकर्षित करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने विषयक 'उत्तर प्रदेश <bha>@</bha> 2047' उच्चस्तरीय कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संदेश में कहा कि प्राप्त सुझावों को परीक्षण के बाद पर्यटन विकास रोडमैप में शामिल किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में हवाई, रेल और सड़क कनेक्टिविटी के विस्तार से यूपी में पर्यटन तेजी से बढ़ा है। बेहतर कानून-व्यवस्था ने भी आगंतुकों को आकर्षित किया है। उन्होंने महाकुंभ-2025 के 45 दिनों में 65 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को उपलब्धि बताया है। वहीं, लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी का दर्जा मिलना प्रदेश की सांस्कृतिक और विरासत की अंतरराष्ट्रीय पहचान बताया है।

महानिदेशक पर्यटन राजेश कुमार ने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और समावेशी विकास पर जोर दिया। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने केरल मॉडल पर वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। यूपीएसटीडीसी के एमडी आशीष कुमार ने बताया कि पर्यटन पैकेजों को लंबे प्रवास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अनुरूप पुनः डिज़ाइन किया जा रहा है। ईको-टूरिज्म निदेशक पुष्प कुमार ने दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट को मॉडल साइटों के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को यूनेस्को की सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया जारी है। कार्यशाला में पर्यटन से जुड़े विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, नीति आयोग, राज्य परिवर्तन आयोग तथा राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

घर में चोरी, लाखों के जेवर और नकदी पार

सूरतगंज, बाराबंकी :, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम कैथा में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना से पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित अरविन्द कुमार पुत्र हरिनाम ने पुलिस में दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार रात चोर घर के पिछले हिस्से में लगा दरवाजा उखाड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे में रखे बक्से और अलमारी का ताला तोड़कर अंदर रखे कीमती जेवर और नकदी चोरी कर ली। परिजनों को रात में चोरी की कोई भनक तक नहीं लगी। सुबह जब परिजन जागे तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। चोरी गए सामान में 20 हजार रुपये नकद, तथा सोने–चांदी के काफी जेवरात शामिल हैं। परिवार का कहना है कि चोरी में उनके महत्वपूर्ण कीमती गहने चले गए हैं, जिससे वे बेहद परेशान हैं। पीड़ित ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

संदिग्ध दशा में महिला व किशोरी लापता

बाराबंकी, अमृत विचार : दो अलग-अलग मामलों में एक महिला और एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। पहली घटना दरियाबाद थाना क्षेत्र की है। एक गांव वासी व्यक्ति ने तहरीर में बताया कि 25 नवम्बर की सुबह उसकी 30 वर्षीया पत्नी जो दो बच्चों की मां भी है, लापता हो गई। परिजनों ने तलाश की, परन्तु महिला का कोई सुराग नहीं लगा। दूसरी घटना कोतवाली सतरिख क्षेत्र की है। एक गांव के व्यक्ति ने तहरीर में बताया कि 25 नवम्बर की शाम उनकी 17 वर्षीया पुत्री घर पर अकेली थी। इसी दौरान मोहम्मदपुर गढ़ी थाना गोसाईगंज लखनऊ निवासी रंजीत उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। खेत से घर लौटने पर लड़की न मिलने पर परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला।

सागौन के 8 पेड़ों की अवैध कटान

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : चन्दीपुर में सागौन के आठ पेड़ों की अवैध कटान कर दी गई। पुलिस ने छापेमारी कर 48 बोटे बरामद कर लिए। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गांव में सागौन के 8 पेड़ों का अवैध रूप से कटान किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि पेड़ों की अवैध कटान वास्तव में हुई है। पता चला कि कटे हुए सभी सागौन प्रकाष्ठ मो. मुशीर निवासी ग्राम गणेशपुर द्वारा खरीदे गए थे। इसके बाद पुलिस मौके पर ग्राम गणेशपुर पहुंची और वहां से 48 नग सागौन प्रकाष्ठ बरामद किए। बरामद लकड़ी को सुरक्षित रखने के लिए मो. मुशीर को सुपुर्दगी में दिया गया।

बचा ले गया संयोग, वरना रूह कंपा देता नजारा, डंपर चालक पर मुकदमा

अमृत विचार Follow UP

ओवरब्रिज से रेलवे लाइन पर बेकाबू डंपर के गिरने का मामला

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

रेलवे लाइन की मरम्मत करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

रेल ओवरब्रिज पर दुरुस्त की जातीरेलिंग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : यह महज संयोग ही था कि बुधवार देर रात हुए हादसे के दौरान डंपर अप लाइन पर गिरा अगर डाउन लाइन पर गिरता तो नजारा रूह कंपाने वाला होता। इसके बावजूद उसी समय गुजरी ट्रेन के यात्री ईश्वर का आभार जताते रहे। उधर इस हादसे में ट्रेन का डिब्बा गिरे पत्थर से क्षतिग्रस्त हुआ, विद्युत लाइन टूटी और रेलवे यातायात करीब पांच घंटे ठप रहा। संकरे और ऊबड़ खाबड़ पुल ने रेल व प्रशासनिक महकमे की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल डंपर चालक भर्ती है, उस पर रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है।

बुधवार देर रात करीब दस बज बुढ़वल रेलवे स्टेशन के निकट बने ओवरब्रिज से तेज रफ्तार डंपर बेकाबू होकर रेलवे लाइन पर गिर गया। इसी दौरान गुजरी गरीब रथ एक्सप्रेस पर जहां पत्थर का बड़ा टुकड़ा गिरा। वहीं डंपर के दूसरे ट्रैक पर गिरने से गंभीर हादसा टल गया। मौके पर रेलवे के कर्मी, एसपी व पुलिस पहुंची और डंपर के केबिन में फंसे चालक पंकज कुमार निवासी मनिहारी थाना करनैलगंज जिला गोण्डा को निकाल कर गंभीर हालत में रेफर कर दिया गया। इस मामले में रेलवे पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं ओएचई तार टूटने से करंट की चपेट में आई यात्री सोनी कुमारी को ट्रेन में ही उपचार दिया गया। हादसे में रेल ट्रैक मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हुआ, वहीं ओएचई तार टूटकर गिर गए, गुरुवार को रेलवे कर्मी वैगन के जरिए इन तारों को सही करते रहे। हादसे के बाद करीब 25 ट्रेनें लेट हुईं वहीं पांच घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा।

रात होते ही अंधेरे में डूब जाता जर्जर संकरा पुल : बिंदौरा फतेहपुर मार्ग पर बुढ़वल रेलवे स्टेशन के निकट बना उपरिगामी पुल पुराना व काफी संकरा है। उस पर लापरवाही यह कि यहां पर संकेतक, डिवाइडर, रात्रि प्रकाश, चेतावनी बोर्ड नहीं हैं वहीं इस पर बनी रोड भी ऊबड़ खाबड़ है, जिससे तेज रफ्तार से गुजरने वाले बड़े वाहनों से हर पल हादसे का खतरा बना रहता है। बुधवार रात हुए हादसे की वजह तेज रफ्तार तो है ही साथ ही जर्जर रोड भी है। न रेलवे विभाग ने इस पुल को खतरा माना और न ही लोक निर्माण विभाग की नजर में भी यह पुल व मार्ग सुधार लायक रहा। घटना के दूसरे दिन महज रेलिंग की मरम्मत कर रस्म अदायगी की गई पर रेलिंग ऊंची करना गवारा नहीं किया गया। बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को लगातार दावत दे रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने कई बार शिकायतें कीं लेकिन जिम्मेदारों की नींद नहीं टूटी।

अप व डाउन की 14 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित

डंपर के ट्रैक पर गिरने के कारण अप व डाउन की 14 ट्रेनों के संचालन का मार्ग बदला गया है। इसमें लखनऊ की ओर से जाने वाली ट्रेनें बाराबंकी अयोध्या से मनकापुर गोंडा होते हुए गोरखपुर भेजी जा रही हैं। इसी तरह गोरखपुर से आने वाली ट्रेनों को गोंडा मनकापुर अयोध्या बाराबंकी से लखनऊ भेजा जा रहा है। डायवर्ट की गई ट्रेनों में राप्ती गंगा एक्सप्रेस (15005), अरुणाचल एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22411), अवध असम एक्सप्रेस (15909), सप्त क्रांति सुपर फास्ट एक्सप्रेस (12558), न्यू जलपाई गुडी दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12524), बरौनी ग्वालियर एक्सप्रेस (11123), मुम्बई एलटीटी सुपर फास्ट एक्सप्रेस (20104), कामाख्या गोमती नगर सुपर फास्ट एक्सप्रेस (15077), अमृत भारत एक्सप्रेस (15568), कृषक एक्सप्रेस (15008), सप्त क्रांति एक्सप्रेस (12557), अवध एक्सप्रेस (19038), गोरखपुर मुम्बई स्पेशल एक्सप्रेस (01080) व छपरा इंटर सिटी एक्सप्रेस (15113) शामिल हैं।

हादसे में महिला की मौत, पति-बेटी घायल

छंदवल के पास डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, विवाह की वर्षगांठ पर जा रहे थे मंदिर

रफ्तार की मार

संवाददाता, रामसनेहीघाट, बाराबंकी

अमृत विचार : विवाह वर्षगांठ के मौके पर मां ज्वालामुखी देवी के दर्शन को निकले एक दंपति की बाइक में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी, हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो वर्षीय मासूम बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर छंदवल गांव के निकट हुई। क्षेत्र के पक्खा का पुरवा मजरा सनौली निवासी राजेश कुमार वर्मा रामसनेहीघाट तहसील के आपूर्ति कार्यालय में बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात हैं। वह गुरुवार को अपनी पत्नी रोली (24) और दो साल की बेटी रीति के साथ अंबौर स्थित मां ज्वालामुखी देवी के दर्शन के लिए मोटरसाइकिल से निकले लेकिन छंदवल के पास पीछे से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठी रोली उछलकर सड़क पर गिर गई और डंपर का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। गंभीर रूप से घायल रोली ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर में राजेश और उनकी दो वर्षीय बेटी रीति भी सड़क किनारे गिरकर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज जारी है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : घुघंटेर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरे का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघंटेर में चल रहा है। मोहनपुर मजरा हाजीपुर गांव निवासी निर्भय सिंह पुत्र अशोक और धौरहरा गांव निवासी त्रिवेणी पुत्र छेदू मोटरसाइकिल से घुघंटेर–जमुआ मार्ग पर जा रहे थे। जैसे ही वे पचास गांव के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघंटेर भेजा। यहां डॉक्टरों ने निर्भय सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। त्रिवेणी का उपचार जारी है इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बेचू सिंह यादव ने बताया कि उन्हें फिलहाल जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खड़े ट्रक से टकरायी बस, चार बच्चे घायल : लखनऊ में चल रहे जंबूरी कैंप में शामिल स्काउट-गाइड बच्चों को अयोध्या दर्शन के लिए ले जा रही बस गुरुवार को सड़क हादसे का शिकार हो गई। हाईवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टक्कर होने पर बस में सवार चार बच्चे घायल हो गए। घायलों को तत्काल सीएचसी पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत सामान्य बताई है।

जानकारी के अनुसार 22 नवंबर से लखनऊ में विभिन्न राज्यों से आए स्काउट-गाइड दलों का जंबूरी कैंप चल रहा है। इसके तहत बच्चों के लिए शैक्षिक भ्रमण और धार्मिक स्थलों के दर्शन का कार्यक्रम निर्धारित था। रविवार सुबह पांच अध्यापक और प्रशिक्षक समेत कुल 55 सदस्य अयोध्या के लिए रवाना हुए। हाईवे पर बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से अचानक टकरा गई। घायल बच्चों की पहचान वैष्णवी पुत्री रामालिंगम निवासी वृद्नगर (तमिलनाडु), रमणा पुत्र मुत्थु स्वामी निवासी डी-स्ट्रीट वृद्नगर, वेलमुर्गन पुत्र मारीमूत्तु निवासी पुंडुकोटई तथा वी. दीपन पुत्र विजय कुमार निवासी पांडेय नगर वृद्नगर के रूप में हुई है। सभी को हल्की चोटें आई और वे खतरे से बाहर हैं। अन्य बच्चों की भी चिकित्सकों ने जांच कर सुरक्षित बताया।

मां-बेटी पर एसिड फेंकने वाले को 10 साल की सजा

अयोध्या, अमृत विचार: किशोरी द्वारा शादी से इनकार करने पर उस पर और उसकी मां पर एसिड फेंकने के मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी पाते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 25 हजार जुर्माना भी हुआ है। फैसला अपर जिला जज इंद्रजीत सिंह की अदालत से गुरुवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अभय वैश्य ने बताया कि घटना 15 नवंबर 2023 की है। तारुन थाना क्षेत्र के बेदापुर गांव में सोनाली अपने घर के अंदर मां के पास बैठी थी। तभी पड़ोस का दीपक पांडेय घर में आया और बोतल में लिए हुए एसिड को गिलास में उड़ेल कर दोनों पर फेंक दिया। दोनों झुलस गईं। दोनों को सीएचसी तारुन से गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घटना के पीछे कारण यह था कि दीपक ने घटना के कुछ महीने पहले दीपाली से शादी करने का प्रस्ताव रखा था। उसने इनकार कर दिया था।

किसान एक्सप्रेस में बम की अफवाह से हड़कंप

मवई, अयोध्या।

अमृत विचार : अयोध्या-लखनऊ रेलखंड पर स्थित पटरंगा रेलवे स्टेशन पर गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब स्टेशन पर खड़ी किसान एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 13308) में बैठे एक यात्री ने ट्रेन में बम होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना जैसे ही रेलवे कंट्रोल रूम और स्थानीय पुलिस तक पहुंची, पूरे स्टेशन पर हड़कंप मच गया। ट्रेन को तत्काल रोक दिया गया, यात्रियों में दहशत फैल गई और प्लेटफॉर्म पर भगदड़ जैसी स्थिति बनने लगी। सूचना पर पहुंचे बम व डॉग स्क्वॉयड ने ट्रेन के सभी बोगियों की जांच की, सब ठीक पाए जाने पर ट्रेन को आगे रवाना किया गया। इस दौरान करीब दो घंटे 30 मिनट रेल यातायात बाधित रहा। पुलिस ने सूचना देने वाले यात्री को हिरासत में ले लिया है।

लुधियाना से आ रही किसान एक्सप्रेस दोपहर करीब 1:30 पर पटरंगा रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। इस दौरान एसी फर्स्ट के एच-वन कोच में सीट नंबर-16 पर सवार अनंतराज नामक यात्री ने 1:33 बजे पटरंगा पुलिस को फोन कर बोगी में बम रखे होने की सूचना दी। पटरंगा थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने तत्काल इसकी सूचना अपने उच्चाधिकारियों व रेलवे पुलिस को दी। कुछ ही देर में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ रुदौली आशीष निगम रुदौली, मवई, रौनाही थाना पुलिस व जीआरपी के साथ मौके पर पहुंचे। स्टेशन को चारों तरफ से घेर लिया गया और किसी को भी अंदर-बाहर आने-जाने की इजाजत नहीं दी गई। प्लेटफॉर्म पर खड़े लोगों को दूर हटने के लिए लाउडस्पीकर से लगातार घोषणा की जा रही थी। इसके बाद बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वॉयड की टीम मौके पर पहुंची। ट्रेन के हर कोच, की बारीकी से तलाशी ली गई।

सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने तलाशी के बाद तसल्ली होने पर 3:40 पर क्लीयरेंस दिया, तब ट्रेन यात्रियों को लेकर रवाना हुई।

पानी भरे गड्ढे में गिरी बच्ची, मौत

फतेहपुर, बाराबंकी: अमृत विचार : जाफरपुर में गुरुवार की शाम खेलते समय पानी भरे गड्ढे में गिरकर दो वर्षीया साक्षी की मौत हो गई। श्याम गौतम की पुत्री साक्षी शाम करीब चार बजे घर के बाहर खेल रही थी। कुछ देर बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पड़ोसी राजकुमार ने देखा कि उसके घर के पीछे तालाब के किनारे बने गड्ढे में एक बच्चा पानी में डूबा है। उसने तुरंत कूदकर बच्चे को बाहर निकाला तो पता चला कि वह साक्षी ही है। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मांगने पर नहीं मिली बाइक तो की क्षतिग्रस्त

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : युवक ने पड़ोसी से बाइक मांगी, मना करने पर बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र के खरसतिया गांव निवासी शिवम अवस्थी ने पुलिस को बताया कि बुधवार की रात उनके पड़ोस में रहने वाले युवक मयंक अवस्थी ने बाइक मांगी तो उसने देने से इंकार कर दिया। बताया कि इसी बात से खिन्न पड़ोसी ने आधी रात के बाद लोहे की राड से बाइक का ब्राउजर, शीशा व इंडीकेटर आदि तोड़ दिया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मार डालने की धमकी भी दी।

सिटी डायरी

निरीक्षण करते डीएम व एसपी। अमृत विचार

डीएम और एसपी ने जिला जेल का किया निरीक्षण

बाराबंकी : अमृत विचार : जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। डीएम शंशाक त्रिपाठी व एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा संयुक्त रुप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों, मेस, जेल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे, वीडियो कान्फ्रेंसिंग रूम आदि की सघन चेकिंग की गई। तदोपरांत कैदियों की समस्याओं, सुविधाओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित से जानकारी ली गई तथा साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध में कारागार कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए गये। इसके साथ ही बन्दियों से मिलने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में जानकारी की गई।

गौ सेवा करते भाजपा विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा। अमृत विचार

गौसेवा करना पुण्य का कार्य : साकेन्द्र

फतेहपुर, बाराबंकी : अमृत विचार : ग्राम जबदी (टेनवा) विकासखण्ड सूरतगंज में जिला पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय पशु आरोग्य शिविर व मेला में भाजपा विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा ने गाय और पशुपालन की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पशु हमारे लिए अमृत समान दूध प्रदान करते हैं और गाय की सेवा सच्ची सेवा है। पशुओं का स्वास्थ्य बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है और इसके लिए समय-समय पर पशु चिकित्सकों से जांच करवाना आवश्यक है। विधायक ने कहा कि धनों में पशुधन की भी मान्यता है। गौमाता का दूध अमृत समान होता है। गाय की सेवा करना पुण्य का मार्ग है। इस पशु मेले में कई पशुपालकों को सम्मानित किया गया।

छप्पन भोग का प्रसादम। अमृत विचार

छप्पन भोग के प्रसादम की सराहना

लखनऊ, अमृत विचार : अयोध्या में राम मंदिर शिखर पर धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम में लखनऊ के छप्पन भोग के प्रसादम की सराहना की गई। प्रसादम में मेवा पंजीरी, गुड खस्ता गजक, बेसन लड्डू व गुड रेवड़ी शामिल था। कार्यक्रम में पहुंचे सभी लोगों को छप्पन भोग का प्रसादम उपहार स्वरूप दिया गया। बता दें कि छप्पन भोग लखनऊ को प्रसादम नाम से निर्मित प्रसाद बनाने को श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा कहा गया था। इसके पूर्व रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भी सभी अतिथियों को विशेष रूप से छप्पन भोग द्वारा निर्मित प्रसाद का पैकेट दिया गया था। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में करीब 62 हजार पैकेट प्रसादम बांटे गए थे।

बच्चों को बैग व स्टेशनरी वितरित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर।

साईं धाम ट्रस्ट ने बच्चों को बांटे बैग व स्टेशनरी

लखनऊ, अमृत विचार : पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर काकोरी में टिकैतगंज गांव में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बच्चों व उनके अभिभावकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराया। यही नहीं, कौशल किशोर ने महिलाओं को सिलाई मशीन व समान रखने के लिए बक्से उपहार स्वरूप दिए। इसके अलावा 31 दिसंबर को आयोजित होने वाली रैली के बारे में जागरुक भी किया। यह रैली शहीद स्मारक निकट रेजिडेंसी से दोपहर 12 बजे शुरू होगी। कार्यक्रम में साईं धाम मंदिर फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अमित शर्मा ने उपस्थित बच्चों को बैग्स और स्टेशनरी उपलब्ध कराईं। बता दें कि साईं धाम ट्रस्ट पिछले कुछ वर्षों से विभूतिखंड गोमतीनगर में वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रहा हैं। इस कार्यक्रम में गांव प्रधान निशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री गोमती देवी, प्रधानाचार्या रेनू सिंह, मुकेश तिवारी, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, आशा बहुएं, बीएलओ और ग्रामीण मौजूद रहे।

अखिलेश दुबे को 43 केसों में 37 में क्लीनचिट

कानपुर, अमृत विचार : भाजपा नेता रवि सतीजा को फंसाकर 50 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में जेल गए अधिवक्ता अखिलेश दुबे को बड़ी राहत मिली है। उसके खिलाफ 43 शिकायतों में से 37 में एसआईटी ने क्लीनचिट दी है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने छह मामलों में डिजिटल साक्ष्य, गवाहों के बयान और अन्य तकनीकी सबूत एकत्रित करने के निर्देश दिए हैं।

छह अगस्त को भाजपा नेता रवि सतीजा ने बर्रा थाने में अखिलेश दुबे, लवी मिश्रा, टोनू यादव, विमल यादव, अभिषेक बाजपेई समेत अन्य पर विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अखिलेश दुबे और लवी मिश्रा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। इसके बाद अखिलेश दुबे और उसके साथियों पर दो किदवईनगर, कोतवाली में अन्य मामलों में रिपोर्ट दर्ज की गई, जबकि जूही क्षेत्र के 15 साल पुराने मामले में फिर से जांच शुरू हो गई। यह कार्रवाई एसआईटी की जांच के बाद हुई थी। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने सितंबर में ऑपरेशन महाकाल लांच कर दिया, जिसमें अखिलेश दुबे के अलावा कई जमीन पर कब्जा करने और अन्य भू-माफियाओं के खिलाफ शिकायतें आईं। पुलिस कमिश्नर कार्यालय से एसआईटी को बारी बारी से जांच दी गई। अखिलेश दुबे और उसके साथियों के खिलाफ नए केस दर्ज नहीं हुए।

अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा बनाया गया

शिकायत करने वालों ने अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा बनाया और पुलिस अधिकारियों को जांच में सहयोग करने की बात कही। नवंबर में अखिल कुमार का डिजिटल इंडिया का सीईओ बनाकर भेज दिया, जबकि एडीजी रघुबीर लाल को पुलिस कमिश्नर बनाया गया। उनके आने पर एसआईटी की जांच को लेकर तरह तरह की बातें होने लगी, हालांकि पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने पहले ही दिन आकर एसआईटी के अधिकारियों से बातचीत की थी। उनसे जांच के संबंध में जानकारी की थी। उन्होंने एसआईटी के अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए थे। एसआईटी ने जांच पूरी कर ली है, जिसमें 43 शिकायतों में से 37 में अखिलेश दुबे को क्लीनचिट मिल गई हैं।

छात्रों को किया गया जागरूक

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गुरुवार को सार्वजनिक विद्यालय इंटर कॉलेज और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हैदरगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एसडीएम राजेश विश्वकर्मा ने छात्र-छात्राओं को एसआईआर फॉर्म की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। एसआरजी राहुल कुमार शुक्ल ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने घर और आसपास के लोगों को फॉर्म भरकर बीएलओ तक पहुँचाने में सहयोग करें, ताकि अभियान सफल हो सके। कार्यक्रम में छात्रों ने प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान भी किया।

उपलब्धि | पुरस्कृत हुए प्रदेशीय सीनियर टेबल टेनिस प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता खिलाड़ी

लखनऊ के लक्ष्य व गुनगुन टेबल टेनिस एकल विजेता

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: डाभासेमर के अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में चल रही तीन दिवसीय प्रदेशीय सीनियर महिला व पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता गुरुवार को सम्पन्न हुई। एकल पुरुष वर्ग में लखनऊ मंडल के लक्ष्य व महिला वर्ग में लखनऊ की गुनगुन ने खिताब जीता। पुरुष युगल खिताब अयोध्या मंडल व महिला खिताब लखनऊ मंडल के नाम रहा।

मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता की एकल पुरुष वर्ग की फाइनल स्पर्धा लखनऊ के लक्ष्य व अयोध्या मंडल के शिवम चौरसिया के बीच खेला गया। इसमें लक्ष्य ने लगातार तीनों सेट जीकर 3-0 से खिताबी जीत दर्ज की। महिला एकल फाइनल में लखनऊ की गुनगुन ने लखनऊ की एलिना को 3-1 से पराजित कर खिताब पर कब्जा किया। युगल फाइनल की पुरुष स्पर्धा अयोध्या के शिवम व जतिन और आगरा के वेद व वंश के बीच हुई। इसमें अयोध्या टीम ने मैच जीत खिताब हासिल कर लिया। महिला वर्ग के फाइनल में लखनऊ मंडल की गुनगुन व एलीना ने कानपुर की तारिणी व तान्या को 3-2 से पराजित कर खिताब हासिल किया।

टेबल टेनिस प्रतियोगिता की विजेता महिला टीम लखनऊ मंडल मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह के साथ।

आईएएस की टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन

बाराबंकी, अमृत विचार : मध्य प्रदेश के एक आईएएस द्वारा ब्राह्मण समाज की महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ गुरुवार को वकीलों ने प्रदर्शन करते हुए कोतवाली पुलिस को ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ता शिवम तिवारी, चंद्रकांत, देवेश तिवारी आदि तमाम अधिवक्ताओं ने कचहरी से विरोध प्रदर्शन करते हुए कोतवाली तक जुलूस निकाला और यहां पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन करते अधिवक्ता। अमृत विचार

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अपनी अलग पहचान बना रहे बरेली के किसान

सिंदूर की फली

बरेली, जो कभी मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, अब एक महत्वपूर्ण कृषि क्रांति का साक्षी बन रहा है। यहां के किसान अब केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ-साथ खुद भी इनोवेशन को अपना रहे हैं। बरेली के किसानों ने ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सबसे बड़ा बदलाव 'विविधीकरण' के क्षेत्र में आया है। अब यहां विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट', वाइन ग्रेप्स और अन्य विदेशी प्रजाति की सब्जियाँ सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं। इस परिवर्तन में एक प्रेरक पहलू बड़े शहरों की बडे.पैकेज की नौकरी छोड़कर गांव लौटे शिक्षित युवाओं की भूमिका है। इन युवाओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों और विदेशी फसलों की खेती से कृषि वैज्ञानिकों तक को चकित कर दिया है, युवाओं ने साबित कर दिया कि कृषि एक लाभदायक और सम्मानजनक कॅरियर विकल्प है। फसल उत्पादन के अलावा, कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति हो रही है। गुजरात की देसी 'गिर' गायों का दुग्ध कारोबार यहां आगे बढ़ रहा है। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि के क्षेत्र में एक नया रूप ले रही है।

अंगूर के साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं

प्राचीन काल में पांचाल राज्य का हिस्सा रही वर्तमान बरेली विदेशी प्रजाति के अंगूर व इससे बनने वाले वाइन कारोबार में विदेशी बाजारों का प्रभुत्व तोड़ेगी। यहां अंगूर के उत्पादन साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं हैं। प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी ने इसे सिद्ध कर दिया है। वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक में अंगूर की खेती होती है, जबकि अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में अंगूर की खेती होती है। जलवायू अनुकूल होने के कारण एक ओर जहां इन देशों में अंगूर का उत्पादन खूब होता है, वहीं इससे खुशबूदार वाइन भी खूब बनती है। यही वजह है कि वैश्विक बाजार में अंगूर के साथ विदेशी वाइन छायी हुई है। विश्व में 80-90 प्रतिशत अंगूर वाइन, जूस व किशमिश बनाने में इस्तेमाल होता है। अब बरेली में भी विदेशी प्रजाति के अंगूर व वाइन का उत्पादन बढ़ सकेगा और बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बन सकेगी। सरकारी सहयोग मिला तो यह शहर अंगूर की खेती का 'अन्तर्राष्ट्रीय हब' बन जाएगा। बरेली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में 'जिद', 'जज्बा' व 'जुनून' के साथ लगे यहां के टिगरी गांव निवासी प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी का कहना है कि आजकल के युवा किसान 'खेती-किसानी' को घाटे का सौदा मानकर इससे मुंह मोड़ रहे हैं। वे अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर खेती करने के बजाय उसे बेचकर शहरी जीवन के चकाचौंध में जाने को आतुर हैं, पर इसमें उन्हें वास्तविक सफलता नहीं मिलनी वाली है।

विभिन्न किस्में लगा सकते हैं खेत में

किसान अपने खेतों में विभिन्न विदेशी किस्मों की फसलें लगा सकते हैं। प्रगतिशील किसान साहनी ने तो अपने फार्म हाउस में विदेशी अंगूर व अन्य विदेशी पौधे लगाये गए। यहां आम लोगों के खाने में इस्तेमाल होने वाले विदेशी अंगूर के साथ वाइन बनाने वाले विदेशी अंगूर 'वाइन ग्रेप्स' भी लगाये गए हैं। इसमें फ्रांस, इटली, आस्ट्रेलिया, ग्रीस आदि देशों की 35 किस्में शामिल हैं। साहनी ने सिंदूर (कमीला जतन) का पेड़ भी यहां लगाया है जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सफल खेती के लिए खेतों में उन्नत विदेशी तकनीक जरूरी

साहनी ने अपने फार्म हाउस में खेतों को व्यवस्थित करने के लिए इंग्लैंड से आयातित तार लगाए गए हैं जिसमें अंगूर की लतायें फैली हैं। विदेशी तकनीक से एकीकृत प्रणाली के तहत बागान में सिंचाई की व्यवस्था है। इजराइल की तकनीक के उपकरण से पौधों की मांग के अनुसार सिंचाई होती है, जबकि पारंपरिक तौर पर सिंचाई में मांग के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था नहीं होती है।

ये भी है फार्म हाउस में

- 82 प्रजातियों की चिड़ियां
- 38 प्रकार की तितलियां
- तराई में पैदा होने वाला सिंदूर का पौधा
- फालसे का बाग
- अंजीर का बाग
- कचनार के पेड़
- देसी मेंहदी के पेड़ व आंडू का बाग आदि

पौधों को पिलाया जाता है नीम का तेल

विदेशी तकनीक के तहत पौधों में नीम की तेल की सिंचाई होती है, ताकि कीट प्रबंधन हो सके। फार्म हाउस में लगे अंगूर के पौधों को नीम का तेल पिलाया जाता है। किस पौधे को कितनी जरूरत है, इसका भी अध्ययन किया जाता है। इजराइल की सिंचाई तकनीक इस्तेमाल कर पाइप लाइन बिछाई गई है। यहां हर पौधे को नंबर आवंटित किये गए हैं। साथ ही, इंग्लैंड से आयातित तार लगाये गए हैं। यह तकनीक भी बरेली के किसानों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

'ड्रैगन फ्रूट' के उत्पादन से निकले बरेली के किसानों के लिए नये रास्ते

गहरा गुलाबी-लाल रंग, खाने में मक्खन जैसा मुलायम व मीठा। गजब का स्वाद। हम बात रहे हैं वियतनाम मूल के विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट' की। अब यह फल बरेली की धरती पर खूब उग रहा है। यहां के बहगुलपुर गांव के प्रगतिशील किसान यशपाल ने अपने 10 एकड़ खेत में इस 'सुपरफूड' का उत्पादन कर बाकी किसानों के लिए भी नये रास्ते खोल दिये हैं। जिले के किसान अन्य पारंपरिक खेती के साथ इस फल की खेती कर सकते हैं, क्योंकि इस खेती बहुत आसान है। उद्यान विभाग इसकी खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ निशुल्क पौध भी उपलब्ध करा रहा है। लगभग डेढ़ साल में इसकी फसल तैयार हो जाती है, जबकि तीन साल के बाद भारी मात्रा में फल आते हैं। अगले तीस सालों तक किसान इससे फसल लगातार ले सकते हैं। ऐसे में यह किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा सौदा साबित हो सकता है। गुजरात व मुंबई से जाकर इसकी खेती से प्रेरित हुए यशपाल व उनकी टीम के साथी प्रवीण कुमार गुप्ता अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि इसकी खेती पर एक एकड़ चार-पांच लाख रुपये खर्च होते हैं। एक एकड़ में प्रति साल 10-15 लाख का फायदा होता है। इसकी फसल जुलाई से नवंबर तक चलती है। इसकी खेती में जैविक व प्राकृतिक उर्वरक इस्तेमाल होता है। किसान वर्मी कम्पोस्ट खुद बनाकर खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। यह खाद साल में तीन बार देनी होती है। हर पन्द्रह दिन में सिंचाई ड्रिप तकनीक प्रणाली से की जाती है। सिंचाई के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

बाजार में है बहुत संभावनाएं

यशपाल का कहना है कि बरेली समेत अन्य जिलों में इस फल की बहुत मांग है। वजह यह है कि यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कीवी फल से 10 गुना पौष्टिक होता है। स्वादिष्ट होने के कारण इसकी मांग निरंतर बढ़ती जा रही है।

जलभराव वाली जमीन पर नहीं पैदा होता यह फल

प्रगतिशील किसान का कहना है कि यह फल जलभराव वाली जगह पर नहीं पैदा होता, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं होती हैं। यह बंजर जमीन पर भी उग सकता है। जमीन तो केवल नीचे सपोर्ट के लिए होती है, जबकि यह फल अलग से जैविक खादयुक्त मिट्टी पर उग जाता है।

डेयरी क्रांति की कहानी, बीएल एग्रो की कामधेनु परियोजना

बीएल एग्रो कामधेनु परियोजना से गांवों और किसानों का समृद्ध करने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना का उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए यहां गिर और साहिवाल गायों की नस्ल तैयार करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करेंगी। बीएल एग्रो ने इस परियोजना के लिए शुरुआत में 1,000 करोड़ का निवेश किया है, जिसके पूरी क्षमता से चालू होने पर कुल 3,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल बताते हैं कि वर्तमान में 350 से अधिक साहिवाल, गिर, पुंगुर नस्ल की गाय डेयरी में हैं। ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर इस नस्ल की गायों में अनुवांशिक सुधार कर उनकी संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ब्राजील ने गिर नस्ल में अनुवांशिक सुधार करके प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 किलो प्रतिदिन प्राप्त किया है। भारत में प्रतिपशु दूध का उत्पादन उन देशों के मुकाबले काफी कम है। इसका कारण हमारे पास उच्च गुणवत्ता वाले गायों और सांडों की कमी है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बीएल कामधेनु परियोजना में सम्मिलित किया है। योजना के प्रयास से उच्च नस्ल वाली भारतीय साहिवाल और गिर गाय पैदा होने के बाद सीमेन और भ्रूण लाने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

- परियोजना को एक हजार करोड़ का निवेश, पूरी क्षमता से चालू होने पर तीन हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद
- ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर गिर और साहिवाल गायों में होगा अनुवांशिक सुधार
- प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 लीटर प्रतिदिन लाने का लक्ष्य

साहिवाल नस्ल की 5000 गायों को रखने की योजना

भविष्य में गिर, साहिवाल नस्ल की पांच हजार हजार देसी गायों को रखे जाने की योजना है। जो एक दिन में 30 से 35 लीटर तक दूध दे सके। इन गायों के माध्यम से बीएल एग्रो स्थानीय समुदाय को जहां उच्च दूध देने वाली गायों की उपलब्धता बढ़ाएगा, वहीं बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा-दाना के माध्यम से जुड़कर पशुधन का विकास करेगा। साथ ही किसानों के लिए दूध की मार्केटिंग में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए एक फील्ड प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी, जो किसानों से दूध जैसे कच्चे माल की प्राप्ति के लिए उनके साथ काम करेगी। आईसीएआर- सीआईआरजी के पूर्व निदेशक एवं बीएल कामधेनु योजना के उपाध्यक्ष डा. एसके अग्रवाल बताते हैं कि भ्रूण प्रत्यारोपण एक ऐसी विधि है, जिसके माध्यम से गाय की किसी भी नस्ल की एक गाय से साल भर में 40 से 50 भ्रूण विकसित करके दूसरी गायों में प्रत्यारोपित कर 15 से 16 बछिया को जन्म दिलाया जा सकता है, जबकि सामान्य तौर पर साल भर में एक गाय से एक ही बछिया प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा

आशीष खंडेलवाल के मुताबिक, अगर किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार करेंगे। जिसे उनके सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से जन्मे गाय के बच्चों में ज्यादा दूध देने की क्षमता होगी।

चारा उत्पादन के लिए किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग

चारा उत्पादन के लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग करने का फैसला किया है। इसके तहत, डेयरी आसपास के किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग करेगी, जिसमें किसानों को चारा उत्पादन के लिए बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी। डेयरी किसानों से निर्धारित दर पर चारा खरीदेगी, जिससे किसानों को भी लाभ होगा और डेयरी को भी चारा की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजना के अंतर्गत कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीपी) भी लगाया गया है इसके माध्यम से बायोगैस बनाकर उसी से जेनरेटर के द्वारा बिजली का उत्पादन होगा। जो वेस्ट निकलेगा उसमें पानी उलग करके पैकेजिंग करके पाउडर के रूप में बायो फर्टीलाइजर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे केमिकल का इस्तेमाल तो कम होगा ही, खेतों की उर्वरकता भी बढेग़ी।

खेत से आसमान तक 'ड्रोन दीदी' की सफलता की उड़ान

नवाबगंज की रहने वाली किरन गंगवार ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से एक नई ऊंचाई हासिल की है। एमए की पढ़ाई करने वाली किरन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ड्रोन पायलट बनने का फैसला किया और आज वह 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। किरन बताती हैं कि उन्होंने नवंबर 2023 में खुद को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने का फैसला लिया। इसके बाद, उन्हें इफको की ओर से फ्री में ड्रोन दिए जाने के साथ चलाने की ट्रेनिंग दी गई। दिसंबर 2023 में प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको कोरडेट में ट्रेनिंग मिली और मार्च 2024 को उन्हें 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत कृषि ड्रोन मिला। आज किरन 500 हेक्टेयर में 'स्प्रे'कर चुकी हैं और अच्छी कमाई भी कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहली बार जब गांव में ड्रोन उड़ाया, तो लोग देखने के लिए आए। तब लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ था कि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशक और पानी का छिड़काव भी संभव है। किरन कहती हैं, अगर महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अच्छा परिणाम दे रही हैं विदेशी फसलें

बरेली में पारंपरिक फसलों से हटकर विदेशी व उन्नत खेती की अपार संभावनाएं हैं। भले ही यहां की जलवायु इन फसलों के अनुकूल नहीं है, फिर भी यहां की धरती पर जिस तरह से विदेशी फसलें अच्छा परिणाम दे रही हैं। इससे खेती में लगे किसानों का उत्साह बढ़ गया है। इसी तरह, दूसरे राज्यों की देसी गिर गाय भी अनुकूल जलवायु न होने के बाद भी बरेली की जमीन पर बेहतर नतीजे दे रही हैं। बरेली के और किसान भी इससे प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई छू सकते हैं। इन अच्छे नतीजों से कृषि व उद्यान के विशेषज्ञ चकित हैं। कुछ का कहना है कि सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के कारण अच्छे नतीजे आ रहे हैं, तो कुछ इस पर अनुसंधान किये जाने पर जोर दे रहे हैं।भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के उद्यान विभाग के विषय विशेषज्ञ डॉ रंजीत सिंह का कहना है कि विज्ञान के अनुसार तो विदेशी औद्यानिक फसलें बरेली की जलवायु के अनुकूल नहीं हैं। यहां जाड़े में बहुत ठंड तो गर्मी में बहुत गर्म पड़ती है। यहां सामान्य तौर पर दिन में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व रात में 12 डिग्री सेल्सियस रहता है। विदेशी नस्ल के उत्पादन पर उनका कहना है कि कुछ किस्में ही यहां उग पाई हैं। उनका कहना है कि कृषि वैज्ञानिक कई 'राउंड' में जलवायु व फसल उत्पादन का अध्ययन करते हैं। औसतन 10 साल का डाटा लिया जाता है। इसमें सफलता मिलने पर ही उसे सफल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के अंगूर, ड्रैगन फ्रूट आदि पैदा हो रहे हैं।

पहले की खेती और आज की खेती में फर्क समझें: डा. अंजनी

कृषि क्षेत्र में बदलाव की कहानी अब आम हो गई है। पहले खेती भले ही कम की जाती थी, लेकिन फसल की गुणवत्ता और बीजों के चुनाव में पहले की खेती और आज की खेती में बहुत फर्क आ चुका है। आयुर्वेदाचार्य और कृषि विशेषज्ञ डा. अंजनी सिंह उदाहरण के तौर पर बताते हैं कि आज की लौकी खाने के बाद कई बार पेट दर्द की शिकायत रहती है, जबकि पहले की लौकी खाने पर ऐसी दिक्कत नहीं होती थी। क्योंकि आज की लौकी का आकार बड़ा करने के लिए लोग 'इंजेक्शन' का इस्तेमाल करने लगे हैं। डा. अंजनी कहते हैं पहले खेती में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल होता था, जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती थी और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन आज खेती में रसायनों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता घट रही है और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देसी गाय के दूध का बड़ा बाजार

यूं तो राज्य सरकार की योजनाओं के बल पर गोवंश का संरक्षण करने के लिए हर जिले में गौशालाएं खोली जा रही हैं। विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार खूब रकम सब्सिडी के रूप में लोगों को उपलब्ध करा रही है और योजनाओं से पोषित गौशालाएं खुल भी रही हैं, पर बिना सरकारी सहयोग के ही बरेली में गुजरात की देसी गाय गिर अपने दूध व दुग्ध उत्पाद से नई पहचान बना रही है। इसके दूध की इतनी मांग है कि पूरी नहीं पड़ रही है। इससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में अगर बरेली में और गौशालाएं खुलेंगी, तो दुग्ध व इसके उत्पाद के बाजार में छा जाएंगी।

बरेली के भैरपुरा खजुरिया निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने गिर गाय का गौशाला का संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के अन्य लोग खासकर युवा भी इस क्षेत्र में अपना अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफीसर की 48 लाख सालाना वेतन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में गांव में गौशाला संचालन व प्राकृतिक खेती कर रहे ज्ञानेंद्र के पास छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 65 गाय हो गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए ज्ञानेंद्र कहते हैं कि बरेली में शुद्ध दूध की बहुत मांग है। मांग के अनुसार अभी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देसी गिर पर ही विशेष जोर देने के सवाल पर उनका कहना है कि वैसे तो साहिवाल समेत अन्य गायों का दूध भी विदेशी गायों से अच्छा रहता है, पर गिर नस्ल की गाय का दूध मां के दूध के समान होता है। इसमें प्रोटीन ए टू होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गिर गाय मौसम के अनुकूल होती हैं, इसलिए बीमार भी बहुत कम पड़ती हैं। यह गाय 7-8 लीटर प्रतिदिन दूध देती हैं। ऐसे में इस गाय के दूध के बाजार में बहुत संभावनाएं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में गांव के अन्य किसान व युवा अपना कैरियर बना सकते हैं।

अन्य राज्यों को भा रहा बरेली का दुग्ध उत्पाद

गिर गाय का दुग्ध उत्पाद बरेली के साथ ही अन्य राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब के साथ ही राजधानी लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि के लोगों को भा रहा है। तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर में प्राकृतिक खेती व गांव में मकान के सामने गौशाला चला रहे ज्ञानेंद्र का कहना है कि वह 250 परिवारों को दूध व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें केवल दूध के 50 ग्राहक बरेली के हैं। दूध की आपूर्ति केवल जिले में है, जबकि दुग्ध उत्पाद मुम्बई, पंजाब, दिल्ली, लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि में आपूर्ति हो रहा है। मिलावटी दूध से परेशान लोग अब शुद्ध दूध की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बरेली में और गौशालाएं खोली जाएं, तो इसका लाभ किसानों के साथ यहां के लोगों को मिल सकेगा।

शुद्ध देसी घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी

दूध से शुद्ध घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी है। घी बनाने में बिलौना विधि का प्रयोग होता है, जो पूरी तरह मैनुअल होता है। ज्ञानेंद्र की गौशाला में इस विधि का ज्ञान रखने वाली उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां शकुंतला देवी घी बनाने का कार्य करती हैं। वजह यह है कि इस विधि से बनने वाला घी अधिक स्वादिष्ट होता है। शाहजहांपुर में आबकारी निरीक्षक पद पर तैनात सविता चौधरी भी घर आने के दौरान गौशाला व प्राकृतिक खेती में सहयोग करती हैं। यानी सफलता के लिए खुद के साथ ही अगर पारिवारिक सहयोग मिल जाय, तो यह सोने पर सुहागा साबित होगा।

जवान न बन सके सर्वेश बन गए प्रगतिशील किसान

जब दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हाफिजगंज के ग्रेम गांव के सर्वेश की कहानी कुछ इसी तरह की है। सर्वेश का सपना था कि फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करना। चार बार फौज की भर्ती में शामिल हुए। शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की, पर सफल नहीं हुए। निराश होने के बजाय उन्होंने गांव में खेती को रोजगार का जरिया बनाने की ठानी। जैविक खेती का तरीका सीखा। फसल लहलहाई तो उनकी किस्मत चमक गई। 28 साल की आयु में सर्वेश को कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रगतिशील किसान का दर्जा प्रदान किया है। सर्वेश गन्ने के साथ मेंथा, सरसों, मेंथा आदि कि वर्तमान में वह करीब 15 बीघे में जैविक खेती कर रहे हैं। सालाना आय करीब पांच लाख रुपये से ज्यादा है। सर्वेश बताते हैं कि उन्होंने एक फर्म भी बनाई है। इसके जरिए वह जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी फर्म से अब तक एक, दो बीघे वाले 300 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य खेती को सिंथेटिक रसायन से मुक्त करना है। इसके अलावा वह कृषि कॉलेजों, केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में व्याख्यान देने भी पहुंचते हैं। सर्वेश बताते हैं कि उत्पादित फसलों की गुणवत्ता के आधार पर बिक्री अधिक होने की वजह से अब व्यापारियों की मांग के अनुसार माल की कमी हो जाती है।

अमेरिका-जर्मनी तक बरेली का मेंथा पहुंचा रहे निहाल

जैविक खेती के फायदे जानने हैं तो बरेली के उन्नतशील कृषक निहाल सिंह के बारे में जानिए, जो ऑर्गेनिक मेंथा, सगंध फसलों और जड़ी-बूटियों की खेती करते हैं। वर्तमान में उनसे पांच हजार किसान जुड़े हैं। निहाल का दो एकड़ से शुरू हुआ खेती का सफर आज दस हजार एकड़ में फैल चुका है। वह कहते हैं वर्ष 2002 में बेहद छोटे पैमाने पर ऑर्गेनिक मेंथा की खेती शुरू की थी। आज उनकी कंपनी ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेंथा उत्पादन करती है। यहां उपजा जैविक मेंथा जर्मनी और यूएसए (अमेरिका) तक भेजा जा रहा है। इसकी बहुत मांग है। तुलसी की सूखी पत्ती की भी अमेरिका में खूब मांग है। जैविक खाद से पैदा हुए धान, गेंहू और आलू की सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मांग होती है। वह अपनी सफलता का सीक्रेट शुद्धता, प्रतिबद्धता और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते बताते हैं। वह कहते हैं कि 2003 में कॉलेज के एक 'लेक्चर' में सुना था कि रसायनिक खाद जमीन को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं। शरीर में बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके बाद जैविक खाद से उड़द की खेती से शुरुआत की थी। पांच साल तक व्यवसायिक फायदा नहीं मिला। इन्हीं चुनौतियों से सीखते हुए 2008 में जैविक उत्पाद के लिए बाजार खड़ा कर लिया। आज पांच हजार किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। ऑर्गेनिक मेंथा ही नहीं वह जड़ी-बूटियों और लेमनग्रास व कैमोमाइल जैसी दस से अधिक सगंध फसलें उगाते हैं। राइस मिल और गुड़ बनाने की यूनिट भी लगाई जो किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। उनका कहना है कि युवा खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाएं, क्योंकि यही भारत को अग्रणी बना सकती है।

प्रस्तुति : रमेश चंद्र व महिपाल गंगवार

अमृत विचार

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

आप खुश होते हैं या दुखी, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, या आप कौन हैं, या आप कहां हैं, या आप क्या कर रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या सोचते हैं।

-डेल कार्नेगी, अमेरिकी लेखक

ऐतिहासिक खेल उपलब्धि

कॉमनवेल्थ गेम्स का बीस बरस बाद भारत लौटना देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। राष्ट्रमंडलीय खेलों के दौरान दुनिया का स्वागत करने के लिए भारत जितना उत्सुक है, उतना ही आत्मविश्वासी भी। बड़ी बात यह कि पूरा आयोजन पहली बार वास्तविक तौर पर किसी एक ही शहर में संपन्न होगा। हाल के वर्षों में भारत में खेलों को लेकर जो अवसंरचनात्मक विकास और जनसमर्थन बढ़ा है, उससे निस्संदेह यह अवसर अत्यंत उल्लेखनीय बनेगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दीर्घकालिक विज़न को भी पुष्ट करती है, जिसके तहत भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

ओलंपिक बोली की तैयारी, खेलों में निजी एवं सार्वजनिक निवेश की वृद्धि, खेल विज्ञान व उच्च-स्तरीय अवसंरचना के विस्तार ने इस क्षेत्र में देश की वैश्विक छवि को उल्लेखनीय मजबूती दी है। कॉमनवेल्थ जैसे विशाल आयोजन की मेजबानी इसी का प्रतिफल है। सवाल है कि क्या अहमदाबाद इतनी स्तरीय, विविध और व्यापक खेल अवसंरचना 2030 तक विकसित कर पाएगा कि सभी राष्ट्रमंडलीय खेल, जिनमें इस बार 17 नए खेल भी जोड़े गए हैं, एक ही शहर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे? वर्तमान में अहमदाबाद और उसके आसपास खेल परिसरों, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों, मेडिकल, स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाओं और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का तीव्र विस्तार हो रहा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और आगामी मल्टी-डिसिप्लिन स्पोर्ट्स हब, ये सभी इस बात का संकेत देते हैं कि शहर 2030 तक विश्व-स्तरीय आयोजन की आवश्यकताओं को पूरा करने में अवश्य सक्षम हो जाएगा। इसी मजबूत अवसंरचना और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता के आधार पर ही अहमदाबाद को 2028 वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 वर्ल्ड सीनियर एथलेटिक्स और 2033 वर्ल्ड एथलेटिक्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं बनी हैं। भारत को कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिलने के पीछे दो महत्वपूर्ण कारण हैं- पहला, तेजी से मजबूत होती अवसंरचना और उसमें बढ़ता सार्वजनिक निवेश, दूसरा, भारत की आर्थिक स्थिरता और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं। किसी भी बड़े बहुराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक क्षमता और शहर-स्तरीय आधारभूत विकास निर्णायक होते हैं और भारत ने दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है।

ठीक है कि कॉमनवेल्थ गेम्स बहुधा आर्थिक लाभ के बजाय व्यय-प्रधान आयोजन सिद्ध हुए हैं। यह आयोजन केवल खर्च का विषय नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी-विकास, पर्यटन वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिष्ठा का मामला है। दिल्ली ने 2010 में परिवहन, सड़कों, एयरपोर्ट, मेट्रो और शहरी ढांचे में बड़ा रूपांतरण देखा था। अहमदाबाद में भी 2030 तक परिवहन, शहरी नियोजन, स्मार्ट-सुविधाएं, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, रिवरफ्रंट और स्पोर्ट्स-इकोनॉमी के कई क्षेत्र नए स्तर पर विकसित होंगे। घरेलू आयोजन खिलाड़ियों के लिए अवसर और प्रेरणा दोनों बढ़ाता है। आज हमारी खेल व्यवस्था अधिक वैज्ञानिक, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक है। घर में खेल होगा तो हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और पदक संख्या दोनों में वृद्धि दिखेगी।

प्रसंगवश

लोग लावारिस छोड़ जाते हैं मासूम जिंदगियां

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है, जहां बेटी का जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई। इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्ड लाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

धर्म ध्वजा की स्थापना के अर्थ व संदेश

गोलेश स्वामी
राजनीतिक विश्लेषक

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना ने एक बार फिर से त्रेता युग और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अहसास कराया। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम-सीता के विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त के मौके पर हुए इस ध्वजारोहण ने देश-दुनिया को जहां गहरे अर्थ दिए हैं, वहीं एक नहीं अनेक अहम संदेश दिए हैं। पहला संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संतों व राम भक्तों की एकजुटता का है। यह धर्म और सियासत के समन्वय और राम मंदिर की पूर्णता का भी संदेश है। धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है।

दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

> धर्म ध्वजा, धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है। दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और राष्ट्र मंदिर तक सीमित नहीं रहा। बल्कि उन्होंने एक ओर जहां अपने विरोधियों पर निशाना साधा, तो रामभक्तों को भी नसीहत देना नहीं भूले। इशारों-इशारों में अपने विरोधियों, खासकर कांग्रेस की पूर्व सरकारों को भगवान राम को काल्पनिक मानने के लिए कठघरे में खड़ा किया। यहां तक कि कांग्रेस सहित विरोधी दलों की सरकारों के आर्थिक विकास पर भी यह कहकर सवाल दागे कि 70 साल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था ही बन सकी, जबकि उनके मात्र 11 साल के कार्यकाल में ही देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

इसके साथ ही भविष्य में स्वदेशी के बल पर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, लेकिन प्रधानमंत्री देशवासियों खासकर रामभक्तों को यह कहकर नसीहत देना नहीं भूले कि वे अपने अंदर राम के व्यक्तित्व के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें, क्योंकि राम अयोध्या से वन जाते समय एक राजामात्र थे, लेकिन 14 साल वन में काटने के बाद अपने आचरण से मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ध्वजारोहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मंत्रियों व भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति से एकजुटता और समन्वय से निकले इस खास संदेश को नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि बीच में इनके संबंधों को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं ने जन्म ले लिया था। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने, जहां राम मंदिर आंदोलन के अगुवा अशोक सिंघल, डालमिया और राम चंद्रदास परमहंस सहित ऐसी शख्सियतों को याद किया, जिन्होंने यह सपना देखा और आज इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य स्पष्ट था कि आजीवन संघर्ष करने वालों को नहीं भूलना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे बढ़कर यहां तक कह दिया कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। यानी भविष्य में अभी बहुत कुछ होना स्वाभाविक है। शायद उनका इशारा राम मंदिर के बाद श्रीकृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ की पूर्णता की ओर है, क्योंकि अभी दोनों के मामले कोर्ट में लंबित हैं। इस बार सेलेब्रेटी के बजाए ज्यादातर समर्पित पार्टी, संघ और विहिप कार्यकर्ताओं और संतों को बुलाया गया था। इस बार कोई बिलेनियर उद्योगपति या सुपर स्टार नजर नहीं आया।

बिहार की हार से चिंतित विपक्षी दलों के नेताओं के स्वर आज कुछ बदले-बदले नजर आए। ऐसे में इन विपक्षी नेताओं ने किसी न किसी बहाने से सनातन और राम के प्रति अपनी आस्था प्रदर्शित की। जैसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर की स्थापना और भगवान के बुलाने पर आस्था के आधार पर दर्शन की बात कही, तो उनके अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद यहां तक कहने लगे कि यदि न्योता मिलता तो वे नंगे पांव चलकर भगवान राम के दर्शन करने जाते, जबकि प्राण प्रतिष्ठा के समय विपक्षियों ने न्योता मिलने पर भी कार्यक्रम का बहिष्कार किया था।

पूर्व में बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में मुकदमा लड़ने वाले इकबाल अंसारी ने समारोह में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर मुहर लगाई, वहीं मुस्लिमों को यह भी संदेश दिया कि वे हिदुस्तान के मुस्लिम हैं और अयोध्या में मंदिर की पूर्णता से खुश हैं। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि मुस्लिम धर्म सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। इस समारोह के प्रति मिथिला का जिक्र कैसे छूटता। खासकर मिथिला के लोग अपने दामाद भगवान राम की एक झलक पाने के लिए खासी संख्या में उमड़े।

आमने

बीजेपी अपने पन्ना प्रमुखों से चुनाव में शराब और पैसा बंटवाने का काम कराती है, जबकि कांग्रेस में ऐसा कोई प्रचलन नहीं है। बीजेपी के कुछ लोग तो इससे ज्यादा भी कुछ बंटवाते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं।

-हरीश रावत
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

सामने

हरीश रावत के कार्यकर्ता निचले स्तर पर शराब पिलाकर और पैसे देकर चुनाव लड़ते होंगे। मुझे पता है कि कौन क्या-क्या करता है, लेकिन ये चीज सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे हरीश रावत का फजीता हो जाएगा।

-विनोद चमोली
विधायक, बीजेपी

विपक्ष का काम कर रहे प्रधान पद के उम्मीदवार

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में एसआईआर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ-2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं, लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एसआईआर को लेकर खूब सक्रीय हैं। वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एसआईआर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग।

खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सब कुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान, केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एसआईआर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एसआईआर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता।

चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही हैं, यह बस्ती जिले के एक एसडीएम की झुंझलाहट से जाना जा सकता है, जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की तय समय सीमा, चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म-6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम हैं, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है।

फार्म-7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म-7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं, तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एसआईआर फार्म थमा दिया गया है। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं।

विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एसआईआर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है, 'मैं क्यों और मैं ही क्यों?'

> विपक्ष को एसआईआर अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है।

गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं। गैर भाजपा दलों के पास आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है, जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की, सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठापूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां, उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन?

इसके इतर सपा और कांग्रेस खानापूरी में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरमियान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच 'हम क्यों और हम ही क्यों' को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई, तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एसआईआर को लेकर सक्रीय हैं, लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालात ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रिय है और न ही सपा, इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए!

लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है, लेकिन वे बेचारे करें क्या, उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है।

सोशल फोरम

देने वाले ने देने में कुछ कमी न की

अरब में एक औरत रहती थी, जिसका नाम उम्मे जाफ़र था। वह बेहद सख़ी (बड़े दिल वाली) और दानवीर थी। वह जरूरतमंद लोगों की मदद दिल खोलकर करती थी। अपनी दानवीरता की वजह से वह पूरे इलाके में जानी जाती थी। लोग उससे मदद मांगने के लिए आया करते। वह खुद भी राह चलते लोगों को दान दिया करती। वह इस तरह दान करती थी कि दाहिना हाथ भी नहीं जान पाता था कि बायां हाथ क्या दे रहा है।

कश्मीरा शाह चतुर्वेदी
ब्लॉगर

कुछ दिनों से वह एक ख़ास रास्ते से गुज़रने लगी थी। उस रास्ते पर दो अंधे बैठे रहते थे। दोनों आवाज़ें लगाते थे।

एक की आवाज़ होती, "ऐ अल्लाह! मुझे अपने फ़ज़्ल करम से रोज़ी अता फ़रमा।"

दूसरा अंधा कहता, "ऐ रब! मुझे उम्मे जाफ़र का बचा-खुचा अता कर दे।"

उम्मे जाफ़र दोनों की आवाज़ें सुनतीं और दोनों को ही कुछ न कुछ दे देतीं।

जो अल्लाह का फ़ज़्ल मांगता था, उसे दो दरहम देतीं और जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगता था, उसे एक भुनी हुई मुर्ग़ी दे देतीं।

मज़े की बात यह थी कि जिसे मुर्ग़ी मिलती थी, वह अपनी मुर्ग़ी दूसरे अंधे को सिर्फ़ दो दरहम में बेच देता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा।

एक दिन उम्मे जाफ़र उस अंधे के पास आईं जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगा करता था और उससे पूछा, "क्या तुम्हें सौ दीनार मिले हैं?"

अंधा हैरान रह गया। बोला, "नहीं! मुझे तो बस एक भुनी हुई मुर्ग़ी मिलती थी, जिसे मैं दो दरहम में बेच देता था।"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "जिसने अल्लाह का फ़ज़्ल मांगा, मैं उसे दो दरहम देती थी, और तुम्हें जो भुनी हुई मुर्ग़ी देती थी, उसके पेट में दस दीनार छिपाकर देती थी।"

यह सुनते ही अंधा अपना सिर पीटने लगा। वह चीखने-चिल्लाने लगा, "हाय मेरी बदक़िस्मती! काश मैंने ऐसा न किया होता। मैं बर्बाद हो गया!"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "बेशक जो ईश्वर का फ़ज़्ल मांगता है, वही कामयाब होता है और जो सिर्फ इंसानों का फ़ज़्ल मांगता है, वह हमेशा महरूम ही रह जाता है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

सड़क हादसे: सबसे अधिक मौतों वाले देशों में भारत

सड़क सुरक्षा पर जारी हाल ही में एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में भारत सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतों वाले देशों में शामिल है। यहां हर वर्ष लाखों लोग घायल होते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग जान गंवा देते हैं। ये आंकड़े किसी सूखे तथ्य की तरह नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया का बयान हैं, जिन्हें एक पल की गलती उम्र भर का दर्द दे जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं की होती है। यानी समाज की सबसे उत्पादक, सपनों से भरी और भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी सड़क पर अपनी ही गलतियों के कारण मर रही है। यह एक ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसकी जड़ कहीं बाहर नहीं बल्कि हमारे बीच ही है।

डॉ. नीलू तिवारी
शिक्षिका

देश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति 2024–2025 में और गंभीर हो गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 4.73 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं और करीब 1.70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई। वहीं 2025 की पहली छमाही में ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर 29,018 लोगों की जान गई और 67,933 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मात्र 2 प्रतिशत लंबाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पूरे देश में सड़क मौतों का अत्यधिक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,25,873 दुर्घटनाएं और 53,090 मौतें हुई थीं, जो बताती हैं कि हाई-स्पीड कॉरिडोर देश के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र बने हुए हैं। कई शहरों में रैश ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बना है।

इन सभी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में सड़क हादसों के पीछे सड़क इंजीनियरिंग की समस्याएं, कानूनों का कमजोर प्रवर्तन और सबसे अधिक लोगों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार- जैसे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरटेकिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटनाओं की जड़ में हैं। 2024–2025 के ये डाटा सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि सड़कें तभी सुरक्षित होंगी, जब लोग स्वयं नियमों का पालन करेंगे। सरकार सड़क सुधार और प्रवर्तन को प्रभावी बनाएगी और समाज मिलकर इस राष्ट्रीय संकट को कम करने की दिशा में कदम उठाएगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की लापरवाही और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है, जो हमारी सड़क संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। आज भी तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की जड़ों में छिपा एक मौन हत्यारा मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग है। यह ड्राइविंग के दौरान ध्यान को विभाजित कर देता है, जिससे डिस्ट्रेक्टेड ड्राइविंग एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। एक पल की अनदेखी न केवल चालक, बल्कि सड़क पर मौजूद हर अन्य व्यक्ति के लिए खतरा बन जाती है। वहीं नशे में वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक अत्यंत चिंताजनक कारण है। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों की उदासीनता भी सड़क हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है।

दुर्घटनाओं में इजाफे का बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस की सीमित क्षमता और नियमों के ढीला पालन भी है। जब लोग यह महसूस करते हैं कि उन पर नजर रखने वाला कोई नहीं है, तो वे नियम तोड़ने में संकोच नहीं करते। इसके अलावा लाइसेंस प्रक्रिया में कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त ड्राइविंग कौशल के बिना वाहन सड़क पर ले आते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खतरनाक है अमेजन टिपिंग पॉइंट

हम जानते हैं कि धरती और इसके पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी का जो हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है वह है दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन अमेजन। अमेजन के जंगल खतरे में हैं और यह खतरा एक और बड़े खतरे को जन्म दे रहा है, वह है कार्बन उत्सर्जन के विस्फोट का खतरा। हो सकता है कि तब धरती का तापमान इतना बढ़ जाए कि धरती पर हमारा या अन्य जीव-जंतुओं का रहना ही मुश्किल हो जाए। अमेजन का जंगल वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने, जैव विविधता को बनाए रखने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन आज वहां वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, अवैध खनन और आग जैसी समस्याओं से यह गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अमेजन अब टिपिंग पॉइंट अर्थात वह बिंदु जहां से वापसी असंभव हो जाए, के बहुत करीब पहुंच चुका है, जहां सत्तर प्रतिशत तक जंगल खोने का खतरा है।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

1985 से 2022 तक 11 प्रतिशत जंगल, फ्रांस के आकार के बराबर, नष्ट हो चुका है। 2025 में, जबकि आग में कमी आई है, लेकिन कटाई बढ़ रही है, विशेषकर मवेशी पालन, कृषि, खनन और सड़कों के लिए। यहां अवैध गतिविधियों की चर्चा की जाना जरूरी है, जहां भूमि हड़पना, सोने की अवैध खदानों और अपराधियों द्वारा लगाई जाने वाली आग है। इस कारण वर्षा में कमी और सूखा, जो जंगल को और कमजोर कर रहा है। कुछ हिस्सों में अब जंगल कार्बन उत्सर्जन अधिक कर रहे हैं, जितना अवशोषित, यह पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि ब्राजील में कुछ प्रगति हुई है, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक वनों की कटाई 11 प्रतिशत घटी, जो 11 साल के न्यूनतम स्तर पर है। यह कॉप 30 से पहले एक सकारात्मक संकेत है, जहां अमेजन की सुरक्षा पर फोकस होगा। फिर भी, समग्र खतरा बना हुआ है और वैश्विक सहयोग की ज़रूरत है। कॉप 30, वास्तव में अमेज़न के जंगलों को बचाने की उम्मीद की एक किरण है। कॉप 30 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन की 30 वीं सम्मेलन ऑफ द पार्टिज है, जो दुनिया के प्रमुख वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।

टिपिंग पॉइंट

अमेजन वर्षावन का टिपिंग पॉइंट एक ऐसा महत्वपूर्ण बिंदु है, जहां जंगल अपनी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता खो देगा और अपरिवर्तनीय रूप से सूखी सवाना (घासभूमि) में बदल जाएगा। यह बिंदु पार होने पर जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो सकता है, जो वैश्विक जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन को गंभीर खतरे में डाल देगा। वैज्ञानिकों के अनुसार हम इस बिंदु के बहुत करीब पहुंच चुके हैं, वर्तमान में अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा कट चुका है और वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वनों की कटाई 20-25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है या तापमान 2-2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है (जो 2050 तक संभव है), तो यह टिपिंग पॉइंट पार हो सकता है। अब सवाल है कि इसका जोखिम क्या है? तो इसका जवाब हमें चिंता में डाल सकता है, क्योंकि यह टिपिंग पॉइंट न केवल अमेजन के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी होगा। सबसे पहले बात करेंगे जंगल के अपूर्णीय नुकसान की। यदि टिपिंग पॉइंट पार होता है, तो 50-70 प्रतिशत जंगल, जो लगभग 3-4 लाख वर्ग किमी है, खो सकता है, जो इसे कम आर्द्र, आग-संवेदनशील सवाना में बदल देगा। दक्षिण-पूर्वी अमेजन पहले ही कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां पेड़ों की मृत्यु बढ़ रही है और अगले 100 वर्षों में पूरा जंगल गायब हो सकता है।

जूनोटिक रोग

जूनोटिक रोग वे बीमारियां हैं, जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं (या कभी-कभी उल्टा भी होता है)। ये विषाणु यानी वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक के कारण होती हैं और अक्सर जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़, कृंतक या कीट) से शुरू होकर इंसानों तक पहुंचती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सभी मानव संक्रामक रोगों में से 60 प्रतिशत से अधिक जूनोटिक हैं, और ये महामारियों (जैसे कोविड-19, एबोला या सार्स) का प्रमुख कारण बनते हैं। अमेजन जैसे वर्षावनों में जैव विविधता अधिक होने से ज़ूनोटिक रोगों का खतरा स्वाभाविक रूप से ज्यादा है, लेकिन वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप (जैसे खनन, कृषि विस्तार) से ये खतरे और गंभीर हो जाते हैं। जानवरों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे संक्रामक जीव इंसानों के करीब पहुंचते हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2001-2019 के बीच अमेजन में आग, वेक्टर-जनित और ज़ूनोटिक रोगों से लगभग 3 करोड़ मामले सामने आए। स्वदेशी भूमियों पर जंगलों की रक्षा से इनमें से 27 रोगों (जैसे चागास, मलेरिया आदि) के फैलाव को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आज अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ज़ीरो डिफॉरेस्टेशन, पुनर्वनीकरण और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था की ज़रूरी है। ये अवधारणाएं एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं, जीरो डिफॉरेस्टेशन रोकथाम है, पुनर्वनीकरण बहाली है और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था टिकाऊ उपयोग प्रदान करती हैं। कॉप 30 जैसे मंचों पर इन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वैश्विक फेफड़े कहलाने वाले अमेजन के जंगलों पर अभी खतरा मंडरा रहा है।

कार्बन उत्सर्जन विस्फोट

कार्बन उत्सर्जन का विस्फोट से तात्पर्य वैश्विक स्तर पर कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ने से है, जो जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहा है। 2023-2024 के बीच कार्बन डाईऑक्साइड स्तर में रिकॉर्ड 4.7 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) की वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में सबसे अधिक है। 2024 में जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) का उपयोग बढ़ने से उत्सर्जन चरम पर पहुंच गया और 2025 में जंगलों की आगों से कार्बन डाईऑक्साइड 9 प्रतिशत अधिक निकली। यह क्लाइमेट कैओस की ओर ले जा रहा है, जहां 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान सीमा पार होने पर अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अमेजन जैसे टिपिंग पॉइंट्स पार होने पर यह विस्फोट और भयावह हो जाएगा, जो 200-250 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज कर सकता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 26 प्रतिशत के बराबर है। यह मानव जाति के लिए अस्तित्वगत खतरा है, क्योंकि यह जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा, जैसे स्वास्थ्य, भोजन, पानी, आवास और शांति। वैज्ञानिकों के अनुसार, 2025 में हम 'डूम्सडे क्लॉक' (मानव-निर्मित आपदाओं का संकेतक) के करीब हैं, जहां जलवायु संकट परमाणु युद्ध जितना खतरनाक है।

कार्बन स्रोत

2025 तक अमेजन का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा (ब्राजील का मुख्य भाग) पूरी तरह नेट कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां सूखा मौसम लंबा हो गया है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले 40 वर्षों में यहां की वनभूमि अब कुल कार्बन फ्लक्स (अवशोषण माइनस उत्सर्जन) से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित कर रही है। समग्र अमेजन में सिंग की भूमिका घट रही है, 2001-2024 के बीच स्वदेशी क्षेत्रों में कार्बन अवशोषण फ्रांस के वार्षिक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर था, लेकिन 2025 में आगे और कटाई से यह संतुलन बिगड़ गया। इसका कारण वनों की कटाई है। इसके अलावा 2025 में ब्राजील के अमेजन में 1.1 मिलियन हेक्टेयर जला, जो 2024 से 70 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी दक्षिणी क्षेत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जंगलों की आग अब फीडबैक लूप बना रही है, गर्मी से आग बढ़ती है, जो और गर्मी पैदा करती है।

क्या है डूम्सडे क्लॉक

डूम्सडे क्लॉक एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जो मानवता को वैश्विक आपदा, जैसे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य विनाशकारी घटनाओं, से कितनी निकटता पर दर्शाती है। डूम्सडे क्लॉक के खतरों के अंतर्गत सबसे पहले पहले चरम मौसम घटनाओं की चर्चा करते हैं। इसके चलते तूफान, बाढ़, सूखा और गर्मी की लहरें तेज हो रही हैं। 2024 में 1.5 डिग्री सेल्सियस सीमा पार हो चुकी है, जो हरिकेन और बाढ़ की तीव्रता बढ़ा रही है। इसके प्रभाव से दक्षिणी यूरोप और एशिया में 2025 की गर्मी की लहरों से हजारों मौतें और वैश्विक आपदाओं से 10 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इसके चलते समुद्र स्तर वृद्धि पर नजर डालें तो पाएंगे कि ग्लेशियर पिघलने से 2100 तक 1 मीटर तक समुद्र ऊंचा हो सकता है, लेकिन विस्फोट से यह और तेज होगा। इसके प्रभाव से तटीय शहर (जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क) डूबने का खतरा है, इससे 10 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ, कृषि भूमि खराब होने का अनुमान है।

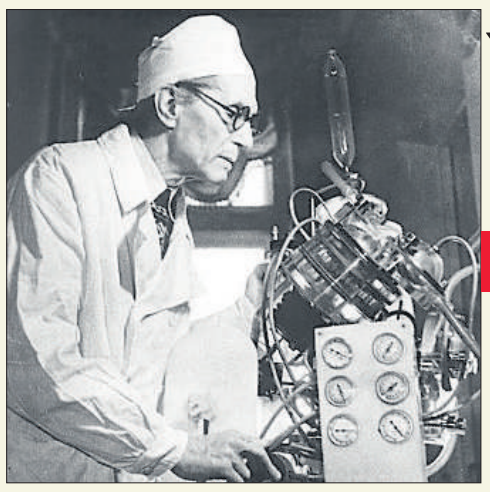

सर्गेई ब्रुखोनेंको

रोचक किस्सा

सोवियत वैज्ञानिक सर्गेई ब्रुखोनेंको को रूसी ओपन-हार्ट सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति लाने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन जानवरों पर उनके भयानक प्रयोग कहीं अधिक परेशान करने वाले थे। ब्रुखोनेंको इंतजार करने वालों में से नहीं थे, वे मरने के बाद जानवरों को काटने से संतुष्ट नहीं थे। अधिक सटीक रूप से, न केवल उन्हें इंतजार करना पसंद था, बल्कि वे जानवरों को मरते हुए भी नहीं देखना चाहते थे, उनके सिर काटने के बाद भी नहीं। 1930 के दशक के उत्तरार्ध में, ब्रुखोनेंको और उनकी टीम ने प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने एक कुत्ते का सिर काट दिया और उसे हवा और रक्त की आपूर्ति करने वाले उपकरण से जोड़कर उसके शरीर से दूर जीवित रखा। ब्रुखोनेंको द्वारा रची गई यही एकमात्र भयावहता नहीं थी। एक अन्य शिकारी कुत्ते के शरीर से सारा खून निकाल लिया गया, जिसे बाद में इस सोवियत फ्रेंकस्टीन द्वारा वापस जीवित कर दिया गया। ब्रुखोनेंको के भीषण काम को 1940 की फिल्म ' एक्सपेरिमेंट्स इन द रिवाइवल ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' में कैमरे में कैद किया गया था।

टेक जानकारी

वोटर-लिस्ट अपडेट का नया दौर

ऑनलाइन सुविधाओं से प्रक्रिया हुई सरल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अगला चरण शुरू किया है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य वोटर-लिस्ट को अपडेट करना, डुप्लीकेट और दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना है। आयोग ने सुविधा बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी दी है, जिससे घर बैठे जानकारी में सुधार, नई एंट्री, वोटर-आईडी डाउनलोड और वोटर-लिस्ट में नाम की जांच आसानी से की जा सकती है।

ऐसे डाउन लोड करें वोटर लिस्ट

इसके लिए आप चुनाव आयोग की वेबसाइट (www.eci.gov.in) पर जाना होगा। साइट पर PDF E-Roll का ऑप्शन चुने। फिर अपने राज्य, जिला व निर्वाचन क्षेत्र चुनें और मतदान केंद्र के पास Final Roll ऑप्शन पर क्लिक करें। इसी से आप पूरी वोटर-लिस्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नाम

यदि आप सीधे अपना नाम देखना चाहें, तो वेबसाइट पर Search your name in E-roll ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपना वोटर-कार्ड पर लिखा संख्या या अन्य जानकारी भरनी होगी। इसके बाद Search पर क्लिक करके पता कर लें कि आपका नाम सूची में शामिल है या नहीं।

ऐसे करें वोटर-आईडी डाउनलोड

NVSP या वोटर सर्विसेज पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करके लॉग-इन करें और OTP वेरिफाई करें। लॉगइन के बाद E-EPIC Download विकल्प चुनें और EPIC नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर से खोजें। विवरण दिखने पर OTP वेरिफिकेशन पूरा करें और अपना डिजिटल वोटर-आईडी (e-EPIC) डाउनलोड कर लें।

जंगल की दुनिया

लायन-टेल्ड मैकाक

लायन-टेल्ड मैकाक, जिसे हिंदी में सिंह पूंछ बंदर भी कहा जाता है, भारत के पश्चिमी घाटों की जैव-विविधता का अनमोल हिस्सा है। लगभग 60-65 सेंटीमीटर लंबे इन बंदरों का शरीर चमकीले काले फर से ढका होता है, जबकि गर्दन के चारों ओर फैला सिल्वर-व्हाइट अयाल इन्हें एक विशिष्ट और राजसी रूप देता है। पूंछ के सिरे पर मौजूद बाल इन्हें शेर जैसी छवि प्रदान करते हैं, इसी कारण इनका यह नाम पड़ा। ये प्रजाति अत्यंत आर्बोरियल है अर्थात् यह अपना जीवन लगभग पूरी तरह पेड़ों पर बिताती है। वर्षावन की ऊंची छतरी में छलांग लगाते हुए ये बंदर अपने समूह के साथ भोजन की तलाश में घूमते हैं। इनके भोजन में मुख्य रूप से फल, बीज, पत्ते, फूल और छोटे-मोटे कीड़े शामिल होते हैं। इनके सामाजिक समूह आमतौर पर छोटे होते हैं, जिसमें एक प्रमुख नर, कई मादाएं और उनके शावक शामिल होते हैं।

इनका व्यवहार अत्यंत शांत और सतर्क होता है। मानव गतिविधियों से ये दूरी बनाए रखते हैं, इसलिए जंगलों में भी इनका देख जाना बहुत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में तेजी से हो रही वनों की कटाई, सड़क निर्माण और मानव बस्तियों के विस्तार ने इनके प्राकृतिक आवास को गहराई से प्रभावित किया है। International Union for Conservation of Nature (IUCN) ने इन्हें लुप्तप्राय श्रेणी में रखा है, जो बताता है कि इनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। पश्चिमी घाट- दुनिया के आठ "हॉटस्पॉट्स ऑफ बायोडायवर्सिटी" में से एक इनका अंतिम सुरक्षित आश्रय बन चुका है। केरल के साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक के कुद्रेमुख और तमिलनाडु के अनामलाई क्षेत्रों में इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। स्थानीय जनजातियों, वन विभाग और शोध संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रजाति को बचाने की कोशिश जारी है। लायन-टेल्ड मैकाक केवल एक बंदर नहीं, बल्कि पश्चिमी घाट की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति, जिसे बचाना हमारे पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,720.38	26,215.55
बढ़त	110.88	10.25
प्रतिशत में	0.13	0.39

सोना 1,29,460 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,68,200 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने पर 68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया। सेबी की नामित प्राधिकारी सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा, मध्यवर्ती विनियम, 2008 के तहत, नोटिस संख्या 1 से 68 तक के निवेश सलाहकारों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जाता है। रद्द की गई संस्थाओं की सूची में टू नॉर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, इक्विटी मंत्रा, सौरभ मुंद्रा, शीतल अग्रवाल, अतीत हेमंत वाघ, गेटबासिस सिक्योरिटीज एंड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ल्यूसिड टेक्नोलॉजीज और एवेन्यू वेंचर पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर एलएलपी शामिल हैं।

निवेशक सुरक्षा को करेंगे मजबूत : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यमों की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। कोयंबटूर में बीएसई द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी में पांडेय ने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। यह चुनौती और भी बढ़ गई है। कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले एप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी विनियमित बाजार नहीं दे सकता।

वायदा बाजार में कच्चे तेल के भाव में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत मांग के बीच कारोबारियों के अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल का भाव बृहस्पतिवार को 28 रुपये चढ़कर 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंधों का भाव 28 रुपये यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 15,793 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी

वित्त मंत्रालय ने कहा आर्थिक वृद्धि की गति रहेगी बरकरार, खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है और भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोखिमों से निपटने तथा वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए मजबूत स्थिति में है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय की अक्टूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने तथा हाल के कर सुधारों से खर्च योग्य घरेलू आय में वृद्धि से निकट भविष्य में उपभोग का परिदृश्य सकारात्मक लग रहा है। खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत रह गई है जबकि सितंबर 2025 में यह 1.44 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण जीएसटी दरों में कमी, अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट है। अक्टूबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है। यह उच्च आवृत्ति संकेतकों (पीएमआई, जीएसटी सग्रह, ई-वे बिल आदि) में मजबूती से पता चलता है।

बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए एकीकृत पोर्टल जल्द

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय बैंक जमा, पेंशन, शेयर, लाभांश और अन्य वित्तीय साधनों में फंसी बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर एक एकीकृत पोर्टल लाने की प्रक्रिया में है। वित्तीय सेवाओं के सचिव एन. नागराजू ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक के एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही पेश किए जाने वाले इस पोर्टल के जरिये सभी नियामकों के डेटा को आरबीआई द्वारा समन्वित किया जाएगा।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत : चौधरी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपये थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया। चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

भारत व यूएई ने बाजार पहुंच एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता के तहत की बैठक

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी आवश्यकताओं पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

एसबीआई को पांच-छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई के चेयरमैन बोले- क्यूआईपी के जरिये जुटाई पूंजी से ऋण वृद्धि को मिलेगा समर्थन

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी से 12 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि को समर्थन मिलेगा। साथ ही पांच से छह साल तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऋण पूंजी के संबंध में बैंक आवधिक प्रक्रिया के तहत बॉन्ड के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगा।

शेट्टी ने कहा, इस क्यूआईपी के शुरू होने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी समस्या नहीं रही। हम पूंजी अनुपात को मजबूत करना चाहते थे, इसलिए हमने ऐसा किया। हमारी दीर्घकालिक रणनीति सीआरएआर को 15 प्रतिशत और 'कॉमन इक्विट टियर-1' को 12 प्रतिशत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का पूंजी-जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) बैंक को 12000 अरब रुपये से अधिक के अग्रिमों को वित्तपोषित करने की क्षमता प्रदान करता है।

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, आज की लाभ दर के साथ, अगर यही लाभप्रदता अगले पांच से छह वर्ष तक बनी रहती है, तो हमें कम से कम सीईटी-1 पर कोई भी पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीआई ने इस साल जुलाई में अपने इक्विटी शेयर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे यह भारतीय पूंजी बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी बन गया। इससे पहले बैंक ने जून 2017 में क्यूआईपी के जरिये 15,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई थी।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, वरना कार्रवाई होगी : गडकरी

अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

- गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को संदेश भेजेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना करेगा शुरू, 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल करने की सलाह

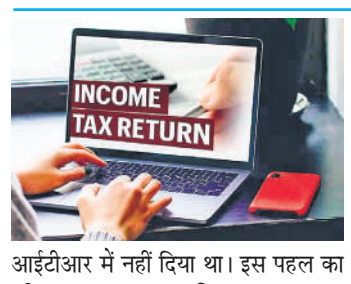

आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।

विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपये की विदेशी आय की जानकारी भी दी। सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन अश्लीलता से निपटने को तटस्थ नियामक जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो इंडियाज गॉट लैटेंट से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है।

इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार नए दिशानिर्देश तैयार कर रही है और हितधारकों से परामर्श कर रही है। मेहता ने कहा कि यह मामला केवल अश्लीलता से नहीं, बल्कि यूट्यूब और समान प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित उपयोगकर्ता-जनित सामग्री में मौजूद विकृति से भी संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए! उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे विकृति को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल ने कहा कि आईटी नियम, 2021 पहले से ही एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले निकाय के माध्यम से स्वेच्छा से कंटेंट लेबलिंग, आयु वर्गीकरण और शिकायत निवारण लागू करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि इस मॉडल पर गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, स्व-घोषित निकाय मदद नहीं करेंगे। एक तटस्थ स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्व-नियमन प्रभावी है, तो उल्लंघन क्यों जारी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता को दोहराते हुए हानिकारक कंटेंट के तेजी से फैलने की चेतावनी दी। उन्होंने पूछा, एक बार निंदनीय सामग्री अपलोड हो जाने के बाद, जब तक अधिकारी प्रतिक्रिया करते हैं, तब तक वह लाखों लोगों तक वायरल हो चुकी होती है। आप उसे कैसे नियंत्रित करेंगे? मुख्य न्यायाधीश ने हाशिए पर रहनेवाले समुदायों पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

प्रदूषण पर कहा- एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित एक याचिका पर तीन दिसंबर को सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे की नियमित रूप से निगरानी की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के उस अभ्यावेदन पर गौर किया कि दिल्ली-एनसीआर में चिंताजनक स्थिति है और यह एक स्वास्थ्य आपातकाल है। अधिवक्ता अपराजिता सिंह वायु प्रदूषण मामले में पीठ के लिए न्यायमित्र की भूमिका निभा रही हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है? मुझे पता है कि यह दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक स्थिति है। हम सब समस्या जानते हैं। मुद्दा यह है कि समाधान क्या है? हमें कारणों की पहचान करनी होगी और समाधान तो केवल विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हमें उम्मीद है और अपेक्षा भी कि दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? हम कुछ दिशानिर्देश जारी करें और तुरंत साफ हवा में सांस लेने लगें। हमें यह भी देखना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने क्या समिति गठित की है। न्यायालय ने 19 नवंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में निर्धारित, खुले में होने वाले खेल आयोजनों को जहरीली हवा को देखते हुए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। न्यायालय ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत सालभर पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। ग्रैप एक आपातकालीन ढांचा है जिसके तहत प्रदूषण के गंभीर स्तर पर कुछ गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है।

कांग्रेस ने आंतरिक कलह और सीट बंटवारे में देरी को बताया हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

- खरगे और राहुल ने प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाकर जानी हार के पीछे की कहानी
- सरकार द्वारा महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने को भी बताया वजह

कांग्रेस नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा में निर्वाचित अपने विधायकों तथा हारे उम्मीदवारों के साथ चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की, जिसमें कई नेताओं यह कहा कि महागठबंधन में समय पर सीट बंटवारा नहीं होने, 'आंतरिक कलह' और नीतीश कुमार सरकार द्वारा महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिया जाना करारी हार के मुख्य कारण रहे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेताओं के साथ 10-10 के समूह में बातचीत की तथा उनसे हार के कारणों के बारे में जाना। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे। बैठक के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार और सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक समर्थक नेता के बीच पर कहासुनी की भी खबर है। बैठक के बाद अररिया से कांग्रेस के विधायक आबिदुर रहमान ने बताया कि हार के कई कारण थे। पहला कारण है कि आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए 10-10 हजार रुपये दिए गए। गठबंधन में सीट बंटवारा सही समय पर नहीं हो सका। 10-11 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, जिससे जनता में अलग संदेश गया।

जसीर बिलाल वानी 7 दिन के लिए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को बृहस्पतिवार को सात दिनों के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया।

वानी को एनआईए ने इसलिए पेश किया क्योंकि प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना द्वारा 18 नवंबर को दी गई 10-दिवसीय हिरासत आज समाप्त हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को 17 नवंबर को एनआईए ने श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। उस पर 10 नवंबर के धमाके से पहले ड्रोन को संशोधित करके आतंकवादी हमले करने और रॉकेट बनाने का प्रयास करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने का आरोप है।

दुर्घटना बीमा कवर केवल ऑनलाइन टिकट खरीदारों के लिए ही क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे से यह बताने को कहा है कि दुर्घटना बीमा कवर केवल ऑनलाइन टिकट खरीदने वाले यात्रियों को ही क्यों प्रदान किया जाता है, ऑफलाइन टिकट बुक करने वालों को क्यों नहीं। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ को बताया गया कि दुर्घटनाओं के लिए बीमा कवर केवल ऑनलाइन टिकट खरीदने वाले यात्रियों को प्रदान किया जाता है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी इस मामले में रेलवे की ओर से अदालत में पेश हुए। पीठ ने 25 नवंबर को पारित अपने आदेश में कहा कि इसके अलावा, न्याय मित्र ने बताया है कि दुर्घटनाओं को कवर करने के लिए ऑनलाइन टिकट खरीदने वाले यात्रियों को बीमा कवर प्रदान किया जाता है, जो ऑफलाइन टिकट खरीदने वालों के लिए उपलब्ध नहीं है।

बनर्जी को निर्देश लेने की आवश्यकता है कि टिकट प्राप्त करने के इन दो माध्यमों के बीच इस अंतर का क्या कारण है। सुप्रीम कोर्ट भारतीय रेलवे से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट का अवलोकन किया और कहा कि शुरुआती चरण में, पटरियों और रेलवे क्रॉसिंग की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जिससे अन्य पहलू सामने आएंगे। अदालत ने मामले को 13 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

प. बंगाल में अवैध सुनवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बंगाल। मालदा जिले में कंगारू कोर्ट (अवैध अदालत) में हिंसा हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और पांच अन्य घायल हो गए। कालियाचक थाना क्षेत्र के राजनगर में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद को सुलझाने के लिए हो रही कंगारू कोर्ट के दौरान यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इकरामुल शेख (45) के रूप में हुई है। इकरामुल और टीएमसी बूथ अध्यक्ष समसुल शेख के बीच कई दिनों से विवाद था तथा दोनों ने पहले पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनके परिवारों का दावा है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता : मुर्मू

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के तीसरे संस्करण सत्र को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है। मुर्मू ने कहा, 'हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है। मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जो मई में पहलगाम हमले के बाद भारत की अहम सैन्य कार्रवाई थी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता हमारी आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति में एक अहम मोड़ है।

नेपाल ने 100 रुपये के जारी नए नोट में भारतीय क्षेत्रों को अपना बताया

- भारत ने जताया विरोध, मानचित्र में विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख व लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को 100 रुपये के नए नोट जारी किए, जिन पर देश का संशोधित मानचित्र छपा है, जिसमें विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र भी शामिल हैं। भारत ने इस कदम को कृत्रिम विस्तार करार दिया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बैंक नोट पर जारी करने की तिथि 2081 बीएस अंकित है, जो गत वर्ष 2024 को दर्शाती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, नेपाल ने मई 2020 में संसद के अनुमोदन के माध्यम से कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए मानचित्र को अद्यतन किया था। मानचित्र के अद्यतन संस्करण के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए, एनआरबी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानचित्र पुराने 100 रुपये के बैंक नोट में पहले से ही मौजूद है और सरकार के निर्णय के अनुसार इसे संशोधित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये जैसे विभिन्न नोटों में से केवल 100 रुपये के बैंक नोट पर ही नेपाल का मानचित्र अंकित है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुए हमले के बाद की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बुधवार को व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुआ 'जघन्य हमला' यह साबित करता है कि कमजोर प्रवासन नीतियां हमारे राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा हैं। ट्रंप ने कहा कि कोई भी देश अपनी अस्तित्व के लिए ऐसे खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि वह देश की आव्रजन प्रणाली में बदलाव लाने और यहां पहले से मौजूद प्रवासियों की जांच-पड़ताल को और सख्त करने का इरादा रखते हैं। अमेरिका में पहले ही आक्रामक निर्वासन कार्रवाइयां

जारी हैं और गोलीबारी की घटना पर उनकी इस कड़ी प्रतिक्रिया से माना जा रहा है कि इस मुद्दे से उनका ध्यान नहीं हटेगा। ट्रंप और दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध एक अफगान नागरिक माना जा रहा है। वह 2021 में 'ऑपरेशन अलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका पहुंचा था। यह बाइडन प्रशासन का कार्यक्रम था जिसके तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद वहां से निकाले गए हजारों अफगान नागरिकों को यहां बसाया गया था। इस पहल के तहत करीब 76,000 लोग अमेरिका लाए गए।

कहा- हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं जो बाहरी

राष्ट्रपति ने कहा कि वह हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं 'जो यहां का नहीं है या जो हमारे देश के लिए लाभकारी नहीं है। ट्रंप ने कहा, अगर वे हमारे देश से प्यार नहीं कर सकते, तो हमें उनकी जरूरत नहीं है।

मियामी में 2026 के जी20 शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को नहीं किया जाएगा आमंत्रित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी सरकार अफ्रीकी लोगों और पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के वंशजों द्वारा झेले गए भयावह मानवाधिकार हनन को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इनकार करती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया को दिखा दिया है कि वे इस योग्य नहीं हैं कि उन्हें कहीं भी सदस्यता दी जाए और हम तुरंत प्रभाव से उन्हें दिए जाने वाले सभी भुगतान और रियायत बंद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने शिखर सम्मेलन के समाप्त होने पर जी-20 की अध्यक्षता हमारे अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को सौंपने से इनकार कर दिया था। इसलिए मेरे निर्देश पर दक्षिण अफ्रीका को 2026 जी-20 के लिए निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसकी मेजबानी अगले साल फ्लोरिडा के बड़े शहर मियामी में की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में ट्रेन दुर्घटना में 11 की मौत, दो घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर कुनमिंग में बृहस्पतिवार तड़के रेल पटरी पर काम कर रहे कर्मचारी एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चीन रेलवे कुनमिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार, यह दुर्घटना युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग के लुयांगझेन स्टेशन पर हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे स्टेशन पर परिचालन बहाल हो गया है।

बारिश, भूस्खलन से श्रीलंका में 31 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में बीते 11 दिन में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। डेली मिरर ऑनलाइन की खबर के अनुसार एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

गिनी बिसाऊ को सैन्य शासक किया घोषित

बिसाऊ। गिनी-बिसाऊ के सैनिकों ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता पर अपने जबरन कब्जे को मजबूत करते हुए बृहस्पतिवार को देश के नए सैन्य शासक की घोषणा की। सेना के शीर्ष नेतृत्व ने जनरल होर्ता एनटा को सैन्य शासन का प्रमुख घोषित किया।

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के समकक्ष संग की बैठक, दोनों देशों ने रक्षा संबंधों पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में इंडोनेशिया के समकक्ष के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के अधिकार पर आधारित मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के महत्व को दोहराते हुए इसके लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफरी सजामसोएद्दीन के साथ तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्री संवाद की सह-अध्यक्षता की। बैठक में दोनों देशों ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की पुष्टि की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा पर रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया ऐसे मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के पक्षधर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान पर आधारित हो। इंडोनेशिया ने 'हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' और भारत के 'हिन्द प्रशांत महासागर पहल' के साझा सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। दोनों पक्षों ने 'इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन' सहित बहुपक्षीय ढांचों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र जागरूकता, साइबर और संयुक्त संचालन तैयारी में व्यवहारिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की मजबूत नींव, रक्षा सहयोग समझौता और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति के प्रति वचनबद्धता को दोहराया। इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग सहयोग समिति बनाने के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, समन्वयन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन और एयर मैन्यूवर जैसे अभ्यासों की सराहना की।

दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दोनों पक्षों ने अधिकारी आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रक्षा शिक्षा संस्थानों के दौरे जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने हिंद महासागर में समन्वय सहित समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने फिलिस्तीन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और मानवीय सहायता, संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण और बहुपक्षीय शांति प्रयासों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र के कानूनों के तहत गाजा में शांति सैनिक भेजने की अपनी तत्परता व्यक्त की। भारत ने सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर द्वारा इंडोनेशिया को घोड़े और एक पारंपरिक बग्गी भी भेंट करने की घोषणा की। दोनों मंत्रियों ने कहा कि उनके बीच उच्च स्तरीय संवाद से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिलेगा।

भ्रष्टाचार के 3 मामलों में हसीना को 21 साल सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की एक अदालत ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े मामले में सुनाई सजा
- हसीना के बेटे जॉय और बेटी साइमा को भी पांच-पांच साल कैद की सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में गुरुवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वांचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई। न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। जॉय और पुतुल पर एक-एक लाख टका का जुर्माना लगाया गया और इसका भुगतान न करने पर एक महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, भूखंड शेख हसीना को बिना किसी आवेदन के और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। दस दिन पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हसीना सरकार की क्रूर कार्रवाई को लेकर 'मानवता के विरुद्ध अपराध' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया था। हसीना पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी पार्टी की सरकार गिरने के बाद अगस्त में भारत चली गई थीं।

वहीं, भारत ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

19 अन्य को भी सुनाई सजा

हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्तीपक्का के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया। इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि के कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

हांगकांग: इमारत में आग से मरने वालों की संख्या 65 हुई

हांगकांग, एजेंसी

- 279 अब भी लापता, शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

हांगकांग के एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है। दमकलकर्मी दूसरे दिन भी बहुमंजिला आवासीय परिसर लगी आग को बुझाने में जुटे रहे। इस अग्निकांड को शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर के कुछ फ्लैट से गुरुवार शाम तक घना धुआं उठता देखा गया। इमारतों के अंदर आग की लपटें भी दिखाई दे रही थीं। इस परिसर में कई बहुमंजिला इमारतें हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। हांगकांग के नेता जॉन ली ने बताया कि गुरुवार सुबह तक 279 लोगों के लापता होने की सूचना थी। कुछ इमारतों में बचाव कार्य जारी है, लेकिन संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने लोग अभी भी लापता हैं या कितने अंदर फंसे हुए हैं। दमकलकर्मी बुधवार दोपहर से ही आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग सबसे पहले बांस की मचान और निर्माण जालियों में लगी जिसके बाद परिसर की आठ में से सात इमारतों में तेजी से फैल गई। चार इमारतों में आग लगभग बुझाई जा चुकी है।

शंघाई में भारतीय राजदूत ने चीनी प्रोफेसर के साथ की बैठक

बीजिंग। शंघाई में भारतीय राजदूत प्रतीक माथुर ने संस्कृत, पाली और भारतीय संस्कृति में विशेषज्ञता रखने वाले चीनी शिक्षाविदों से मुलाकात की तथा सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि माथुर ने बीजिंग फॉरेन स्टडीज विवि में संस्कृत और पाली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. झोउ लीकुन तथा नरसिंह वर्कशॉप के संस्थापक ली हांसी के साथ बैठक की। बैठक में संस्कृत अध्ययन, बौद्ध साहित्य और नवीन सांस्कृतिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। डॉ. झोउ ने भारतीय खगोल विज्ञान, कैलेंडर और साहित्य पर अपने शोध से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा की।

रूस से भ्रामक झंडों वाले 30 जहाजों के जरिये भारत को 2.1 अरब यूरो का तेल हुआ निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयरने दी जानकारी

भारत ने वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में रूस से 54 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जिसका मूल्य 2.1 अरब यूरो रहा। यह तेल पहचान छुपाने के मकसद से भ्रामक झंडों के तहत संचालित 30 जहाजों के जरिये भेजा गया था। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने बृहस्पतिवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भ्रामक झंडे का मतलब है कि जहाज अपने असली देश का झंडा न लगाकर किसी दूसरे देश का झंडा लगाकर चलता है, ताकि उसकी पहचान एवं स्वामित्व का पता न चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का लगातार बढ़ता हुआ 'छद्म जहाजी बेड़ा' अब उसके तेल निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हेलसिंकी स्थित सीआरईए ने कहा कि जनवरी-सितंबर, 2025 के दौरान 113 रूसी जहाजों ने इन गलत झंडों का इस्तेमाल किया।

सितंबर में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत हुए संचालित

सितंबर 2025 के अंत में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत संचालित हो रहे थे। यह संख्या दिसंबर 2024 के मुकाबले छह गुना है। सीआरईए ने कच्चा तेल लेकर भारत आने वाले जहाजों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इनमें से 30 जहाज भारत तेल लेकर आए। भारत को 2.1 अरब यूरो मूल्य का तेल भेजा गया, जो इस श्रेणी में सबसे बड़ा आयात है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग कम होने से भारतीय कंपनियों को तेल काफी रियायती दरों पर मिलने लगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 29 नवंबर 00.15 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

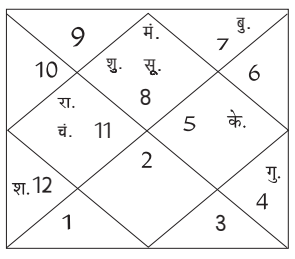

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 29 नवंबर 02.49 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष - आज धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

वृष - आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन - आज बड़े बुजुर्ग लोगों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क - आज आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें। मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाही कर सकते हैं।

सिंह - आज विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या - आज काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं। आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी।

तुला - आज पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में आपका विश्वास बढ़ेगा। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक - आज अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास रखें। माता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं।

धनु - आज जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप काफी मेहनत करेंगे। धार्मिक विषयों पर आप विशेष रुचि लेंगे। आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च कर सकते हैं।

मकर - आज खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा। मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ पर्यटन की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

कुंभ - आज नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे। रुकी हुई धनराशि आपको वापस मिल सकती है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन - आज बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे।

सुडोकू -174

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2					
							5	
3								
		7		3				
				1				
					5			
								4
	2				8			

सुडोकू - 173 का हल

1	2	3	9	8	7	6	4	5
8	6	7	4	5	1	3	2	9
5	9	4	6	3	2	1	7	8
2	3	5	8	1	4	7	9	6
9	8	6	3	7	5	2	1	4
4	7	1	2	9	6	5	8	3
7	1	8	5	6	9	4	3	2
6	4	9	1	2	3	8	5	7
3	5	2	7	4	8	9	6	1

मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है। कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है। लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है।
–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गौतम गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन

नई दिल्ली : पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है, जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है।

भव्या ने तैराकी में जीता सातवां स्वर्ण पदक

जयपुर : जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत व एक रिले स्वर्ण पदक जीता था।

संतोष ट्रॉफी का फाइनल राउंड असम में होगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बताया कि संतोष ट्रॉफी का फाइनल राउंड अगले साल जनवरी में असम में होगा। जबकि ग्रुप चरण 15-26 दिसंबर के बीच नौ अलग-अलग जगहों पर होंगे। कुल 35 टीम को नौ ग्रुप में बांटा जाएगा। इसमें आठ ग्रुप में चार चार टीमें होंगी और एक ग्रुप में तीन टीमें होंगी। एआईएफएफ ने कहा कि ग्रुप विजेता फिर मेजबान असम, पिछले सत्र के विजेता बंगाल और उप विजेता केरल के साथ 12 टीमों के फाइनल राउंड में शामिल होंगे जो ढकुआखाना और धेमाजी में होगा।

घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

दक्षिण अफ्रीका से दोनों मैचों में करारी हार के बाद चल रहा मंथन, तीसरे क्रम की बल्लेबाजी पर सबसे ज्यादा चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पीटीआई ने इसके बारे में जानकारी रखने वाले एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे। लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की ज़रूरत है। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है।

उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है। जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में काफी बदलाव की संभावना है और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम प्रबंधन किन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा जताता है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले गुरुवार को भारतीय टीम रांची पहुंच गई। यहां के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बस में सवार रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव। एजेंसी

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस सीरीज के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे।

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज़ से पहले मैच के लिए अभ्यास करते विराट कोहली। एजेंसी

श्रीकांत और उन्नति अंतिम आठ में

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने किया बड़ा उलटफेर
- प्रियांशु ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान किया पक्का

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स में सनीथ दयानंद से मुकाबला करते हुए। अमृत विचार

अमृत विचार : सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व चैंपियन के. श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा जहां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए वहीं तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने बड़ा उलटफेर कर दिया। तन्वी ने जापान की नोजोमी ओकुहारा और मनराज ने हमवतन एचएस प्रणय पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हमवतन सनीथ दयानंद को एकतरफा मुकाबले में 21-6, 21-16 से हराया। 2016 के चैंपियन श्रीकांत ने नेट पर बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला प्रियांशु राजावत से होगा। प्रियांशु ने कड़े संघर्ष में बीएम राहुल भारद्वाज को 21-16, 10-21, 21-12 से मात दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर उभरते भारतीय खिलाड़ी मनराज सिंह ने किया। युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज के विजेता मनराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इसी तरह भारतीय युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रोमांचक मुकाबले में 2023 की चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा को 13-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2025 और यूएस ओपन की उपविजेता तन्वी ने आक्रामक सर्विस और सटीक शॉट्स से ओकुहारा को लगातार दबाव में रखा। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भारत की तस्नीम मीर को आसानी से 21-15, 21-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की।

उन्नति हुड्डा। अमृत विचार

महिला युगल में जॉली-गायत्री की शानदार जीत

पिछली विजेता और शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. ने हमवतन जेनिथ अबेगिल व लिखिता श्रीवास्तव को 21-17, 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उत्तर प्रदेश की श्रुति मिश्रा और उनकी साथी प्रिया कोंज़ेंगबम ने चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर को कड़े मुकाबले में 21-17, 24-22 से हराकर बड़ी जीत हासिल की।

मिश्रित युगल में भी हुआ उलटफेर

पुरुष एकल में हांगकांग के जेसन गुनावान ने चौथी वरीय भारतीय खिलाड़ी किरन जार्ज को 21-19, 21-16 से हराया। मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी हरिहरन अम्साकरुनन-त्रिशा जॉली और नितिन एचवी-श्रीनिधि नारायणन, और महिला एकल में इशारानी बरुआ ने भी उलटफेर कर जीत दर्ज की।

दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटीं

डब्ल्यूपीएल नीलामी

- मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी बनीं दीप्ति
- चरणी, एमेलिया केर और लैनिंग को भी अच्छे दाम मिले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को 2026 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं, जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले।

यूपी वारियर्स ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रुपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी।

यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रुपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रुपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा। दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रुपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रुपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। वारियर्स के पास नीलामी के लिए 14 करोड़ 50 लाख रुपये का पर्स था।

एमबाप्पे के चार गोलों से रियल मैड्रिड जीता

चैंपियंस लीग

पेरिस, एजेंसी

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई। जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे। एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है।

वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं। आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के बचे सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन। भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है।

जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रुकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप | दो बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ आज बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी

नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

चेन्नई, एजेंसी

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है।

भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।

इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।

हमें अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा : श्रीजेश

चेन्नई : भारत के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप से पहले अपनी टीम की कमियों को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि नौ साल बाद अपनी धरती पर खिताब जीतने के लिये टीम को अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। अर्जेंटीना के साथ टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कामयाब टीम भारत ने होबर्ट में 2001 के बाद लखनऊ में 2016 में खिताब जीता था। भारत को पूल बी के पहले मैच में शुक्रवार को चिली से खेलना है। अंडर 21 वर्ग में भारत दूसरी रैंकिंग वाली टीम है जबकि सात बार की और पिछली चैम्पियन जर्मनी शीर्ष पर है। चिली विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा रैंकिंग से कुछ पता नहीं चलता और मैच के दिन प्रदर्शन ही मायने रखता है।

भारत के कप्तान रोहित और मुख्य कोच पीआर श्रीजेश। एजेंसी